सुविचार
हितकारी और मनोरम बात दुर्लभ होती है।
भारवि

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 06 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 49 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com



12
कार्ल अर्बन के साथ जमेगी प्रियंका...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| संसेक्स | : | 73,677.13 |
| निफ्टी | : | 22,356.30 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,105 |
| चांदी | : | 78.02 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### झारखंड मंत्रीपरिषद की बैठक आज

**RANCHI :** झारखंड मंत्रीपरिषद की बैठक 6 मार्च को होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा जानकारी दी गयी है। मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार को अपराह्न 4:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

### योगी मंत्रिमंडल का विस्तार 4 नए कैबिनेट मंत्री बने

**LUCKNOW :** लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार हो गया। मंगलवार को 4 नए चेहरों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। सभी को कैबिनेट का दर्जा दिया गया है। नए मंत्रियों में सुभासपा अध्यक्ष ओपी राजभर, भाजपा एमएलसी दारा सिंह चौहान, साहिबाबाद से भाजपा विधायक सुनील शर्मा और रालोद के दलित चेहरे अनिल कुमार हैं। नए बने चार मंत्रियों में से 3 दूसरे दलों से भाजपा में आए हैं। राजभर 9 महीने पहले सपा छोड़कर एनडीए गठबंधन में शामिल हुए थे। दारा सिंह चौहान भी सपा से भाजपा में आए हैं। एनडीए से गठबंधन के बाद रालोद विधायक अनिल कुमार को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इसके अलावा, 2022 विधानसभा चुनाव में यूपी में सबसे ज्यादा वोट से जीतने वाले भाजपा विधायक सुनील शर्मा को भी जगह मिली है। योगी कैबिनेट में कुल 52 मंत्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 56 हो गई। सरकार में 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में अभी भी 4 मंत्रियों की जगह खाली है।

### 7 राज्यों के 17 ठिकानों पर एनआईए की रेड

**BENGALURU :** कर्नाटक के बेंगलुरु में मशहूर रामेश्वरम कैफे में शुक्रवार को हुए बम ब्लास्ट के तार आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ गए हैं। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने (एनआईए) मंगलवार को मामले में 7 राज्यों में 17 ठिकानों पर छापा मारा। एनआईए की टीम ने बेंगलुरु के आरटी नगर में टी नजीर के घर पर छापा मारा। टी नजीर के आईएसआईएस से जुड़े होने का शक है। उसने कथित तौर पर कैफे ब्लास्ट के लिए आतंकवादियों को उकसाया था। इससे पहले आरटी नगर और सुल्तानपालिया में ग्रेनेड की खरीद के मामले में रेड की गई थी। इन छापों में गोलियां और ग्रेनेड्स बरामद हुए हैं। जुनैद नाम का शख्स रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। उसके खिलाफ हवाला लेनदेन के संबंध में पहले से ही मामला दर्ज है। एनआईए की टीम छानबीन के लिए बेंगलुरु सेंट्रल जेल भी गई थी। तमिलनाडु के चेन्नई के रामनाथपुरम में शमशुद्दीन के घर पर भी एजेंसी ने छापेमारी की।

# कलकत्ता हाईकोर्ट का फैसला, संदेशखाली मामले की जांच करेगी सीबीआई

## शाहजहां की कस्टडी लेने बंगाल पुलिस हेडक्वार्टर पहुंची, सीबीआई खाली हाथ लौटी

**AGENCY KOLKATA :** कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को शाहजहां शेख का केस सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के आदेश पर शाहजहां को भी केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया। इधर, बंगाल सरकार के वकील ने हाईकोर्ट से अपील की कि वे इस आदेश पर 3 दिन रोक लगा दे, लेकिन हाईकोर्ट ने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसे खारिज कर दिया गया। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी मंगलवार को शाहजहां शेख की कस्टडी सीबीआई को नहीं मिली। केंद्रीय जांच एजेंसी बंगाल पुलिस के हेडक्वार्टर से 2 घंटे के इंतजार के बाद खाली हाथ लौट गई। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को शाम 4.30 बजे तक शेख को सीबीआई को हैंडओवर करने के आदेश दिए थे। इसके बाद शाम 4:40 बजे सीबीआई की टीम उसे लेने के लिए भवानी भवन पुलिस हेडक्वार्टर पहुंची थी। शेख को ईडी की टीम पर हमले के केस में 29 फरवरी को नॉर्थ 24 परगना के मीनाखान इलाके से गिरफ्तार किया गया था। वह 55 दिन से फरार था। फिलहाल वो अभी 10 दिन की पुलिस रिमांड पर है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि इस केस से जुड़े सभी कागजात तुरंत सीबीआई को सौंप दिए जाएं।

● फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची राज्य सरकार, याचिका खारिज

### बंगाल पुलिस का रवैया पक्षपातपूर्ण : हाईकोर्ट

ईडी की याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा, 'पश्चिम बंगाल पुलिस का रवैया पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। इसे देखते हुए निष्पक्ष और ईमानदार जांच की जरूरत है। हमें यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि राज्य की एजेंसियों से निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं है।' कोर्ट ने कहा, 'बंगाल पुलिस आरोपी को बचाने के लिए लुका-छिपी का खेल रही है। आरोपी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति है। वह बंगाल पुलिस की जांच को प्रभावित कर सकता है।' दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ईडी की सीबीआई को केस ट्रांसफर करने की याचिका पर सोमवार को फैसला रिजर्व रखा था। इस साल 5 जनवरी को शेख के लोगों ने छापेमारी के दौरान ईडी के टीम पर हमला किया था।

# सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हिमाचल के सभी 6 बागी विधायक, स्पीकर के फैसले को दी चुनौती

**AGENCY NEW DELHI :** पिछले दिनों विधानसभा में कटौती प्रस्ताव और वित्त विधेयक पर मतदान से अनुपस्थित रहने को लेकर स्पीकर ने सदन से सभी 6 विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। सभी बागी विधायकों ने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग किया था, जिससे कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के बागी विधायक राजेंद्र राणा ने शनिवार को दावा किया था कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्यशैली से घुटन महसूस कर रहे पार्टी के नौ और विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस के छह, और तीन निर्दलीय विधायकों के अलावा पार्टी के नौ और विधायक हमारे संपर्क में हैं।

● कांग्रेस के बागी विधायक राजेंद्र राणा का दावा सुक्खू की कार्यशैली से घुटन महसूस कर रहे
● क्रॉस वोटिंग के चलते राज्य सभा चुनाव में बीजेपी को मिली थी जीत
● मुख्यमंत्री सुक्खू का दावा उनकी सरकार पूरा करेगी पांच साल

# जमीन-आसमान बेचकर कोठियां बनवाईं : प्रधानमंत्री

## परिवारवाद को लेकर प्रधानमंत्री का विपक्ष पर हमला

**AGENCY HYDERABAD :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 घंटे के अंदर एक बार फिर तेलंगाना पहुंचे। उन्होंने मंगलवार को सबसे पहले सिकंदराबाद के श्री उज्जयिनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने संगारेड्डी में 7200 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया। पीएम मोदी ने यहां रैली को संबोधित करते हुए एक बार फिर परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। पीएम ने कहा- पता है ये लोग मुझे गाली क्यों दे रहे हैं? ये मोदी उनकी आंखों में चुभता क्यों है? उसका कारण है- मैं उनके सैकड़ों हजारों रुपए के घोटालों की पोल खोल रहा हूं। पीएम ने कहा- मैं इनके परिवार के खिलाफ परिवारवाद के खिलाफ बोल रहा हूं। व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाया। वो लोग मेरी बातों का जवाब नहीं देते हैं, वो कहने लगते हैं कि मोदी का परिवार ही नहीं है। अगर आपके पास परिवार है तो आपको चोरी करने की छूट है, सत्ता पर कब्जा करने की छूट है? मोदी बोले- विपक्ष के लोगों ने सत्ता में रहते हुए भ्रष्टाचार के लिए जमीन-आसमान बेच दिए और अपनी कोठियां बनवाईं। मैंने आज तक अपना घर भी नहीं बनवाया। मैं गुजरात का मुख्यमंत्री और अब देश का प्रधानमंत्री रहते हुए अब तब 150 करोड़ के गिफ्ट नीलाम करवाकर जनता की सेवा में लगा दिए।

**मोदी जो कहता है, वो करके दिखाता है**

प्रधानमंत्री ने कहा- कल भी मैं तेलंगाना में थ और आज भी आया हूं। इन दो दिनों में 63 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकापर्ण हुआ। आप भी जानते हैं कि मोदी जो कहता है, वो करके दिखाता है। मैनें कहा था- भारत को पूरे विश्व में एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। आज आप देख रहे हैं कि कैसे भारत पूरे विश्व में आशा की किरण बनकर नई ऊंचाई छू रहा है। मोदी ने कहा- हमने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 के अंत की बात कही थी। ये वादा भाजपा ने पूरा करके दिखाया। हमने कहा था कि हम सब मिलकर अयोध्या के भव्य मंदिर में भगवान राम का स्वागत करेंगे। ये वादा पूरा हुआ। मोदी की गारंटी पूरी हुई।

● परिवारवादियों ने देश को बर्बाद किया, मैंने घर भी नहीं बनवाया
● आप भी जानते हैं कि मोदी जो कहता है, वो करके दिखाता है
● भारत पूरे विश्व में नई ऊंचाई छू रहा है
● हमने जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 के अंत की बात कही थी, वादा पूरा करके दिखाया



सिकंदराबाद के श्री उज्जयिनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना करते पीएम।

### विपक्ष मुझे और मेरे परिवार को दे रहा है गाली : पीएम

मोदी ने कहा- आज जब मोदी आपसे और आपके परिवार को दी गई गारंटी को पूरा करने में लगा है, तो कांग्रेस और उसके साथी मोदी को और मोदी के परिवार को गाली देने पर उतर आए हैं। इसका कारण है- क्योंकि मैं इनके सैंकडों हजारों रुपयों के घोटालों की पोल खोल रहा हूं। मैं इन लोगों के परिवारवाद के खिलाफ आवाज उठा रहा हूं। व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा- मैं सही कर रहा हूं या नहीं। आप जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक देखिए, जहां परिवारवादी पार्टियां राज कर रही हैं, वो परिवार मजबूत हो गए और वो राज्य बर्बाद हो गए। वो लोग मेरी बातों का जवाब नहीं देते हैं, वो कहने लगते हैं कि मोदी का परिवार ही नहीं है। अगर आपके पास परिवार है तो आपको चोरी करने की छूट है, सत्ता पर कब्जा करने की छूट है? मोदी ने कहा- मैंने एक ही परिवार के 50-50 लोग पदों पर विराजमान देखे हैं। ये कहते हैं कि मोदी के साथ हमारी विचारधारा की लड़ाई है। ये विचारधारा की लड़ाई है।

### मैंने ₹150 करोड़ के गिफ्ट देश की सेवा में अर्पित किए

पीएम ने कहा- कांग्रेस पहले परिवारवादी नहीं थी, लेकिन जबसे परिवारवादी बनी है, 50 साल से कम आयु वाले को आगे नहीं बढ़ाते। किसी को बैठाना पड़ा तो 80-85 साल वाले को बना देंगे। डरते हैं कि 50-55 साल वाला आया और ओवरटेक कर गया तो परिवार का क्या होगा। मोदी लगातार देश की राजनीति में ईमानदार युवाओं को आगे ला रहा है। इन परिवारवादियों ने देश को लूटा, अपनी तिजोरियां भरीं। मोदी ने खुद को जो तनख्वाह मिलती है, उसमें से भी जब मौका आया कुछ ना कुछ मैंने लोगों के लिए खर्च कर दिया है। इन्होंने महंगे-महंगे गिफ्ट लिए, उसके जरिए काले धन को सफेद बनाया। मोदी ने जो गिफ्ट लिए उसकी नीलामी होती है। अब तक करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपया इसी तरह लोगों की सेवा में लगा दिया है। पीएम ने कहा- उन्होंने काला धन ठिकाने लगाने के लिए विदेशी बैंकों में अपने खाते खोले। मोदी है, जिसने यहां करोड़ों गरीब भाई-बहनों के जनधन खाते खुलवाए। ये फर्क है। परिवारवादियों ने अपने परिवार के लिए कोठियां-महल-

### ओडिशा में पीएम बोले- अबकी बार 400 पार

**BHUBANESWAR :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ओडिशा के चंडीखोल में 19,600 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जो भी अटकी, लटकी, भटकी परियोजनाएं थीं, उन्हें हमारी सरकार पूरी कर रही है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि अबकी बार 400 बार का संकल्प है। ये संकल्प भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार कोयले को लूट कर खा जाती थी तो वह गरीबों को खाना कैसे दे सकती है? लेकिन जब एक गरीब का बेटा प्रधानमंत्री बना तब उसने कहा कि गरीब की सबसे बड़ी गारंटी मोदी बनेगा। जिस गरीब के पास गारंटी देने के लिए कुछ नहीं था, उसकी गारंटी मोदी ने ले ली। आज यह जो विकास के बड़े-बड़े काम हो रहे हैं। वो पहले भी हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों का ध्यान अपनी तिजोरी भरने पर था। जो कांग्रेस सरकार कोयले को लूट कर खा जाए, वह गरीबों को खाना कैसे दे सकती है?

### देवघर में महाशिवरात्रि पर उमड़ेगी एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़

**DEOGHAR :** झारखंड की विश्व प्रसिद्ध देवभूमि देवघर के बाबा वैद्यनाथ और उप राजधानी दुमका के बासुकीनाथ धाम में शिव-पार्वती शादी की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। अनुमान है कि इस वर्ष देवघर में एक लाख से अधिक जबकि दुमका के बासुकीनाथ धाम में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे। बिहार, बंगाल सहित देश के अन्य प्रदेशों से शिवभक्त पहुंचेंगे। शिवरात्रि पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर तैयारी की जा रही है। शिवरात्रि को लेकर 2535 अतिरिक्त जवानों को प्रतिनियुक्त किया गया है। बाबा मंदिर सहित रूट लाइन व शिव बारात रूट में चप्पे-चप्पे पर पदाधिकारी सहित पुलिसकर्मी को तैनात किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को सुलभ जलार्पण कराया जा सके। इसके लिए मुख्यालय से अतिरिक्त पदाधिकारी सहित पुलिस फोर्स की मांग की गयी थी। इस संबंध में डीजीपी के आदेश पर आईजी अभियान ने आदेश जारी कर दिया है।

# मनरेगाकर्मियों से दूसरे काम कराने पर सरकार की रोक

## विभाग ने जिलों के डीसी-डीडीसी को लिखा पत्र

**PHOTON NEWS RANCHI :** चम्पाई सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है। खास कर मनरेगा की योजनाओं को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है। इसे लेकर ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों के डीसी और डीडीसी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि मनरेगा कर्मियों को कोई भी दूसरे कामों में नहीं लगाया जाये। यह पत्र विभाग के ज्वाइंट सेक्रेट्री अरुण कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी हुआ है। पत्र में कहा गया है कि मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना और बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन योजनाएं चल रही हैं। इसे हर हाल में निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा किया जाना है।

**विभाग को मिली थी शिकायत :** ग्रामीण विकास विभाग को शिकायत मिली थी कि मनरेगा कर्मियों से दूसरा काम भी लिया जा रहा है। साथ ही रिव्यू मीटिंग में यह भी बात सामने आई थी कि मनरेगा योगनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं है। ऐसे में विभाग ने एक्शन लेते हुए जिलों के डीसी और डीडीसी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि योजनाओं का काम समय पर पूरा होना चाहिए।

● मनरेगा की योजनाओं को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही सरकार
● हर हाल में निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा किया जाए काम



# दुमका गैंगरेप पीड़ित स्पेनिश महिला बोली- भारतीय अच्छे, मेरे दोषी 7 लोग

## पुलिस ने टूरिस्ट कपल को 70 किमी दूर बिहार बॉर्डर पहुंचाया

**PHOTON NEWS DUMKA :** स्पेनिश ट्रैवल ब्लॉगर और गैंगेरप पीड़ित विदेशी महिला मंगलवार को झारखंड छोड़ दिया। पुलिस स्पेनिश कपल को सुरक्षा के साथ दुमका से 70 किमी दूर झारखंड-बिहार के बॉर्डर पर छोड़ने गई। सरैयाहाट से वो आगे का सफर तय कर सकेंगे। बिहार से होते हुए स्पेनिश ट्रैवल दंपती आगे की यात्रा करेंगे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए पीड़ित विदेशी महिला ने कहा कि ये एक घटना थी, जो कहीं भी हो सकती है। मैं आज भी मानती हूं कि इंडिया एक अच्छा देश है, और यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। इधर स्पेनिश ट्रैवल ब्लॉगर के साथ गैंगेरप मामले में हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। एसपी से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। 7 मार्च को इस पर सुनवाई होगी। इधर झारखंड कानूनी सेवा प्राधिकरण इस मामले में महिला की सुरक्षा को लेकर प्रशासन को सतर्क रहने के लिए कहा है। फिलहाल दोनों स्पेनिश दंपती दुमका सर्किट हाउस में रह रहे हैं। बता दें कि स्पेनिश महिला के साथ शुक्रवार की रात दुमका में गैंगरेप हुआ था। तीन आरोपी शनिवार को गिरफ्तार हो गए थे।



● स्पेनिश दंपती को सर्विलांस पर रखेगी पुलिस
● एक मार्च को स्पेनिश टूरिस्ट से सात युवकों ने किया था गैंगरेप

### गैंगरेप के पांच अन्य आरोपी गिरफ्तार

स्पेन के टूरिस्ट बाइक राइडर दंपति से मारपीट, लूट और महिला से गैंगरेप मामले में हंसडीहा पुलिस पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में मंगलवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में बाबूजी सोरेन, बुधलाल मराण्डी, बबलू हेम्ब्रम, बसिस मुर्मू एवं समीर किस्कू शामिल हैं। सभी थाना क्षेत्र के कुरमाहाट निवासी हैं। यह जानकारी दुमका के एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि विदेशी महिला से दुष्कर्म के मामले में पुलिस थाना कांड संख्या 18/24 के तहत भादवी की धारा 395 एवं 376 डी के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुट गई थी।

## भोजपुरी में कौशल निखारने के लिए यायावरी क्लब ने कराई पेंटिंग कार्यशाला

# युवाओं के कौशल विकास को निखारना क्लब का उद्देश्य

**AGENCY GORAKHPUR :** भोजपुरी के पहले स्टोरी टेलिंग एप 'यायावरी वाया भोजपुरी' की ओर से गंगोत्री देवी महिला डिग्री कॉलेज में भोजपुरी पेंटिंग का वर्कशॉप कराया गया। इसका उद्देश्य भोजपुरी भाषा के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास करना था। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम शुक्ला, कॉलेज के प्रबंध निदेशक आशुतोष मिश्रा, विषय विशेषज्ञ नंदिनी सिंह, 'यायावरी वाया भोजपुरी' के परियोजना अधिकारी गौरव मणि त्रिपाठी, यायावरी क्लब की हेड श्वेता सुप्रिया और कार्यशाला की को-ऑर्डिनेटर कामिनी सिंह ने माता सरस्वती को पुष्पमाला अर्पण व दीप प्रज्वलन से किया। इसके साथ ही सम्मान समारोह पूर्ण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सुधीर मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए श्वेता सुप्रिया ने यायावरी क्लब के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 'युवाओं के अंदर उनके कौशल विकास को निखारने के लिए इस क्लब का गठन किया गया है'।

कॉलेज के प्रबंध निदेशक आशुतोष मिश्रा ने सभी से भोजपुरी की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और इसके संवर्धन के लिए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आचार्य डॉ. पूनम शुक्ला ने कहा कि 'भोजपुरी हमारी मातृभाषा है और और इस भाषा के साथ हमें आगे बढ़ाना है'।

कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए विषय विशेषज्ञ नंदिनी ने भोजपुरी पेंटिंग की मूल बातों पर चर्चा की। बच्चों को लोक भोजपुरी पेंटिंग के बारे में बताया। धन्यवाद ज्ञापन कामिनी सिंह ने किया। इस अवसर पर गौरव मणि त्रिपाठी, मिनी उपाध्याय, सोनू किशोर और महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मंच पर यायावरी क्लब के सदस्य।

कार्यशाला में उपस्थित लोग।

### सरकार जल्दी बेचे आयरन ओर या हटाए : हाईकोर्ट

**JAMSHEDPUR :** पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित सारंडा वन क्षेत्र में वर्षों से लाखों टन आयरन ओर खुले में पड़े हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने सारंडा के जंगलों को बचाने के लिए झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायरा की थी। इस मामले में कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पूछा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से क्यों नहीं ले रही है। कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया कि सरकार अगली तिथि के पहले स्थिति स्पष्ट करे। या तो लौह-अयस्क को बेचने की प्रक्रिया सरकार पूरी करे या फिर कोई ऐसी जगह (वन क्षेत्र के बाहर) चिह्नित करे, जहां इन लौह-अयस्क को डंप किया जा सके। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि सारंडा के जंगलों में कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सारी माइनिंग एक्टिविटी तो बंद हो गई।

# झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव 21 को

## 11 मार्च तक भरे जाएंगे नामांकन पत्र

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए 21 मार्च को चुनाव कराए जाएंगे। इसको लेकर चुनाव आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के मुताबिक झारखंड की दो सीटों के लिए 11 मार्च तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे। नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 12 मार्च को होगी और 14 मार्च तक नाम वापस लिए जाएंगे। इधर, अधिसूचना जारी होने के बाद झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव सह निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में अधिसूचना की कॉपी को सार्वजनिक किया गया। नामांकन प्रभारी सचिव सह निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में होगा। इसके लिए तैयारियां पूरी की गई है। राज्यसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार नामांकन के बाद यह तय होगा कि मतदान कराया जाए या नहीं। दो से अधिक प्रत्याशी होने पर मतदान कराए जाएंगे। मतदान होने पर वोटों की गिनती भी उसी दिन होगी।

BRIEF NEWS

## खेत में काम कर रही महिला पर फायरिंग, गांजा पीने आए युवकों ने चलाई गोली

**PALAMU :** जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से सटे चैनपुर थाना क्षेत्र के भड़गांव पंचायत अंतर्गत चट्टीपार गांव के भुतहा रोड इलाके में खेत में काम कर रही 60 वर्षीय महिला पर फायरिंग कर दी गई। महिला के बांह में गोली लगी, जबकि गिरने से पैर का हिस्सा जख्मी हो गया। उसका इलाज एमआरएमसीएच में किया जा रहा है। फायरिंग करने वाले युवकों की संख्या तीन थी। इनमें से दो युवकों ने गोली चलाई। घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। महिला की पहचान चट्टीपार निवासी चंद्रिका मांझी उर्फ चुन्नू मांझी की पत्नी सुमित्रा देवी के रूप में हुई है। सुमित्रा देवी अपने खेत में दलहन फसल कट रही थी। इसी क्रम में अचानक उस पर गोली चलाई गई। गोली चलने पर महिला भागने लगी। भागने के क्रम में एक गोली उसके बांह में लगी, जबकि गिरने पर पैर का हिस्सा जख्मी हो गया।

## लोकसभा चुनाव के लिए समन्वय बनाकर काम करें अधिकारी : उपायुक्त

**KHUNTI :** जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिला स्तर पर गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी के साथ मंगलवार को बैठक की गई। इस दौरान विशेष रूप से प्रशिक्षण, कार्मिक एवं निर्वाचन कोषांग के कार्यों की समीक्षा की गई। मौके पर सभी को निर्देशित किया गया कि कोषांगों के कार्यों को सफलता के साथ संचालन के लिए आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा।सभी कोषांगों में प्रतिनियुक्त वरीय पदाधिकारियों को आगामी लोकसभा चुनाव के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

## डीआइयू एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ जिला प्रशासन ने किया एमओयू

**KHUNTI :** जिला प्रशासन द्वारा डीआइयू एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ मंगलवार को एमओयू किया गया। संबोधी रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड और ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन (टीआरआई) की संयुक्त पहल से इसका संचालन किया जाएगा। इसका उद्देश्य जिला एवं प्रखंड प्रशासन के लिए समीक्षा तंत्र, निगरानी प्रणाली और प्राथमिकता वाली योजनाओं के लिए एक विश्लेषणात्मक डैशबोर्ड का निर्माण करना है। विश्लेषणात्मक डैशबोर्ड नामित उपयोगकताओं को राज्य और केंद्रीय योजनाओं में प्राथमिकता संकेतकों की निगरानी करने में सहयोग करेगा और उपयोगकताओं को कार्यान्वयन की स्थिति और बाधाओं के विवरण सहित ग्राम पंचायत स्तर तक अलग-अलग डेटा देखने में सक्षम करेगा।

## विधायक ने 11 करोड़ की लागत से बनने वाली आठ सड़कों का किया शिलान्यास

**KHUNTI :** खूंटी के विधायक और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने मंगलवार को कर्रा प्रखंड के साहिलोंग जेरगा मोड़ के पास लगभग 11 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली आठ सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर उन्होंने साहिलोंग में विधायक मद से निर्मित सांस्कृतिक भवन का उद्घाटन किया। आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि आपके स्नेह के कारण पिछले 25 वर्षों से क्षेत्र की जनता की सेवा करता आ रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि खूंटी राज्य का सबसे विकसित विधानसभा क्षेत्र बने। उन्होंने कहा कि वे हमेशा लोगों के सुख-दुःख में उनके साथ रहते आये हैं और भविष्य में भी उनकी सेवा करता रहूंगा। विधायक नें कहा कि अच्छी सड़कों से ही विकास का मार्ग खुलता है। इसीलिए उनका प्रयास रहा है कि खूंटी विधानसभा के सभी गांवों में पक्की सड़कें हों और सभी नदी-नालों में पुलिया का निर्माण कराया है। उन्होंने कहा कि अब चुनाव आनेवाला है। विरोधी दल के नेता और कार्यकर्ता आपको बरगलाने के लिए अपके पास पहुंचेंगे। यह आपको तय करना है कि आप किसे वोट देंगे। उन्होंने कहा कि आप ऐसे जन प्रतिनिधि को चुनें, जो हमेश आपके साथ है और क्षेत्र का विकास करता हो।

# अस्पताल में बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

### अस्पताल प्रबंधन पर गलत तरीके से बिल बनाने का लगाया आरोप

**PHOTON NEWS DHANBAD :** जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जालान अस्पताल में एक बच्चे की मौत के बाद उसके परिजनों ने जमकर हंगामा और विरोध-प्रदर्शन किया। परिजन ने अस्पताल प्रबंधन पर गलत तरीके से बिल बनाने और मृत बच्चे को नहीं देने का आरोप लगा रहे थे।

अस्पताल के पास हंगामा करते परिजन। ● फोटोन न्यूज

धनबाद के ही महाराजगंज निवासी प्रदीप मंडल ने कहा कि बीते 29 फरवरी को बच्ची को सांस लेने में हो रही दिक्कत के बाद उन्होंने उसे जालान अस्पताल में भर्ती कराया। कल उनकी बच्ची की मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने बिल लगभग 66 हजार रुपये का बनाया है। बिल में बेजा शुल्क भी जोड़ा गया है। इसका विरोध विरोध करने पर बच्ची का शव देने से इनकार कर दिया गया। इसलिए जांच के नाम पर अनाप-शनाप बिल जोड़ने वाले अस्पताल पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। मृतक के चाचा दीपक मंडल ने कहा कि मेडिसिन का बिल मिलाया गया तो काफी कम पाया गया। ऐसे में अस्पताल के साथ डॉक्टर से भी विश्वास उठता जा रहा है।

# कार की टक्कर से गिरे शख्स को ट्रक ने रौंदा, मौत पर भड़के लोग

**PHOTON NEWS DHANBAD :** जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाष चौक के समीप सड़क पार कर रहे शख्स को पहले एक कार ने टक्कर मारा, फिर उसे एक ट्रक ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान तोपचांची थाना क्षेत्र के रंगरीटांड के बुच्चाकुल्हि निवासी पुनु महतो (45) के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजा और फुट ओवरब्रिज की मांग को लेकर सड़क मार्ग पर जाम लगा दिया। देखते ही देखते जीटी रोड पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।

घटना स्थल पर जुटी भीड़। ● फोटोन न्यूज

सूचना तोपचांची और हरिहर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। तोपचांची सीओ डॉ संजय कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। आक्रोशित लोगों को समझाने में प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सीओ डॉ संजय कुमार सिंह ने निजी स्तर से अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक मदद करने का आश्वासन दिया। तब जाकर लोग शांत हुए। करीब तीन घंटे बाद सड़क पर यातायात सामान्य हो पाया। इस दौरान वाराणसी एवं धनबाद दिशा की ओर जाने वाले यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

## स्वीप कार्यक्रम चुनौतीपूर्ण के साथ रोचक और रचनात्मक भी : डीसी

**PHOTON NEWS HAZARIBAGH :** लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदाता भागीदारी बढ़ाने, नैतिक मतदान एवं निर्वाचन संबंधी जागरूकता संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय स्वीप कोर कमिटी की बैठक मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आहूत की गई।

उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में हुए बैठक में जिले में व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता संदेश के प्रचार-प्रसार के निमित गहन-विचार विमर्श किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि स्वीप कार्यक्रम चुनौतिपूर्ण होने के साथ-साथ रोचक और रचनात्मक भी है। स्वीप कार्यक्रम के उद्देश्यों पर बल देते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को सुगम एवं प्रभावशाली बनाने के लिए सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। कार्यालय एवं स्टेकहोल्डरों को अपने अधीन बॉटम लाईन को इस्तेमाल करते हुए स्वीप कार्यक्रम संचालित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय कार्यालयों सहित विशेष आमंत्रित सदस्यों को योजना बनाकर स्वीप कार्यक्रम संचालित कर मतदाता जागरूकता संदेश के व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। इसके तहत सभी विभागों को मतदाता जागरूकता संबंधी विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं, क्विज, ईवेंट, रैली, प्रभात फेरी, ट्री प्लोंटेशन, गोष्ठी, संदेश, संध्या चैपाल आदि आयोजित कर लोगों के बीच मतदाता जागरूकता का संदेश आमजनों तक प्रसारित का निर्देश दिया गया।

## हजारीबाग में देसी हथियार के साथ गिरफ्तार युवक को भेजा जेल

**HAZARIBAGH :** शहर के बड़ा बाजार टीओपी क्षेत्र स्थित खिरगांव मुहल्ला में सोमवार देर रात पैंथर पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को देशी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सूरज यादव उर्फ सुंदर यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने मंगलवार को आरोपित को जेल भेज दिया है। इस संबंध में बड़ा बाजार टीओपी में कांड संख्या 94/24 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सुंदर यादव को नामजद आरोपित बनाया गया है। बड़ा बाजार पुलिस ने बताया कि खिरगांव मुहल्ला में शरारती तत्वों के होने की गुप्त सूचना मिली थी। पुलिस की छापेमारी में युवक के पास से एक देसी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, 10 हजार रुपये नकदी और कुछ नशीली दवा बरामद किया गया।

# जामताड़ा में क्रेडिट-बी प्लेटफार्म पर लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले पांच साइबर ठग धराए

### 1.30 लाख रुपये, 20 मोबाइल, 25 सिम कार्ड व दो बाइक समेत अन्य कागजात जब्त

**PHOTON NEWS JAMTARA :** जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस ने छापेमारी के दौरान करमाटांड़ थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में छापेमारी के दौरान पांच शातिरों को दबोचा है। इन शातिरों ने कुछ ही दिनों पहले बिहार के जमुई, यूपी के लखीमपुर खीरी और तेलंगाना के रोचाकोंडा के रहने वाले लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है। इन शातिरों ने जमुई के रहने वाले नयन कुमार से क्रेडिट बी पर लोन दिलाने के नाम पर झांसे में लेकर 18500 रुपये की ठगी की। जबकि लखीमपुर खीरी के रहने वाले एकलव्य गुप्ता से अमेजन के हेल्पनाइन नंबर के कस्टमेयर स्टाफ बनकर 64000 रुपये और तेलंगाना की रोचाकोंडा क्षेत्र की रहने वाली महिला

मीडिया को जानकारी देते साइबर डीएसपी मजरूल होदा। ● फोटोन न्यूज

लक्ष्मीनारायणन से ई-कामर्स कंपनी के हेल्पलाइन नंबर के नाम पर काल कर 1.30 लाख रुपये की ठगी की है।

पुलिस टीम छापेमारी के दौरान करमाटांड़ थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव से सागर मंडल, जामताड़ा थाना क्षेत्र के पांडेयडीह मोहल्ले के रहने वाले वाले शिवा दास और करमाटांड़ थाना क्षेत्र के पिंडारी गांव से नईमुद्दीन अंसारी, अहमद अंसारी और असरफ अंसारी को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। इस बात की जानकारी मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान साइबर डीएसपी मजरूल होदा ने दी।

होदा ने बताया कि इन शातिरों ने ठगी के लिए कई नए तरीके अपना रखे थे। ये वाट्स पर मैसेज डालकर स्क्रीन शेयर कर लोगों के डिटेल्स साझा करते थे और झांसे में आए लोगों को आसानी से ठगी का शिकार बना लेते थे। आरोपितों के पास से छापेमारी के दौरान कैश 1.30 लाख रुपये, 20 मोबाइल, 25 सिम कार्ड, दो एटीएम कार्ड, तीन पासबुक, एक चेकबुक, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और बाइक जब्त की गई है। ये आरोपित करमाटांड़ के नवाडीह, हेठ भिठरा और पिंडारी गांव में छापेमारी के दौरान गिरफ्त में आए। इनके मोबाइल की जांच पुलिस की टेक्निकल सेल कर रही है ताकि इनके द्वारा और कितने लोग ठगी के शिकार बने हैं, इस बात की जानकारी जुटाई जा सके। आरोपितों के पुराने क्राइम रिकार्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

# चुनावी जंग में कौन होगा अर्जुन मुंडा के खिलाफ विपक्ष का योद्धा, लगातार बढ़ रही खूंटी में राजनीतिक तपिश

**PHOTON NEWS KHUNTI :** जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तिथि नजदीक आती जा रही है, खूंटी संसदीय क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही। हर चौक-चौराहों यहां तक कि कार्यालयों में भी चुनावी चचाओं का बाजार गर्म है। लोग इतना तय मान रहे हैं कि चुनावी जंग में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही होना है, पर लोगों में इस बात को लेकर अधिक चर्चा है कि कांग्रेस अपने किस योद्धा को अर्जुन मुंडा के खिलाफ मैदान में उतारती है। कांग्रेस के टिकट के मुख्य दावेदारों में दो बार लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमा चुके पूर्व विधायक काली चरण मुंडा और हाल ही कांग्रेस का दामन थामने वाली विस्थापन विरोधी नेता के रूप अपनी पहचान बनाने वाली दयामनी बारला को माना जा रहा है। दयामनी बारला 2019 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतर चुकी हैं। वैसे खूंटी संसदीय सीट से कांग्रेस के टिकट के दावादारों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू के नाम की भी चर्चा है। राजनीति के गलियारों में इस बात भी जोरदार चर्चा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा भी यहां से दावेदारी ठोंक सकता है। झामुमो नेताओं का मानना है कि कांग्रेस कई चुनावों में पराजय का मुंह देख चुकी है।

# भाजपा गठबंधन दो सीटों पर क्षत्रिय प्रत्याशियों की करे घोषणा : विनय

**PHOTON NEWS PALAMU :** अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह उर्फ वीनू सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर विचार-विमर्श के बाद वीर कुंवर सिंह पार्क हरमू में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन हुआ। बीनू सिंह ने कहा कि भाजपा ने धनबाद व चतरा लोकसभा क्षेत्र से पहले भी क्षत्रिय समाज को प्रत्याशी बनाने का काम किया है, जिसका लाभ चुनावों में साफ देखा जा सकता है। बीनू ने कहा कि कुछ चापलूसों के चक्कर में भाजपा को पूर्व में काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इसकी पुनरावृति नहीं हो तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रत्याशियों की सूची में झारखंड की कुल 14 में 11 संसदीय क्षेत्रों में एक भी क्षत्रिय नहीं है। यह क्षत्रिय समाज को दरकिनार करने जैसा है। उन्होंने कहा कि जिन दो लोकसभा सीटों पर पहले से क्षत्रिय सांसद है, उनपर भी किसी प्रत्याशी की घोषणा नहीं की गई है, जिससे क्षत्रिय समाज में भ्रम की स्थिति बन गई है।

# पंचायतों को जागरुक करने के उद्देश्य से साझा संकल्प-साझी सुरक्षा की हुई पहली कार्यशाला

**PHOTON NEWS RANCHI :** शिशु हत्या और असुरक्षित परित्याग पर ग्राम पंचायतों को जागरुक करने के उद्देश्य से साझा संकल्प-साझी सुरक्षा प्रोजेक्ट की पहली कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका आयोजन मंगलवार को नामकुम ब्लॉक के लाल खटंगा ग्राम पंचायत भवन में किया गया। पालोना और ऊर्जा एरोहैड ने मिलकर इस कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में नामकुम ब्लॉक की करीब 15 पंचायतों के मुखियाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पत्रकार व पालोना की संस्थापक मोनिका आर्य ने शिशु हत्या जैसे जघन्य अपराध पर विस्तार से प्रकाश डाला। इससे जुड़े आंकड़ों के जरिए उन्होंने मुद्दे की भयावहता उजागर की। लगातार हो रही इन घटनाओं को कैसे रोका जाए, इसे रोकने को लेकर किस प्रकार के कदम उठाए जाने चाहिएं, इस बारे में भी उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित मुखियागणों को अवगत कराया और इस अपराध को रोकने में पंचायत प्रमुखों की भूमिका पर जोर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं की हत्या और असुरक्षित परित्याग को रोकने के लिए हम सभी को साथ मिलकर लड़ना होगा। हमें घटना को होने से रोकना होगा और ये तभी संभव है, जब हम इसके तमाम पहलुओं से अवगत हों और इसे रोकने के लिए कृत संकल्प भी।

इसी दिशा में काम करते हुए पालोना इस वर्कशॉप के माध्यम से एक नई पहल करने जा रहा है। साझा संकल्प-साझी सुरक्षा नामक ये प्रोजेक्ट एडवोकेसी वर्कशॉप्स की सीरीज पर आधारित होगा, जिसका मुख्य फोकस ग्राम पंचायतों पर होगा।

# झारखंड में लोस की 75 फीसद सीट जीतकर दें, तो राहुल गांधी का पीएम बनना तय : गुलाम अहमद मीर

**PHOTON NEWS KHUNTI :** झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि देश में कांग्रेस के सभी नेताओं कार्यकर्ताओं सहित अन्य करोड़ों समर्थकों की यह चाहत और भावना है कि देश का अगला प्रधानमंत्री राहुल गांधी बनें, लेकिन इसके लिए हमें पर्याप्त संख्या में लोकसभा की सीटें जितनी होंगी। यह तभी संभव है जब राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखने का सपना पाल रहे कार्यकर्ता चुनाव में अपना सर्वस्व सहयोग एवं योगदान दें। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने आपको पार्टी का प्रत्याशी मानकर चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में

कार्यक्रम में उपस्थित गुलाम अहम मीर व अन्य कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

ईमानदारी से काम करना होगा। अगर पार्टी के कार्यकर्ता झारखंड के 75 फीसदी सीटें जीतकर हमें दे, तो निश्चित रूप से देश का अगला प्रधानमंत्री राहुल गांधी होंगे।

मीर बुधवार को खूंटी के गोल्डन पैलेस में खूंटी लोकसभा स्तरीय चुनाव तैयारी की बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गत लोकसभा चुनाव में भाजपा को देशभर में महज 38 प्रतिशत मतदाताओं ने स्वीकार किया था, जबकि 62 फीसदी मतदाता भाजपा के खिलाफ थे। आज 62 प्रतिशत मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करनेवाले सभी दल एकजुट होकर इंडी गठबंधन के रूप में भाजपा का मुकाबला करने के लिए सहमत हैं। इसलिए कार्यकर्ता यदि ईमानदारी से चुनाव में काम करें, तो 62 फीसदी मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले दलों के सामने भाजपा चुनाव में कहीं टिक नहीं पाएगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से मोदी के 10 साल अन्याय काल और झूठी गारंटियों के बारे में लोगों को जानकारी देने और कांग्रेस की सच्ची गारंटी एवं 10 वचनों को बताकर उनका वोट मांगने की बात करते हुए कहा कि ऐसा करने से सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

### मुख्यमंत्री की जगह मंत्री आलमगीर आलम ने किया विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

# सरकार गरीब लोगों के हित में कर रही काम : आलमगीर

**PHOTON NEWS GODDA :** गोड्डा जिले के महागामा अनुमंडल मुख्यालय स्थित ऊर्जानगर राजेंद्र स्टेडियम में मंगलवार को निर्धारित मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का आगमन अंतिम समय में टल गया। मुख्यमंत्री की जगह संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री बन्ना गुप्ता ने निर्धारित सभी कार्यक्रमों को यहां संपन्न किया।

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते मंत्री। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक दीपिका पांडेय सिंह, औरैया के विधायक प्रदीप यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व निर्धारित सभी कार्यक्रमों के साथ-साथ मनरेगा एवं डीएमएफटी के तहत स्थानीय लोगों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। इसके पूर्व पीसीएल के द्वारा सर योजना के तहत वर्ष 2012 में स्वीकृत 300 सैया वाले अस्पताल का शिलान्यास कार्यक्रम भी संपन्न किया गया। साथ ही महागामा डिग्री कॉलेज का भी शुभारंभ किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि सरकार गरीब लोगों के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने सर्वजन पेंशन योजना, अबुआ आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए कहा कि इसके पूर्व लोग पेंशन के लिए भटकते थे जिसे सरकार ने आज सबके लिए उपलब्ध करा दिया है। मंत्री ने स्थानीय विधायक दीपिका पांडे सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोग ने एक अच्छी विधायक को सदन में भेजा है, जो क्षेत्र के हक के लिए हमेशा आवाज उठाती रहती है।

इसके पूर्व मंत्री बना गुप्ता ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए निशिकांत दुबे पर निशाना साधा। साथ ही कहा कि धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांटने का काम किया जा रहा है जबकि हमारी सरकार आम लोगों के लिए काम कर रही है। विधायक प्रदीप यादव ने भी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सरकार आम लोगों की भावना पर काम कर रही है।

दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि वे मुख्यमंत्री की शुक्रगुजार हैं कि इस क्षेत्र के लिए उन्होंने तमाम योजनाओं को स्वीकृति दी तथा आज सभी सड़क एवं अन्य सुविधाएं यहां उपलब्ध हो गई है। करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न योजनाओं में डिग्री कॉलेज एवं सिंचाई एवं पेयजल योजनाओं, महागामा के बहुप्रतीक्षित 300 बेड अस्पताल का शिलान्यास, नगर पंचायत क्षेत्र के लिए 83 करोड़ की लागत से हर घर नल जल योजना का शिलान्यास भी किया गया।

इस मौके पर उपयुक्त जीशान कमर एसपी नाथू सिंह मीणा, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, अंचलाधिकारी खगेन महतो के अलावा कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में आम लोग मौके पर उपस्थित थे।

## दीक्षांत समारोह के आय-व्यय का ब्योरा सार्वजनिक करे विश्वविद्यालय : आजसू

**PHOTON NEWS RANCHI :** अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय प्रशासन को मांगपत्र सौप बीते दिनों हुए दीक्षांत समारोह के आय-व्यय की विवरणी सार्वजनिक करने की मांग की है। विदित हो को विश्वविद्यालय के ही कुछ छात्रों ने आजसू के समक्ष शिकायत की है कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में संभवतः भ्रष्टाचार हुआ है। बीते दिनों विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रति छात्र रुपए 800/झ बतौर शुल्क वसूल किया था, इसके बाद भी हजारों आवेदक छात्र छात्राओं को दीक्षांत समारोह के गेट पास निर्गत नही हो पाने के कारण वे लोग समारोह में शामिल होने से वंचित रह गए थे।

आजसू के नीरज वर्मा ने कहा कि विश्विद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह के आयोजन हेतु बतौर शुल्क छात्र छात्राओं से बड़ी राशि प्राप्त किया है। अतः छात्र छात्राओं का अधिकार है कि उनके द्वारा देय राशि के आलोक में उन्हें दीक्षांत समारोह के पूर्ण आय-व्यय की जानकारी प्रदान की जाए। आजसू ने इससे संबंधित मांगपत्र आज कुलसचिव को सौंपा है साथ ही संवैधानिक तरीके से दीक्षांत समारोह के आय-व्यय का ब्योरा प्राप्त करने हेतु सूचना के अधिकार के तहत आवेदन भी किया है।

BRIEF NEWS

### रांची के मांडर में कुएं से मिला शव

**RANCHI :** मांडर थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरपदा स्थित कुएं से एक युवक का शव मिला। शव की शिनाख्त सलाम अंसारी के रूप में हुई है। सूचना पाकर मांडर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार, सलाम अंसारी की सात मार्च को शादी होने वाली थी। थाना प्रभारी राहुल ने बताया कि परिजनों ने मामले को लेकर यूडी केस दर्ज करवाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। फिलहाल, पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

### 960 पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

**RANCHI :** झारखंड पुलिस अपने 960 पदाधिकारियों को तीन नए आपराधिक कानूनों में प्रशिक्षित करेगी। राज्य के अलग-अलग जिलों में तैनात 960 इंस्पेक्टर और एसआई को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। रांची स्थित अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय और झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग में यह दो दिवसीय प्रशिक्षण छः चरणों में दिया जाएगा। रांची में 360 इंस्पेक्टर और एसआई को, जबकि पुलिस अकादमी हजारीबाग में 600 इंस्पेक्टर और एसआई को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। छह मार्च से चलने वाला यह प्रशिक्षण 28 मार्च तक छः चरणों में चलेगा। राज्य के 24 जिलों में तैनात थाना प्रभारी समेत पुलिस के अन्य विंग के इंस्पेक्टर और एसआई को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा।

### झारखंड डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का रिजल्ट जारी

**RANCHI :** झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया। इसमें खान निरीक्षक, कनीय अभियंता, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर के पदों पर मेधा सह विकल्प के आधार पर अनुक्रमांकवार परीक्षाफल प्रकाशित किया गया है। जिसमें खान निरीक्षक का 30, कनीय अभियंता (कृषि) का 9, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर का 41, पाइप लाइन इंस्पेक्टर का 9, कनीय अभियंता (विद्युत) ऊर्जा विभाग का 6, कनीय अभियंता (विद्युत) नगर विकास एवं आवास विभाग के 33 अभ्यर्थियों ने बाजी मारी है। परीक्षा परिणाम को झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

### जेल कर्मियों के आवास की होगी मरम्मती व निर्माण कार्य

**RANCHI :** झारखंड के तीन जिलों में जेल कर्मियों के आवास की मरम्मति और निर्माण कार्य होगा। इसको लेकर झारखंड गृह विभाग ने 2.03 करोड़ की राशि आवंटित की है। जिन जिलों के जेलों में मरम्मति और निर्माण कार्य होगा, उसमें बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची, मंडल कारा लातेहार और उपकारा खूंटी शामिल है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस राशि की निकासी और खर्च करने का पदाधिकारी जेल अधीक्षक होंगे, जो संबंधित जिला कोषागार से राशि निकासी कर एक सप्ताह के अंदर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर करायेंगे।

### तीन आप्त सचिव का तबादला, कार्मिक विभाग ने जारी किया आदेश

**RANCHI :** झारखंड सरकार ने तीन आप्त सचिव का तबादला किया है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग के कल्याण विभाग के प्रधान आप्त सचिव रंजीत कुमार को जल संसाधन विभाग में पदस्थापित किया गया है। साथ ही रंजीत कुमार को पथ निर्माण विभाग, भवन निर्माण विभाग और जल संसाधन विभाग के कोषाग में प्रतिनियुक्त किया गया है। वहीं कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के प्रधान आप्त सचिव उदय शंकर का तबादला जल संसाधन विभाग में किया गया है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

# मांडर एकलव्य स्कूल मामले में केंद्र और राज्य सरकार के जवाब पर झारखंड हाईकोर्ट नाराज

## कहा- किसकी इजाजत से शिलान्यास स्थल को बदलकर नई जगह पर निर्माण का निर्णय लिया

**SPECIAL REPORTER RANCHI :** मांडर के चान्हो में बनने वाले एकलव्य स्कूल के लिए चयनित स्थान को दूसरी जगह बदलने के खिलाफ गोपाल भगत की जनहित याचिका की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की ओर से दाखिल जवाब पर हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने नाराजगी जताई। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार पर कोर्ट द्वारा पिछली सुनवाई में लगाए गए 25-25 हजार रुपए का जुर्माना को हटाने के उनके आग्रह को कोर्ट ने नहीं माना और जुमार्ना राशि को पूर्व सैनिक विधवा कल्याण फंड में जमा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मौखिक कहा कि किसकी इजाजत से एकलव्य विद्यालय का शिलान्यास स्थल को बदलकर नई जगह पर स्कूल का निर्माण का निर्णय लिया गया। झारखंड में कानून का राज चलेगा या उपद्रवियों का राज चलेगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार के शपथ पत्र पर कहा कि इसमें कहां साबित हो रहा है कि स्कूल का जगह बदलने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को सूचित किया था। स्कूल कंस्ट्रक्शन कर रही कंपनी दूसरी जगह स्कूल भवन बना रही है, क्या उसे अधिकार है कि वह जगह बदल सके। पूर्व में पुराने स्थल पर जहां स्कूल बन रहा था वहां बाउंड्री वॉल तोड़ा गया, उसका खर्च कौन उठाएगा। अगर केंद्र सरकार इस खर्च को वहन नहीं कर रही है तो राज्य सरकार किसके पैसे से उसका भुगतान करेगी, यह पब्लिक का पैसा है इसका मिसयूज नहीं होना चाहिए।

डीपीआर बनाने के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा वहां शिलान्यास किया गया था राज्य सरकार ने उसके लिए जगह चिन्हित कर जमीन दी थी। इसके बाद नई जगह पर एकलव्य स्कूल बनाने का निर्णय क्यों लिया गया। राज्य सरकार कहती है कि उसने स्कूल के जगह को बदलने के संबंध में केंद्र सरकार को सूचित किया था। इस पर कोर्ट ने मौखिक कहा कि क्या उपद्रवियों के डर से केंद्र व राज्य सरकार डर गई है, जिस कारण स्कूल की जगह बदलने का निर्णय लिया गया।

## अदालत ने मौखिक कहा- झारखंड में कानून का राज चलेगा या उपद्रवियों का

- पुराने जगह पर जहां स्कूल बन रहा था वहां बाउंड्री वॉल तोड़ा, उसका खर्च कौन उठाएगा
- डीपीआर बनाने के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा किया गया था शिलान्यास

### सरकार को रूल ऑफ लॉ पर संवेदनशील होना चाहिए : कोर्ट

कोर्ट ने मामले में केंद्र व राज्य सरकार के जवाब पर प्रार्थी को अपना प्रतिउत्तर देने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित की है। कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक कहा कि सरकार को रूल ऑफ लॉ पर संवेदनशील होना चाहिए। कानून तोड़ने की इजाजत किसी को नहीं दी जानी चाहिए। अभी तक इस मामले में सभी लोगों की गिरफ्तारी भी नहीं हुई है, पूरा चार्जशीट भी दाखिल नहीं हुआ है। क्या राज्य सरकार विचार कर रही है कि नई जगह पर एकलव्य विद्यालय निर्माण कार्य हो जाने के बाद पूरा चार्जशीट दाखिल किया जाए? इससे पूर्व सुनवाई में प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि 9 दिसंबर 2022 को हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए शिलान्यास किए जाने वाले स्थान पर एकलव्य विद्यालय बनाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के आदेश में फेरबदल करने से इनकार कर दिया था। दरअसल, हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि मांडर में एकलव्य विद्यालय के लिए जो सबसे पहले जगह चयनित हुआ है उसी जगह पर स्कूल बनाया जाए। बता दें कि मांडर जिला के चान्हो में एकलव्य स्कूल बनाने के लिए राज्य सरकार ने 52 एकड़ जमीन दी थी। इसके लिए केंद्र सरकार से 5.23 करोड़ रुपए फंड भी आवंटित हो गया है। लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उस स्कूल की लोकेशन को चेंज करने के लिए हंगामा किया गया था। जिसपर कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ क्या- क्या एक्शन लिया गया और स्कूल के चयनित स्थान को बदलने का क्या-क्या आधार है।

## विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई, हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर कीं

**SPECIAL REPORTER RANCHI :** झारखंड हाईकोर्ट में विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में जो रिपोर्ट आयी है, उसे कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया है लेकिन फिलहाल कैबिनेट ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। सरकार के इस जवाब पर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए विस्तृत और बिंदुवार जानकारी शपथ पत्र के मध्यम से पेश करने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट अब इस मामले में

20 मार्च को सुनवाई करेगा। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह जानना चाहा कि जब इस मामले में एक कमिश्नर बनाया जा चुका है और उसने जो जांच रिपोर्ट दी है, वह राज्यपाल को सौंपा दी गयी है। इस रिपोर्ट के आधार पर राज्यपाल ने कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष को निर्देशित किया है। इसके बावजूद दूसरी जांच कमेटी क्यों और किस प्रोविजन पर बनायी गयी। विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की। झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच को लेकर शिव शंकर शर्मा ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है। मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया। आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी, जिसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

## सैप कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त करने के आदेश पर रोक

**RANCHI :** सैप (स्पेशल ऑग्जीलियरी पुलिस) कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त किए जाने संबंधी मामले में सैप कर्मी सूबेदार की ओर से दाखिल याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एसएन पाठक की कोर्ट ने प्रार्थी एवं सैप कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त करने के आदेश पर रोक लगा दी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को प्रार्थी की ओर से बताया गया कि डीआईजी सैप ने एक चिट्ठी निकला है जिसमें कुछ लोग जिनकी उम्र 60 वर्ष पूरी हो गई है उन्हें सेवानिवृत्त करने को लिखा है। जबकि समादेस्टा एवं डीआईजी, सैप ने खुद आदेश निकाला है की सैप कर्मियों का सर्विस काल 62 वर्ष तक बढ़ाया जाएगा। सैप कर्मियों को 60 वर्ष में सेवानिवृत्त करना उचित नहीं है। जिस पर कोर्ट ने सैप कर्मियों की 60 वर्ष में सेवानिवृत्त करने के निर्णय पर रोक लगा दिया है। प्रार्थी की ओर से सेवानिवृत्ति की निर्धारित सीमा 62 वर्ष करने का आग्रह किया है।

## गवाही के लिए कोर्ट नहीं पहुंचीं अमीषा पटेल, निजी कारणों का दिया हवाला

**RANCHI :** फिल्म बनाने के नाम पर पैसे लेने और पैसे लौटाने के लिए दिए गए चेक के बाउंस होने के मामले में आज भी अभिनेत्री अमीषा पटेल कोर्ट नहीं पहुंचीं। रांची सिविल कोर्ट में आज उनका बयान दर्ज होना था, लेकिन निजी कारणों का हवाला देकर वो आज नहीं आईं। छह साल से चल रहे मामले में अभिनेत्री अमीषा पटेल की कोर्ट में दो बार पेशी भी हो चुकी है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से गवाही भी पूरी हो चुकी है। अब केवल अभिनेत्री अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ग्रुमर का बयान दर्ज होना है। कोर्ट ने दोनों का सशरीर हाजिर होने को कहा है। पिछली सुनवाई 27 फरवरी को हुई थी। इस दिन बयान दर्ज होना था, लेकिन वह नहीं आई। मामले में प्रार्थी अजय सिंह की अधिवक्ता विजय लक्ष्मी श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार को बयान दर्ज होने की संभावना है। अगर मंगलवार को वह कोर्ट में उपस्थित नहीं होती हैं तो एक तारीख और मिल सकती है।

## बर्तन दुकान में चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

### लगभग डेढ़ लाख के बर्तन ले उड़े थे चोर

**CRIME REPORTER RANCHI :** पंडरा ओपी क्षेत्र के ओझा मार्केट स्थित बर्तन की दुकान में हुए चोरी का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों में अमृत कुमार, नीरज प्रसाद जायसवाल और सूरज कुमार शामिल है। इनके पास से फुल, कांसा, पीतल और स्टील का बर्तन, रेगुलेटर सहित अन्य सामान बरामद किये गये है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि चार मार्च को कौशल कुमार ने पंडरा ओपी में मामला दर्ज कराया था कि ओझा मार्केट स्थित उनकी बर्तन की दुकान में एस्बेटस काटकर अज्ञात चोरों ने लगभग डेंढ लाख की बर्तन चोरी कर ली है। मामले की सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर चोरी के सामान को बरामद कर लिया गया।

### आसाराम बापू के हजारों भक्त आज रांची में जुटेंगे

**RANCHI :** संत आसाराम बापू के उपचार व रिहाई के लिए 6 मार्च, बुधवार को पूरे झारखंड के हजारों साधक भाई-बहनें रांची में जुटेंगे। देशव्यापी कार्यक्रम के तहत इस दिन झारखंड की राजधानी रांची में भी बापू के शिष्यों द्वारा उनके वर्तमान में गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का सही से उपचार कराने और जल्द रिहाई की मांग को लेकर राजभवन तक विशाल राज्य स्तरीय जनजागृति यात्रा, न्याय मार्च करेंगे। मौन मार्च के जरिये बापू के शिक्ष्य सरकार के समक्ष अपनी मांग रखेंगे। शांतिपूर्ण विरोध भी दर्ज करायेंगे। मार्च लेक रोड स्थित छगनलाल धर्मशाला से शुरू होकर कचहरी रोड होते हुए राजभवन तक जायेगी। राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा जायेगा। इसकी प्रति देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को भी दी जायेगी। बिहार-झारखंड के कार्यक्रम आयोजन प्रभारी संदीप भाई और रांची योग वेदांत समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने संयुक्त रूप से लोगों से बड़ी संख्या में एकत्र होने की विनती की है।

### रांची प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

## पत्रकारों के हेल्थ बीमा और आवासीय कॉलोनी पर राजभवन गंभीर : गवर्नर

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राज्य के पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा और उनके लिए आवासीय कॉलोनी बनवाने के लिए संबंधित विभागों से बातचीत करेंगे। रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन की अध्यक्षता में मिलने गए प्रतिनिधिमंडल की बातों को राज्यपाल ने गंभीरता से सुना और उन्होंने यह आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान डेलीगेशन ने पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना पर चर्चा करते हुए महामहिम को बताया कि लंबे समय से यह मामला पेंडिंग है और अधिक किस्त के कारण पत्रकारों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसी तरह पत्रकार पेंशन योजना भी फेल हो रही है, क्योंकि इसके

राज्यपाल को गुलदस्ता सौंपते रांची प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल।

प्रावधानों के कारण वरिष्ठ पत्रकार साथियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। राज्यपाल ने इसको संज्ञान में लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पत्रकारों के लिए आवासीय कॉलोनी बनवाने के मामले में भी उन्होंने अपने प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी से बात की। राज्यपाल ने बताया कि सांसद के रूप में उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के पत्रकारों के आवासीय कॉलोनी में कई सुविधाएं मुहैया कराई थी। डेलीगेशन को उन्होंने आश्वस्त किया कि आवासीय कॉलोनी के लिए वे जल्दी ही सरकार से बात करेंगे। इसके साथ ही रांची प्रेस क्लब के कॉर्पस फंड के लिए राजभवन द्वारा आर्थिक सहायता देने की मांग पर भी उन्होंने आश्वस्त किया। डेलीगेशन में सुरेंद्र सोरेन के साथ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि, सचिव अमरकान्त, कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह और सदस्य मोनू कुमार शामिल थे।

### महाशिवरात्रि पर भव्य होगी शिव बारात

**RANCHI :** शिव बारात आयोजन समिति इंद्रपुरी कृष्णा नगर कॉलोनी, रातु रोड, रांची के देखरेख में समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह की अध्यक्षता में महा शिवरात्रि के शुभ अवसर पर 8 मार्च 2024 दिन शुक्रवार को धूमधाम के साथ देवाधिदेव महादेव की बारात की शोभा यात्रा निकाली जा रही है। इस वर्ष बारात की शोभायात्रा में शिव महाकाली का महा तांडव, राम दरबार में हनुमान जी सीना फाड़ते हुए, राम लला पर आधारित झांकी,ज्ञानवापी महादेव की झांकी,पंचमुखी भोले बाबा अपने नदी पर सवार होंगे,केदारनाथ मंदिर की छवि छव नृत्य , बैंड बाजे, खड़कपुर के प्रसिद्ध सिंधी ढोल की टोली जबरदस्त ताशा पार्टी, घोड़े से सुसज्जित रथों की टोली भी शामिल होगी। साथ ही सुप्रसिद्धि भजन गायकों के द्वारा मनमोहक भजन की गंगा प्रवाहित होती रहेगी। इस शोभा यात्रा का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, दीपक प्रकाश, आशा लकड़ा, सुदेश महतो द्वारा किया जाएगा।

### पीएम मोदी के नए नारे 'मेरा परिवार' पर झामुमो ने किया कड़ा प्रहार, कहा- सालों के बाद अब आई समझ

## मोदी परिवार डरने वाला, सोरेन परिवार लड़ने वाला : सुप्रियो

**PHOTON NEWS RANCHI :** झामुमो ने पीएम मोदी के नए नारे मेरा परिवार पर कड़ा प्रहार किया। कहा कि समझौता करने वाले लोग ही बन सकते हैं, मोदी परिवार का हिस्सा। तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने समझौता नहीं किया, झुके नहीं, इसलिए मोदी परिवार के हिस्सा नहीं हैं। बहुत साल बाद मोदी जी को परिवार का मतलब समझ में आ गया। उनके परिवार में अपर्णा झा, उपेंद्र सिंह रावत, पवन सिंह, कुलदीप सिंगर, नीरव मोदी, ललित मोदी, विजय माल्या, ब्रज भूषण सिंह, कठुआ कांड के दोषी लोग, अडाणी-अंबानी, अजीत पवार, एकनाथ सिंदे, प्रफुल्ल पटेल आदि शामिल हैं। मोदी परिवार में चुनावी बॉड के जरिए काला धन देने वाले, पूंजीपति साथी और विदेशी ताकतें हैं। जिन्हें क्रिकेट से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा। ऐसे लोग आज बीसीसीआई में अहम पद पर बैठे हैं। ये सब मोदी जी के परिवार के हिस्सा हैं। मोदी जी का परिवार डरने वाला परिवार है, जबकि सोरेन परिवार लड़ने वाला। अब इस देश में लोग न तो ईडी से डरते हैं, न सीबीआई से न आईटी से। इस राज्य में भगवान बिरसा मुंडा को जेल भेजा गया, दिशुम गुरु शिबू सोरेन को जेल में रखा गया। क्या संघर्ष थम गया, क्या झारखंड झुक गया। इसी तरह हेमंत सोरेन को भी जेल में रखा गया तो क्या संघर्ष थम गया, झारखंड झुक गया। झारखंडी न कभी झुका है न कभी झुकेगा। ये बातें पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने झामुमो कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन के दौरान कही। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से इलेक्शन कमीशन को आदेश किया था कि आप 13 मार्च तक विभिन्न राजनीतिक दलों के खाते में इलेक्टोरल बांड के जरिए आए चंदे के पैसे का हिसाब अपने वेबसाइट पर डाल दें।

प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को संबोधित करते सुप्रियो भट्टाचार्य।

### 6,500 हजार करोड़ भाजपा के फंड में आए

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर करके इसके लिए 30 जून तक समय मांगा है। मतलब साफ है कि तब तक देश के आम चुनाव संपन्न हो जाएंगे। इतना ही नहीं केंद्र सरकार के इशारे पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को अपने कब्जे में ले लिया है। आखिरकार भाजपा को किस चीज से डर है। 6,500 हजार करोड़ भाजपा के फंड में आए। 1100 करोड़ कांग्रेस और कुछ पैसा टीएमसी के खाते में आया तो इसका खुलासा करने में केंद्र सरकार या इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को दिक्कत क्या है। इसके जड़ में लोकसभा चुनाव में काले धन का इस्तेमाल कर लेना है। दरअसल अब भाजपा पूरी तरह से डर गयी है। उसे एहसास हो गया कि 2024 का चुनाव वह हार सकती है। इसलिए अब ऐसे-ऐसे काम और बयान आएंगे एक दम नया-नया होगा और देश की जनता को बरगलाया जाएगा। एक सवाल के जवाब में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड इंडिया गठबंधन का स्वरूप और खाका पूरी तरह से तैयार हो चुका है। सीट और प्रत्याशियों का एलान लोकसभा चुनाव नोटिफिकेशन के बाद कर दिया जाएगा।

### झारखंड के पांच आइएएस अधिकारी बदले

## सीएम के प्रधान सचिव के पद से हटाए गए विनय चौबे

**PHOTON NEWS RANCHI :** राज्य सरकार ने पांच आइएएस अफसरों का तबादला कर दिया है। एक को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सीएम के प्रधान सचिव विनय चौबे को स्थानांतरित करते हुए पंचायती राज विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है। ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। अबुबकर सिद्दिकी को कृषि विभाग से स्थानांतरित करते हुए खान विभाग का सचिव बनाया गया है। कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो को उद्योग विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है। वहीं उद्योग विभाग के सचिव जीतेंद्र सिंह को

- चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार
- अबु बकर सिद्दिकी बने खान विभाग के सचिव

कृषि विभाग का सचिव बनाया गया है। साथ ही खान आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया।

BRIEF NEWS

## भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार को मिली जमानत

**JAMSHEDPUR :** भाजपा, जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार को वर्ष 2020 के आचार संहिता उल्लंघन मामले में जमशेदपुर न्यायालय ने जमानत दे दी है। वर्ष 2019 में विधानसभा चुनाव के समय सरकारी खंभे में भाजपा का झंडा लगा था, जिसे लेकर साकची थाना में प्राथमिकी हुई थी। दिनेश के खिलाफ गैर जमानती वारंट निर्गत हुआ था। मंगलवार को दिनेश कुमार ने प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्रीप्रिया के न्यायालय में सरेंडर किया।

## जुबिली पार्क की लाइटिंग आज भी देख सकेंगे शहरवासी

**JAMSHEDPUR :** टाटा स्टील के संस्थापक जेएन टाटा की जयंती पर आयोजित समारोह के लिए जुबिली पार्क सहित शहर के चौक-चौराहों और सड़क पर की गई लाइटिंग अब छह मार्च तक रहेगी। पहले यह 3-5 मार्च तक थी, लेकिन सोमवार 4 मार्च को तेज वर्षा के कारण लाइटिंग बंद कर दी गई थी। टाटा स्टील यूआइएसएल की ओर से बताया गया कि इसके बदले एक दिन का अवधि विस्तार किया गया है।

## कथावाचक आसाराम को जेल से रिहा करने की मांग

**JAMSHEDPUR :** श्री योग वेदांत सेवा समिति के सदस्यों ने मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने जोधपुर जेल में बंद कथावाचक आसाराम को रिहा करने की मांग उठाई। राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में समिति ने कहा कि आसाराम बापू 11 वर्ष से यौनशोषण के आरोप में जेल में बंद हैं। उनकी उम्र 80 वर्ष हो गई है। इसके बावजूद उन्हें एक भी दिन पैरोल पर नहीं छोड़ा गया, जबकि कई साधु-संतों को उनकी उम्र व स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी गई है। इससे भी बड़ी बात कि जिस पोक्सो एक्ट में उन्हें सजा दी जा रही है, वे आरोप अब तक साबित नहीं हो सके है।

## विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में एआई पर कार्यशाला

**JAMSHEDPUR :** मानगो स्थित विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स एंड एप्लीकेशन फॉर एकेडमिक डेवलपमेंट की पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। एआई लैब, कोलकाता से आए विशेषज्ञ डा. सरोज व इंजीनियर शिव दास ने शिक्षकों को एआई के बारे में विस्तार से बताया। अतिथियों का स्वागत एडमिनिस्ट्रेटर सौम्यदीप ने किया, जबकि प्रधानाध्यापिका डॉ निधि श्रीवास्तव ने अतिथियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन स्नेहा रायचौधरी ने किया। कार्यक्रम में जेनिथ ऑर्डर के चैतन्य ध्रुव और एसडीएमवीआईएस की प्रिंसिपल दिव्या तन्ना व शिक्षिका बलजीत कौर भी भाग ले रही हैं।

## किसान मंगल ओराम छह दिनों से लापता, परिजनों ने लगाई मदद की गुहार

**ROURKELA :** किसान मंगल ओराम पिछले छह दिनों से लापता है। इस संबंध में परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत दी है। पुलिस की जांच जारी है, और कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिलने से परिवार चिंतित है। पिछले 29 फरवरी को बिसरा थाना अंतर्गत तेतरकेला पंचायत के किसान मंगल ओराम अपनी बोलेरो वैन से राउरकेला झीलपानी जाने के लिए निकले थे। उस दिन के बाद से उनका या उसकी वैन का कोई पता नहीं चल पा रहा है। पता चला है कि बेदब्यास में आखिरी बार उनका मोबाइल फोन बंद हुआ था। इतने दिन तक मंगल की खोजबीन के संबंध में पुलिस को कोई सूचना नहीं मिलने पर परिजनों के साथ ग्रामीणो ने आज राउरकेला एसपी कार्यालय गए। विरमित्रपुर विधायक शंकर ओराम भी वहां इन सभी ग्रामीण और परिवार के साथ थे। विधायक समेत परिजनों ने एसपी से मंगल ओराम को जल्द ढूंढने की गुहार लगाई है।

### मंत्री बन्ना गुप्ता व विधायक संजीव सरदार की पहल और जनप्रतिधिनियों का प्रयास लाया रंग

# बागबेड़ा कॉलोनी की सभी सड़कों का 2.34 करोड़ से होगा कालीकरण, टेंडर जारी

मंत्री बन्ना गुप्ता।

विधायक संजीव सरदार।

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** बागबेड़ा आवासीय कॉलोनी की सड़कों के भाग्य संवरने वाले हैं। ग्रामीण कार्य विभाग ने कॉलोनी में रोड नंबर एक से छह तक और सभी ब्रांच रोड की मरम्मत व कालीकरण का टेंडर जारी किया है। इस पर 2.34 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। सड़कों के कालीकरण के लिए 12 माह का समय तय किया गया है। यह माना जा रहा है कि सड़कों के नये सिरे से निर्माण कराये जाने के बाद यहां जलजमाव व गंदगी की समस्या का स्थायी निदान हो जायेगा।

बागबेड़ा की जर्जरहाल सड़कों को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका अग्रणी रही है। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर सहित सभी वार्ड सदस्य इसके लिए लगातार विधायक संजीव सरदार पर दबाव बना रहे थे। वहीं बन्ना गुप्ता फैंस क्लब के अध्यक्ष अनिल सिंह ने इसे लेकर मंत्री बना गुप्ता से अनुरोध कर रहे थे कि सरकार के स्तर पर ऐसा कुछ किया जाये जिसका फायदा आने वाले चुनावों में पार्टी को मिल सके।

मंत्री और विधायक की पहल का असर रहा कि यह मामला सरकार तक पहुंचा और अंत में बरसों से जर्जर सड़कों के भाग्य संवरने का रास्ता साफ हो सका। बागबेड़ा में सड़कों की स्थिति यह है कि टूटी-सड़क और बह रही नालियों के कारण कई जगह तो लोगों का घरों से निकलता तक मुश्किल हो गया है।

### बागबेड़ा में लड्डू बांटकर लोगों ने किया खुशी का इजहार

बागबेडा कॉलोनी की सड़कों के नवनिर्माण का टेंडर निकलने के बाद बन्ना गुप्ता फैंस क्लब एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने दुर्गा पूजा मैदान में सभा कर हर्ष का इजहार किया और लोगों के बीच लड्डू बांटे। जनप्रतिनिधियों ने की खुशी का आलम यह था कि रोड नंबर 1 से लेकर 6 तक घूम-घूम कर लोगों के बीच लड्डू बांटा गया।

## शंख मैदान में सुंदरीकरण कार्य शुरू कराए प्रशासन विधायक सरयू राय ने दिया एक सप्ताह का समय

**JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय को अपने ही विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य कराने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। खासकर, सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में विधायक निधि से योजनाओं को धरातल पर उतारने में परेशानी हो रही है। ताजा मामला सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान का है, जिसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया है।

बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में सरयू राय ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि शंख मैदान में पहले पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास (राज्यपाल, ओडिशा) ने विधायक निधि से सुंदरीकरण कराया था, लेकिन जब मैं विधायक निधि से वहां काम करना चाह रहा हूं, तो कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। प्रशासन ने एक सप्ताह में इसका समाधान नहीं निकाला, तो संविधान प्रदत्त अन्य फोरम या प्लेटफार्म का उपयोग करूंगा। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि शंख मैदान में पूर्व से जमीन पर एक शंख जैसी आकृति बनी हुई है। वास्तव में वहां जमीन में धंसे एक चट्टान को ही शंख का रूप दे दिया गया था। अब उस पर

पत्रकारों को संबोधित करते सरयू राय।

वहां घूमने आए लोग चढ़ते हैं, बैठते हैं, जो देखने में अच्छा नहीं लगता है। मैं वहां महाभारत काल में वर्णित विभिन्न प्रकार के शंख की आकृति को स्थापित कराना चाहता हूं, जिससे वह दर्शनीय स्थल बन सके। इसके लिए विधायक निधि से योजना स्वीकृत भी हो गई है।

### आइएमए ने विधायक सरयू राय पर लगाया डॉक्टरों को प्रताड़ित करने का आरोप

आइएमए जमशेदपुर शाखा के अध्यक्ष डॉ. जीसी मांझी और सचिव डॉ. सौरभ चौधरी ने विधायक सरयू राय पर डॉक्टरों को टारगेट कर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मंगलवार शाम आइएमए भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डॉक्टरों ने कहा कि विधायक ने पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एके लाल के खिलाफ वर्षों पुराने और लगभग समाप्त हो चुके मामले में मोर्चा खोल दिया। तथ्यों को तोड़-मरोड़कर रखा, जिस के बाद उन्हें सिविल सर्जन के पद से हटा दिया गया। इसी तरह शहर की प्रतिष्ठित महिला डाक्टर रेणुका चौधरी के खिलाफ विधायक ने मोर्चा खोल रखा है। उन्हें बदनाम कर रहे हैं। डॉ. लाल को हाई कोर्ट ने पुनः बहाल करने का आदेश दिया है। वहीं डॉ. रेणुका चौधरी का मामला अभी हाई कोर्ट में लंबित है। विधायक यह सबकुछ राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं। आइएमए चुनौती देता है कि विधायक खुले मंच से यह प्रमाणित करें कि डा. रेणुका चौधरी व डॉ. लाल गलत हैं, तो वे लोग डॉक्टरी छोड़ देंगे और विधायक ऐसा नहीं कर पाते हैं तो वे राजनीति छोड़ दें..। संवाददाता सम्मेलन में आईएमए अध्यक्ष डॉ. जीसी माझी, सचिव डॉ. सौरव चौधरी के अलावा डॉ. रेणुका चौधरी, डॉ. एके लाल, डॉ. आरएन प्रसाद आदि उपस्थित थे।

उधर, आइएमए के आरोप पर विधायक सरयू ने कहा कि डॉ. एके लाल नौकरी में रहते हुए चुनाव लड़े हैं और यह प्रमाणित है। कोर्ट से उन्हें इसलिए राहत मिल गई क्योंकि सरकार ने अपना पक्ष ठीक ढंग से कोर्ट में नहीं रखा। डॉ. रेणुका चौधरी ने बिना ड्यूटी किए फर्जी हस्ताक्षर किए हैं।

### सरकार ने ही सरकारी जमीन पर किया अतिक्रमण

विधायक सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर में सरकार ने ही सरकार की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है। सूर्य मंदिर सहित उस परिसर में बने सोन मंडप, टाउन हॉल आदि सरकार ने ही बनाए हैं, लेकिन उसके लिए परिवहन विभाग से एनओसी नहीं लिया है। परिवहन विभाग की जानकारी के बिना इन भूखंडों पर सरकारी एवं गैर सरकारी अतिक्रमण हो गया है. इसमें वैसा भ्रष्टाचार भी है, जैसा आरोप निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर है। .परिवहन विभाग ने बारीडीह एवं बारा की करीब 16.53 एकड़ और एग्रिको की 2.03 एकड़ जमीन नगर विकास विभाग को कागज पर दे दिया है, पर इनका उपयोग नहीं हो रहा है। मैं सीएजी से आग्रह करूंगा कि जेएनएसी का व्यापक अंकेक्षण करें और इन भूखंडों के पूर्व में हुए भौतिक अंकेक्षणों को भी इसके साथ जोड़े।

## तीन जिलों के छात्रों को मिलेगी 36.81 करोड़ की छात्रवृत्ति : वीके पांडियन

**ROURKELA :** सीएम नवीन पटनायक के निदेर्शानुसार 5टी चेयरमैन और नबीनओडिशा के कार्तिक पांडियन ने कालाहांडी, बलांगीर और बारगढ़ जिलों का दौरा किया। उन्होंने धर्मगढ़, टिटिलागढ़ और बरगढ़ मे नुआ ओ छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में भाग लिया, इस दौरान उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की। वीके पांडियन ने बताया कि कालाहांडी, बलांगीर और बरगढ़ जिलों के 80 कॉलेजों के 37,160 पात्र छात्रों को उनकी छात्रवृत्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि तीन जिलों के छात्रों के लिए 36.81 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं । नुआ-ओ छात्रवृत्ति स्वीकृति आदेश वितरित किए गए हैं। पांडियन ने मुख्यमंत्री का संदेश दिया कि युवाओं को बड़े सपने देखना चाहिए और अपनी क्षमता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि युवाओं को उनके लक्ष्य हासिल करने के लिए सहायता प्रदान की जाए। बातचीत के दौरान वीके पांडियन ने कहा कि सरकार की अगली बड़ी पहल भविष्य के नवीन ओडिशा मैजिक कार्ड के लॉन्च के माध्यम से सभी छात्रों को कवर करना होगा, जो एक पॉइंट-सिस्टम आधारित स्मार्ट कार्ड है जो युवाओं को जोड़ेगा और सशक्त बनाएगा। यह उन्हें शैक्षणिक विकास, व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास की दिशा में सक्षम बनाएगा और माता-पिता पर वित्तीय बोझ को कम करेगा, करियर में प्रगति और रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

## निर्माण श्रमिकों को अब 500 नहीं, मिलेगा एक हजार रुपये पेंशन : नवीन पटनायक

**PHOTON NEWS BHUBANESHWAR :** मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को निर्माण श्रमिकों के लिए पेंशन में वृद्धि की घोषणा की। ओडिशा निर्माण और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पेंशन राशि में वृद्धि की गई है। ये सभी निर्माण श्रमिक पेंशन योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि 5 टी चेयरमैन श्री कार्तिक पांडियन के जिला दौरे के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक।

श्रमिकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने चेयरमैन का ध्यान आकृष्ट कराया था। इसकी जानकारी होने के बाद मुख्यमंत्री ने निर्णय लिया है।

इस नए फैसले के मुताबिक, 60 साल की उम्र पार कर चुके निर्माण श्रमिकों को अब 500 रुपये की जगह 1,000 रुपये की मासिक पेंशन मिलेगी। इसी तरह 80 साल से अधिक उम्र के निर्माण श्रमिकों को 700 रुपये की जगह 1200 रुपये मिलेंगे। यह नई पेंशन फरवरी 2024 से लागू होगी। इस संबंध में आवश्यक खर्च ओडिशा निर्माण और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड द्वारा वहन किया जाएगा।

## बीरमित्रपुर में बीजू पटनायक को दी गई श्रद्धांजलि

**ROURKELA :** ओडिशा की जन्मभूमि के सपूत बीजू पटनायक के 108वें जन्मदिन के अवसर पर आज बीरमित्रपुर नगर पालिका बीजू जनता दल कार्यालय में बीजू बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में बीरमित्रपुर नगर पालिका के अध्यक्ष संदीप मिश्रा, पूर्व विधायक निहार सुरीन और बीजू जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## बीजू पटनायक की जयंती पर रक्तदान शिविर आयोजित, 108 यूनिट रक्त जमा

**PHOTON NEWS ROURKELA :** ओडिशा के जननायक बीजू पटनायक के 108वें जन्मदिन के अवसर पर आज कूनो भाई फैन क्लब द्वारा होटल दीप्ती प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्बन बैंक अध्यक्ष दिलीप महापात्र सामिल हुए। रवींद्र प्रधान के देखरेख में आयोजन इस रक्तदान शिविर में बीजू प्रेमी व

शिविर में उपस्थित लोग।

नवीन प्रेमियों ने सबेरे 11बजे से डटे रहे। सभी ने बीजू बाबू के तसबीर पर माल्या एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रक्त दान शिविर में 108 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

इस अवसर पर ओडिशा माइनॉरिटी सेल के वाइस प्रेसिडेंट जसविंदर सिंह गोल्डी,राउरकेला माइनॉरिटी सेल अध्यक्ष एमडी खालिद अजीज,पूर्व पार्षद अफरोज अहमद,बाबू खान,बिरेन पति, नियाजुल हसन और सभी बीजू प्रेमी व नवीन प्रेमी उपास्थि रहकर रक्तदाताओं को हौसला अफजाई किए।

## दुमका में विदेशी महिला से दुष्कर्म के आरोपियों का चेहरा उजागर करे पुलिस

उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते बाइक राइडर्स। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** दुमका में एक मार्च को विदेशी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। इस घटना के खिलाफ मंगलवार को जमशेदपुर व बंगाल के बाइक सवारों ने प्रदर्शन किया। इन्होंने उपायुक्त अनन्य मित्तल को ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग रखी कि दुष्कर्म के आरोपियों का चेहरा ढंका नहीं जाए, उजागर किया जाए। ऐसे लोग समाज में रहने लायक नहीं हैं।

राइडिंग कम्युनिटी ऑफ इंडिया के बैनर तले जुटे बाइक राइडर्स ने कहा कि दुष्कर्म के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उपायुक्त ने बाइक राइडर्स को आश्वस्त किया कि भविष्य में इस तरह की घटना नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। ज्ञात हो कि स्पेन की पीड़ित महिला बाइक से भारत भ्रमण पर निकली थी।

## टाटानगर स्टेशन डायरेक्टर का तबादला, एएल राव होंगे नये डायरेक्टर

**JAMSHEDPUR :** दक्षिण पूर्व रेलवे से जारी एक आदेश में टाटानगर रेलवे स्टेशन के डायरेक्टर रघुवंश कुमार का तबादला कर दिया है। उनकी जगह AOM/CKP (कोचिंग) एएल राव नये स्टेशन डायरेक्टर बनाये गये हैं। रघुवंश कुमार को AARM/DPS बनाया गया है। वहीं दूसरी ओर AARM/DPS विनय कुमार सिंह को AARM/JSG बनाया गया है। वहीं AOM/CKP एएल राव की जगह AOM/GRC से कौशिक मुखर्जी को भेजा गया है। वह फिलहाल दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय में पदस्थापित हैं। वहीं AOM/CKP अमित कुमार षाडंगी को रांची में उसी पद पर भेजा गया है।

## पांच विश्वविद्यालयों के कुलपति की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर आगामी 15 अप्रैल को होगी सुनवाई

### मजदूर नेता अंजनी पांडेय की ओर से दायर की गई याचिका, कुलपतियों को भी बनाया गया प्रतिवादी

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता सहित राज्य के पांच विश्वविद्यालयों के कुलपति की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में आगामी 15 अप्रैल को सुनवाई होगी। मामले में सुनवाई के लिए पहले चार मार्च की तिथि निर्धारित थी। केस सुनवाई की सूची में नीचे होने के कारण अलगी तिथि के लिए टाल दिया गया। लिहाजा इस मामले में सुनवाई की नई तिथि निर्धारित की गई है। इस मामले में द स्टेट ऑफ झारखंड, द यूनियन ऑफ इंडिया, प्रिंसिपल सेक्रेटरी उच्च शिक्षा, निदेशक, उच्च शिक्षा, प्रिंसिपल

सेक्रेटरी राज्यपाल, ओएसडीजे, समन्वयक खोज एवं चयन समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, यूजीसी, कुलसचिव, झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी, कुलसचिव, रांची विवि, कुलसचिव, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी, कुलसचिव, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, कुलसचिव, जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी, प्रो डॉ टीएन साहू, वीसी, झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी, प्रो सुखदेव भोई, वीसी, बिनोद बिहारी महतो, कोयलांचल यूनिवर्सिटी, प्रो अजीत कुमार सिन्हा, वीसी, रांची विवि,डॉ तपन कुमार सांडिल्या, वीसी, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि, डॉ अंजिला गुप्ता, वीसी, जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी को प्रतिवादी बनाया गया है। इस मामले के याचिकाकर्ता अंजनी कुमार पांडेय का आरोप है कि राज्य के पांच विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नियमावली का अनुपालन नहीं किया गया है। पहले यह मामला न्यायमूर्ति राजेश शंकर की बेंच में लंबित था। अब इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी की बेंच में होनी है।

### एक्सएलआरआई स्थित टाटा आडिटोरियम में फागुनी हास्य कवि सम्मेलन आयोजित

# नामचीन कवियों की पंक्तियों पर खूब लगे ठहाके

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** मारवाड़ी युवा मंच, स्टील सिटी की ओर से मंगलवार की शाम ठहाकों के नाम रही। एक्सएलआरआई स्थित टाटा आडिटोरियम में आयोजित फागुनी हास्य कवि सम्मेलन में सुदीप भोला, पद्मिनी शर्मा, दमदार बनारसी व केसरदेव मारवाड़ी की पंक्तियों पर खूब ठहाके लगे, तो संचालन कर रहे शंभू शिखर ने बिहार और स्वयं पर तुकबंदियों व चुटकुलों से हंसाते-हंसाते सबको लोटपोट कर दिया।

कवि सम्मेलन की शुरूआत पद्मिनी शर्मा ने सरस्वती वंदना से की, तो अपनी बारी में प्रेम की कविताओं में हास्य की ऐसी लड़ी पिरोई कि युवा से बुजुर्ग तक आनंदित होते रहे। इससे पहले दमदार बनारसी ने बनारस की ऐसा गुणगान किया कि हर कोई मुग्ध हो गया। उन्होंने राजनीति पर भी व्यंग्य के तीर छोड़े, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राहुल गांधी को भी लपेटा। बनारसी ने राहुल को हास्य कवियों

बिष्टुपुर स्थित टाटा आडिटोरियम में कविता सुनाते शंभू शिखर व मंचस्थ कवि। ● फोटोन न्यूज

का कुलदेवता तक कह दिया। केसरदेव मारवाड़ी ने ज्यादातर राजस्थानी भाषा में रचना व प्रसंग सुनाए। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी जब दुकान से जाता है, तो लड़के से कहता है दुकान का ध्यान रखियो और पड़ोसी से कह कर जाता है कि लड़के का ध्यान रखियो। इस पर प्रेक्षागृह में उपस्थित मारवाड़ी खूब हंसे। अंत में सुदीप भोला ने फिल्मी गानों की पैरोडी के साथ चिरपरिचित अंदाज में राजनीति से लेकर समाज की वर्तमान स्थिति पर खूब हंसाया।

## महाशिवरात्रि पर झारखंड के आठ स्थानों पर लगेगी ग्रंथ प्रदर्शनी

**JAMSHEDPUR :** महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं को शास्त्रीय ज्ञान देने के लिए सनातन संस्था द्वारा जमशेदपुर सहित झारखंड के आठ स्थान पर ग्रंथ प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को शिव और अध्यात्म से संबंधित शास्त्रीय ज्ञान मिलेगा। संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस ने बताया कि प्रदर्शनी में भगवान शिवजी का कार्य, शिवजी की उपासना का शास्त्र, शिवपिंडी की अर्ध परिक्रमा क्यों करते हैं। कार्यक्रम के तहत आंध्रभक्त श्रीराम मंदिर, बिष्टुपुर, जमशेदपुर (सुबह 8 बजे से दोपहर 11.30 बजे तक), श्रीराम मंदिर, टेल्को कालोनी, जमशेदपुर (सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक), लक्ष्मीनारायण मंदिर धनसार, धनबाद (सुबह 8 बजे से दोपहर 11 बजे तक), शक्ति मंदिर धनबाद (संध्या 4.30 बजे से संध्या 5.30 बजे तक), न्यू हरिनारायण कालोनी, बरमसिया, धनबाद (दोपहर 3 बजे से संध्या 5 बजे तक), शिवशक्ति मंदिर, कार्मिक नगर, धनबाद (सुबह 9 बजे से 11 बजे तक), नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, कतरास (संध्या 4 से 7 बजे तक), भगत मोहल्ला, कतरास (संध्या 4 से 7 बजे तक) इन सभी स्थानों परग्रंथ प्रदर्शनी लगेगी।

## अनन्या पत्रिका का लोकार्पण व विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

**PHOTON NEWS ROURKELA :** राउरकेला म्यूनिसिपल कॉलेज ने वार्षिक पत्रिका 'अनन्या' का शुभारंभ किया और प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. दाभिंदर केइरा की अध्यक्षता में उत्कृष्टता हासिल करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और छात्रों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए मेहनती रहने की सलाह दी। उन्होंने बुनियादी ढांचे और शैक्षिक विकास के लिए हर संभव सहयोग का वादा किया। अध्यक्ष डॉ. दाभिंदर ने कहा कि विद्यार्थी अनुशासन व कड़ी मेहनत से सफलता हासिल कर सकते हैं। डॉ. केइरा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि एकाग्रता और सरलता विद्यार्थी को सफलता का स्वाद चख सकते है। अध्यक्ष डॉ. सनातन प्रधान ने कहा कि विद्यालय जीवन विकास का मंदिर है और इसकी पवित्रता की रक्षा करना तथा अच्छी शिक्षा के लिए कार्य करना ईश्वरीय कार्य है। समन्वयक दीप्ति रंजन मोहंती के संयोजकत्व में

आयोजित कार्यक्रम में अंग्रेजी संकाय चंद्रलेखा पांडा ने वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी। इस अवसर पर कला, विज्ञान और वाणिज्य, बीबीए, बैचलर ऑफ कॉमर्स, ग्रीष्मकालीन छात्र कोर, राष्ट्रीय सेवा संगठन और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। फैकल्टी डॉ. दिव्यकांति बिलुंग के मार्गदर्शन में छात्रों का सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय विरासत और ओडिशा की विरासत पर आधारित था। वाणिज्य प्रमुख विजय पाढ़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, संकाय सदस्य, कर्मचारी और अभिभावक शामिल हुए।

# बिहार के इस युवा वैज्ञानिक के साथ नासा जाएगी भारतीय बच्चों की टीम

**बिहार।** दुनिया की मात्र इकलौती एनजीओ इस वर्ष नासा के द्वारा होने वाले ह्यूमन एक्सप्लोरेंस रोवर चैलेंज में हिस्सा लेगी। यह एनजीओ यंग माइंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट है। इसके फाउंडर भागलपुर जिले के ध्रुव गंज के रहने वाले युवा वैज्ञानिक गोपाल जी हैं।इनके नेतृत्व में नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) के 30 वें स्थापना दिवस पर 19 और 20 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम में भारत से 13 बच्चों के हाई स्कूल लेवल की टीम शिरकत करेंगी। युवा वैज्ञानिक गोपाल जी ने बताया कि नासा के द्वारा हर साल अगस्त महीने में इनोवेटिव आइडिया मांगे जाते हैं। इसमें रजिस्ट्रेशन करना होता है। जिसमें हमारी एनजीओ द्वारा चंद्रमा पर उतरने वाले मानव रहित रोवर का आईडिया भेजा गया था। जिसका चयन किया गया है। नासा जाने के लिए हम लोगों को आमंत्रण पत्र भी प्राप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड ह्युमन एक्सप्लोरेंस रोवर चैलेंज के लिए विश्व में 30 टीमों का चयन हुआ है। जिसमें भारत से तीन टीमें हैं। उन्होंने बताया कि अगर उनके इस प्रोजेक्ट इस आयोजन में चयन होता है तो इस प्रोजेक्ट को नासा टेकओवर करेगी। और टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही साथ नासा के चंद्रमा मिशन पर काम करने का मौका भी मिलेगा। नासा जाने वाली 13 बच्चों की टीम में बिहार से तीन बच्चे शामिल हैं। यह बातें युवा वैज्ञानिक गोपाल जी ने बताई। बिहार से शामिल होने वाले बच्चों में कारूण्य उपमनु, तनिष्क उपमनु और सूर्य नारायण रजक शामिल है। ओडिशा से आरुषि पैकरे, नई दिल्ली से आसना मिनोचा, कियान कनोडिया, राजस्थान की ऐश्वर्या महाजन, हरियाणा के अरुण कुमार, लोकेश कुमार और आर्य बंसल, उत्तर प्रदेश से ओम, पल्लवी, समीर यासीन, उत्कर्ष और रोहित पाल आंध्र प्रदेश से पठान अबू सुलेमान खान यूएसए से सुनैना साहू शामिल है। जबकि मेंटोर 24 वर्षीय गोपाल जी ने भी काफी कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मात्र 13 वर्ष की उम्र में केले से बिजली उत्पन्न करने वाली मशीन बनाकर इन ने चर्चा बटोरी थी। अभी केले के पल्प से सिंगल यूज प्लास्टिक, प्लेट, पेपर पर काम कर रहे हैं। वाईएमआरडी के फाउंडर और नासा जाने वाली टीम के मेंटोर युवा वैज्ञानिक गोपाल जी ने बताया कि मानव रहित रोवर प्रोजेक्ट को एक महीने के मेहनत से हमारी टीम के द्वारा बनाया गया है। उन्होंने बताया कि रोवर बनाने में चंद्रमा की सतह कैसी होती है। वहां पर हम किस तरह आसानी से चल सकते हैं।

## कब होगा नीतीश कैबिनेट का विस्तार

**बिहार।** पछले काफी समय बिहार में एक सवाल काफी सुर्खियों में है। बिहार में कैबिनेट का विस्तार कब तक होगा? बार-बार इसको लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। इस मामले में अब एक नया अपडेट आ गया है। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर नेताओं को अभी कम के कम दस दिनों तक इंतजार करना पड़ेगा। राज्य मंत्रिमंडल में अपना स्थान तय मान रहे लोगों को अभी कम से कम दस दिनों की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। सत्ता के गलियारे में इस बात की चर्चा है कि प्रस्तावित ब्रिटेन की यात्रा से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वापसी के बाद ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री सात को विदेश यात्रा पर रवाना हो रहे और 11-12 मार्च तक लौटेंगे। उसके बाद ही मंत्रिमंडल विस्तार संभव है। जिस तिथि तक मंत्रिमंडल विस्तार संभावित है, उस तिथि तक चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता के भी प्रभावी हो जाने की संभावना है। गौरतलब है कि भाजपा कोटे से अभी 13 और मंत्री बनाए जा सकते हैं। यह कयास लगया जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा के कई वरिष्ठ विधायकों की किस्मत चमक सकती है। इसमें बुजुर्गों को ज्यादा वरियता देने की कवायद भी चल रही है। हालांकि कुछ युवा चेहरे भी सम्मिलित किए जाएंगे। पर, पार्टी निर्णय से पहले कई पहलुओं पर फीडबैक जुटा रही है।

## सीट बंटवारे पर बड़ा अपडेट मांझी ने सबकुछ कर दिया क्लियर

**बिहार।** लोकसभा की तैयारी को लेकर रविवार को ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल के सभागार में हम का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।सम्मेलन में पार्टी संरक्षक सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी (ख३ल्ल फें टंल्ल्ँ), राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश कुमार पांडेय, बाराचट्टी विधायक ज्योति मांझी शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं ने उन्हें माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। पार्टी संरक्षक सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से दलितों और वंचित समाज के लोगों को वोट के प्रति जागरूक किया जाएगा। जीतन राम मांझी ने कहा कि 13 मार्च तक बिहार में राजग के घटक दलों के बीच सीट बंटवारा हो जाएगा। अभी यह तय नहीं है कि कौन सी पार्टी कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर कहा कि हमें मुख्यमंत्री को देखकर दया आती है। नीतीश कुमार हमेशा से हमें यह बोलते थे कि हम उनके कृपा से मुख्यमंत्री बने हैं, तो आज हम यह कहेंगे कि वह अब हमारे कृपा से मुख्यमंत्री बने हुए हैं। हमने उन्हें सूद समेत यह वापस कर दिया। इसके बाद उन्होंने कहा कि आइएनडीआइए गठबंधन को लोकसभा में एक भी सीट नहीं मिलने वाली है। हमलोग 400 सीट जीत कर नरेंद्र मोदी की झोली में डालेंगे। सम्मेलन में पार्टी के वरीय नेता राष्ट्रीय प्रवक्ता रोमित कुमार,राधेश्याम प्रसाद यादव,जिलाध्यक्ष नारायण मांझी, ई.नंदलाल मांझी,लक्क्षमण मांझी, के प्रतिनिधि शामिल हुए।

## पलटी के बाद नीतीश को फायदा या नुकसान



**बिहार।** विधानसभा कोटे के तहत होने वाले विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए जदयू की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व खालिद अनवर ने विधान सभा के सचिव कक्ष में अपना पर्चा दाखिल किया। जदयू को इस चुनाव में केवल दो सीटें मिलनी हैं, इसलिए जदयू की ओर से नामांकन की प्रक्रिया आज पूरी हो गईवहीं, हम की ओर से राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य संतोष कुमार सुमन ने भी आज अपना पर्चा दाखिल किया। सभी का कार्यकाल इसी वर्ष मई में समाप्त हो रहा। इस तरह एनडीए की ओर से मंगलवार को दो दलों ने अपने-अपने कोटे के हिसाब से नामांकन कर दिया। अब केवल भाजपा के प्रत्याशियों का नामांकन शेष है। विधायकों की संख्या के हिसाब से भाजपा के हिस्से में तीन सीटें आ रही। इस हिसाब से एनडीए के छह लोगों को सीटें मिलेंगी। भाजपा ने अभी अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं की है। जदयू की ओर से नीतीश कुमार, खालिद अनवर तथा हम के संतोष सुमन के नामांकन के मौके पर एनडीए के तमाम दिग्गज मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, हम नेता व पूर्न मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, जदयू के वरिष्ठ नेता व मंत्री विजय चौधरी, श्रवण कुमार, बिजेंद्र यादव,सांसद व जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, पूर्व मंत्री अशोक चौधरी, लेशी सिंह, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी व जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा विधान पार्षद संजय सिंह भी इस मौके पर मौजूद थे।

मालूम हो कि विधान परिषद के इस द्विवार्षिक चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया 11 मार्च को खत्म हो जाएगी। वहीं अगर वोटिंग की जरूरत पड़ी तो वह 11 मार्च को होगा।

## संक्षिप्त डायरी

### रजिस्ट्री के नए नियमों ने बिहार में खड़ा किया बड़ा संकट

**बिहार** सरकार ने जमीन के निबंधन में फर्जीवाड़ा को रोकने के लिए जमाबंदी कानून को लागू की है, ताकि जमीन के जो मूल मालिक हैं, वह अपनी सहमति से जमीन को बेच सकें। जमाबंदी कानून आने से जमीन के फर्जीवाड़ा करने वालों पर लगाम लगेगी। जमीन बेचने को लेकर भू-स्वामी को ही सभी तरह का अधिकार दिया गया है।हालांकि जिला अपर निबंधन कार्यालय में नए कानून और जमीन की रजिस्ट्री को लेकर स्पष्ट जानकारी देने के लिए कोई अधिकृत नहीं है। ऐसे में नये कानून से जमीन रजिस्ट्री को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन गई है। नतीजा यह है कि जमीन रजिस्ट्री में बड़े पैमाने पर गिरावट दर्ज की जा रही है। वित्तीय वर्ष के आखिर में जहां जमीन रजिस्ट्री कराने के लिए होड़ लगी रहती थी, वहां अभी सन्नाटा पसरा हुआ है। 23 फरवरी को जमाबंदी कानून को लागू किया गया है। उसके बाद प्रत्येक दिन जमीन रजिस्ट्री में गिरावट दर्ज की गई है। इस नये कानून से जमीन रजिस्ट्री पर असर पड़ा है। जमाबंदी कानून आने से भू-स्वामी को न्याय और जमीन बेचने का पूर्ण अधिकार मिलेगा, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है कि पूरे प्रदेश में जमीन की जमाबंदी अपडेट नहीं है। इसमें काफी त्रुटियां हैं, जो लोग जमीन रजिस्ट्री कराने आ रहे हैं, उनके जमाबंदी में खाता, प्लांट नंबर, सर्वे नंबर और शहरी क्षेत्र का होल्डिंग नंबर अंकित नहीं है।

### डॉक्टर के घर से 40 लाख लूट मामले की फाइल दबाकर बैठी पुलिस



**बिहार।** सदर थाना क्षेत्र के रामदयालु-भिखनपुरा इलाके में चिकित्सक दंपती के घर डकैती में 40 लाख से अधिक की संपत्ति लूट मामले में एक महीने बाद भी पुलिस को कोई कामयाबी नहीं मिली है।इससे प्रतीत हो रहा कि मामला दर्ज करने के बाद पुलिस की कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई है। अब तक घटना का पदार्फाश नहीं हो सका और न ही बदमाशों की गिरफ्तारी की जा सकी। चार फरवरी की शाम हथियार से लैस बदमाशों ने एसकेएमसीएच में तैनात चिकित्सक डा. राजीव कृष्ण के घर में डाका डालकर नकद, जेवरात समेत करीब चालीस लाख से अधिक की संपत्ति लूट लिए थे। जांच को विशेष टीम गठित की गई, लेकिन अब तक नतीजा शून्य है। नगर एएसपी भानू प्रताप सिंह का कहना है कि कार्रवाई चल रही है। बदमाश पकड़े जाएंगे।

### बाइक चोरी करते पकड़ाए शातिर की लोगों ने जमकर की पिटाई



**बिहार।** मिठनपुरा के बेला आश्रम इलाके से सटे एक कालोनी में रविवार की रात बाइक की चोरी कर भाग रहे शातिर को स्थानीय लोगों ने दबोच लिया। गुस्साए लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। जान बचाने के लिए वह भागने लगा तो लोगों ने दौड़ा-दौड़ाकर उसे पीटा।इसी बीच कमर से पिस्टल निकालकर उसने भीड़ पर हवाई फायरिंग कर दी। इससे अफरा तफरी मच गई। इस पर लोग और गुस्साए गए और उसकी जमकर पिटाई कर अधमरा कर दिया। उसके हाथ से पिस्टल को छीना गया। घटना को लेकर इलाके में मुहल्ले के लोगों की भीड़ जुट गई। इसके कारण देर रात तक अफरातफरी मची रही। सूचना मिलने के बाद मिठनपुरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ से बचाते हुए पुलिस ने आरोपित को अभिरक्षा में लिया। इसके बाद उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देख उसे एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस द्वारा उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान शौच का बहाना बताकर वह बाथरूम में घुस गया। बाथरूम की खिड़की तोड़कर भागने का प्रयास किया। हालांकि, वह भाग नहीं सका। बाथरूम की खिड़की से कूदने के बाद वह दूसरे कमरे में चला गया। उसमें ताला लगा था। इसके कारण वह भाग नहीं सका। फिर एसकेएमसीएच कर्मियों द्वारा कमरे को खोला गया। तब पुलिस द्वारा उसे अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान बेला इलाके के राहुल कुमार पटेल के रूप में हुई है।

## हाजीपुर-छपरा फोर लेन पर नया अपडेट

**बिहार।** हाजीपुर-छपरा फोर लेन सड़क के निर्माण में हो रही देरी के मामले पर पटना हाई कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट के समक्ष निमार्ता कंपनी ने हलफनामा दायर कर बताया कि गंडक नदी पर निमार्णाधीन पुल पर 10 स्पैन और चढ़ाए जाने हैं।एक स्पैन को चढ़ाने में लगभग 40 दिन लगते हैं। हलफनामे द्वारा बताया गया कि आरओबी, ओवरब्रिज एवं हाई टेंशन बिजली के पोल को स्थानांतरित करने का कार्य भी बाकी है। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन एवं न्यायाधीश हरीश कुमार की खंडपीठ ने अधिवक्ता सत्यम शिवम सुंदरम की याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए निर्माण कंपनी के एमडी को तलब किया था। कंपनी द्वारा बताया गया कि रामाशीष चौक के पास बनने वाली आरओबी का निर्माण 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। अंजानपीर के समीप ट्रांसमिशन टावर को 30 जून तक हटा कर दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया जाएगा। मरिचिया देवी चौक ट्रांसमिशन लाइन को 30 अप्रैल तक शिफ्ट कर दिया जाएगा। कोर्ट ने कंपनी की ओर से दायर हलफनाम पर संतुष्टि व्यक्त की। राज्य के 35 जिलों में सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत विद्युत शवदाह गृह बनाए जाएंगे। बुडको के प्रबंध निदेशक धर्मेंद्र कुमार ने हलफनामा दायर कर हाई कोर्ट में इसके लिए प्रतिबद्धता जताई है। हर जिले में विद्युत शवदाह गृह बनवाने एवं बंद पड़े शवदाह गृह को यथाशीघ्र कार्यरत करने से संबंधित मामले में उन्होंने हलफनामा दिया है। मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन एवं न्यायाधीश हरीश कुमार की खंडपीठ ने मुकेश रंजन की लोकहित याचिका पर सुनवाई की। प्रबंध निदेशक के हलफनामे में कोर्ट को बताया गया कि ये सभी शवदाह गृह 35 जिलों के मुख्यालय शहर में बनेंगे, जिन्हें मोक्षधाम परियोजना के रूप में जाना जाएगा। इन सबके निर्माण पर 20737.79 लाख रुपये खर्च होंगे। निर्माण जल्द पूरा हो जाने की आशा व्यक्त करते निष्पादित कर दिया।

## ज्वेलरी शॉप के दो स्टाफों ने मालिक का घर ही कर दिया साफ

**बिहार।** नगर थाना क्षेत्र के शांति वट वृक्ष के सामने कनक मंदिर ज्वेलर्स के मालिक प्रशांत कुमार उर्फ मिठू बाबू के मकान में सोमवार की देर रात उनके अपने ही स्टाफ सूजन और सूरज ने परिवार के सभी सदस्यों को खाने में नशे की दवा खिलाकर तकरीबन 50 लाख रुपए के जेवर लेकर फरार हो गए।सुबह में जब काम करने वाली नौकरानी घर में पहुंची तो उसने देखा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। फिर आसपास के लोगों को सूचना दी। स्थानीय लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि मेड एजेंसी, जो दिल्ली की कंपनी है, उनके द्वारा दो लड़के को कनक मंदिर ज्वेलर्स में रखा गया था। इनका नाम सूरज और सूजन था। इसी दोनों ने आज इस तरह की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है, जिन्हें पुलिस ढूंढने में लगी हुई है। सोमवार की रात तकरीबन 10:00 बजे एसके मेड एजेंसी के द्वारा रखे गए दोनों स्टाफ ने परिवार के सभी सदस्यों को खाने में कुछ नशे की दवा खिला दी। जिसके बाद सभी लोग बेहोश हो गए। उसके बाद तिजोरी समेत कई रोल को तोड़ दिया गया और तोड़कर उसमें रखे गए कीमती जेवर तकरीबन 50 लाख रुपए लेकर फरार हो गए।

## सेना का माइक्रो एयरक्राफ्ट उड़ान भरने के कुछ देर बाद दुर्घटनाग्रस्त

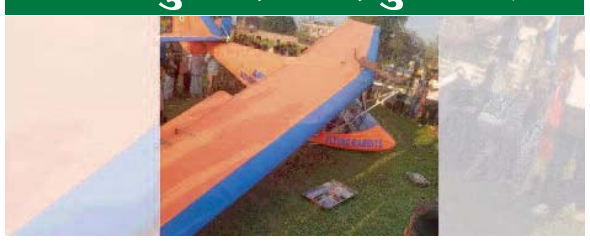



**बिहार।** बोधगया के बागदाहा गांव में मंगलवार को सेना के ऑफिसर प्रशिक्षण अकादमी गया का एक माइक्रो एयरक्राफ्ट गेहूं के खेत में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एयरक्राफ्ट में दो पायलट सवार थे, दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं।यह प्रशिक्षण या क्राफ्ट है, जिसमें संभवत इंजन फेल हो गया और खेत में उड़ान भरने कुछ देर बाद के बाद गिर गया। एयरक्राफ्ट गिरने पर तेज आवाज हुई, जिसे सुनकर ग्रामीण दौड़े और देखा कि गेहूं के खेत में एयरक्राफ्ट गिरा है। हालांकि, सूचना मिलने पर ओटीए गया के कुछ सैन्य कर्मी भी पहुंच गए। जिन्होंने एयरक्राफ्ट को प्लास्टिक से ढक कर खेत से बाहर निकाल कर ले जाने का प्रयास करने लगे। जिसमें ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। एक ग्रामीण ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हम लोगों का खेत में लगे गेहूं को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीण ने कहा कि ऐसी घटना दो दशक में दो बार हो चुकी है और हम लोगों का फसल का नुकसान भी हुआ है। हालांकि, इस संबंध में ओटीए की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

## पांच की जगह एक-दो क्लास ही लेते हैं यहां के शिक्षक कैसे लगेगी इस मनमानी पर ब्रेक



**बिहार।** ललित नारायण मिथिला और कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (वक्र्छ) के रेगुलेशन 2018 का घोर उल्लंघन हो रहा हैनियम के मुताबिक, शिक्षकों को कार्यस्थल पर प्रतिदिन कम से कम सात घंटे उपलब्ध रहना आवश्यक है। इस सात घंटे में दो घंटे छात्रों को परामर्श देने का प्राविधान है। इसके बावजूद वर्गों में शिक्षकों की उपस्थिति एक से दो घंटे भी दर्ज नहीं हो रही है। वर्तमान व्यवस्था में दो से ढ़ाई लाख वेतन पाने वाले प्रोफेसर और लेक्चरर अमूमन एक या दो कक्षाएं ही लेते हैं। यानी विश्वविद्यालय से लेकर कालेजों तक के शिक्षक एक से दो घंटे ही रुकते हैं। इस कारण कई बार छात्र-छात्राओं के क्लासेस नहीं लगती है। छात्रों को अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए शिक्षक उपलब्ध नहीं रहते हैं। जबकि विभागीय निर्देश के आलोक में शिक्षकों को कम से कम पांच कक्षा रोज लेने की अनिवार्यता की गई है। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभाग से लेकर कालेजों तक कई ऐसे शिक्षक हैं, जो अधिकांश समय वर्ग से अनुपस्थित भी रहते हैं। इसका पदार्फाश मांगी गई कई आरटीआइ के सूचना से भी हो चुकी है। बता दें कि नियम के मुताबिक विश्वविद्यालयों व कालेजों में कम से कम 180 शिक्षण दिवस होने चाहिए। यानी छह दिनों के सप्ताह में न्यूनतम 30 सप्ताह के वास्तविक शिक्षण दिवस होने चाहिए। शेष दिनों में, 12 सप्ताह को प्रवेश और परीक्षा संबंधी कार्यकलापों और सह पाठ्यचर्या, खेलकूद, कालेज दिवस आदि के लिए शिक्षणेत्तर दिवसों के लिए उपयोग किया जाना है। आठ सप्ताह प्रावकाश के लिए और दो सप्ताह विभिन्न सरकारी छुट्टियों के लिए दिए जाने का प्राविधना है। हाल ही में शिक्षा विभाग ने भी सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों और कालेज प्राचार्यों को दिशानिर्देश जारी किया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो शिक्षक इस आदेश का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने कहा है कि हर दिन शिक्षकों द्वारा लिए गए कक्षा की जानकारी कालेज प्राचार्य से ली जाएगी। विभाग के पदाधिकारी और कालेज प्राचार्यों के बीच वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली समीक्षा बैठक में यह जानकारी ली जाएगी। पांच कक्षा ली है, किन्होंने नहीं ली।

# पाक में फिर शहबाज

लगभग चार सप्ताह के इंतजार के बाद पाकिस्तान को शहबाज शरीफ के रूप में प्रधानमंत्री नसीब हुए हैं। प्रधानमंत्री के रूप में वह दूसरी बार सत्ता संभाल रहे हैं। जिन चुनौतियों के बीच वह पद से हटे थे, उससे भी ज्यादा चुनौतियों के बीच उन्होंने शासन की बागडोर हाथों में ली है। 72 वर्षीय शहबाज शरीफ करीब एक साल चार महीने देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। जाहिर है, प्रधानमंत्री इमरान खान को सत्ता से हटाकर शहबाज प्रधानमंत्री बने थे और इसमें उन्हें फौजी जनरलों का साथ मिला था। अभी भी वह फौज की मदद से ही सत्तानशीं हुए हैं। हालांकि, उनके पक्ष में खूब चुनावी गड़बड़ियां की गई हैं और उनकी जीत असहज किस्म की है। भूला नहीं जा सकता कि किस तरह से विपक्ष की नारेबाजी के बीच शहबाज ने रविवार को नवनिर्वाचित संसद में बहुमत हासिल किया। पीएमएल-एन और पीपीपी के साझा उम्मीदवार शहबाज को 336 सदस्यीय संसद में 201 वोट मिले, वहीं जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उमर अयूब खान को 92 वोट मिले हैं। ज्यादातर जानकार मान रहे हैं कि नैतिक रूप से यह चुनाव इमरान खान ने जीता है और उनकी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता सत्तारूढ़ गठजोड़ के नेताओं-कार्यकताओं को देखते ही चोर-चोर के नारे लगा रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह चोर-चोर का नारा सत्ता पक्ष के साथ चिपक गया है और आने वाले समय में इस दाग से बचने के लिए शहबाज शरीफ को बड़े प्रयास करने होंगे। अगर वह काम के मोर्चे पर नाकाम रहते हैं, तो फिर चोर-चोर का जुमला उन्हें लगातार परेशान करता रहेगा। इस दौर में पाकिस्तान बड़ी मुसीबतों का सामना कर रहा है। वहां महंगाई दर 25 प्रतिशत के पार चल रही है। गलत नीतियों और विकास की उपेक्षा ने पाकिस्तान को आर्थिक संकट के गर्त में पहुंचा दिया है। कर्ज मांगकर किसी तरह से काम चलाया जा रहा है। चीन ने शहबाज शरीफ को बधाई दी है, मगर यह देखने वाली बात होगी कि क्या चीन अपने मित्र देश को आर्थिक संकट से उबार सकेगा? सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि क्या शहबाज शरीफ दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद कुछ कमाल कर पाएंगे? शहबाज शरीफ से कितनी उम्मीद है? भारत के मद्देनजर अगर देखें, तो शहबाज ने प्रधानमंत्री चुने जाते ही कश्मीर का राग छेड़ दिया है, मतलब आतंकवाद के मोर्चे पर उन्होंने बिना देरी निराश किया है। पाकिस्तान के हुक्मरान की भारत विरोधी ग्रंथियां उनका पीछा छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इस्लामिक स्टेट और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे आतंकी संगठनों द्वारा पाकिस्तान पर हमले बढ़ गए हैं। साल 2023 में वहां खूब हमले हुए हैं, जिनमें लगभग 550 सुरक्षाकर्मियों और 400 नागरिकों की जान गई है। पाकिस्तान का शासन अपनी खोदी हुई खाइयों में ही देश को गिराए चला जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान का पूरा चुनाव फौज के साये तले हुआ है और फौजी जनरल ही देश का एजेंडा तय करते हैं, जिस पर वहां की चुनी हुई सरकार को चलना पड़ता है।

# तथ्य और आंकड़े

पिछले सप्ताह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के ताजा आंकड़ों ने काफी उत्साह के साथ-साथ हैरानी भी पैदा की है। बाजारों ने जहां अक्टूबर-दिसंबर वाली तिमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में साल-दर-साल आधार पर 8.4 फीसदी की मजबूत वृद्धि के एनएसओ के अनुमान की सराहना की है, वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों को आधिकारिक अनुमानों और उनके अनुमानों, जो उनमें से कई ने लगाए थे, के बीच 100 आधार बिंदु से ज्यादा के तेज अंतर को सुलझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में क्रमशः 8.2 फीसदी और 8.1 फीसदी की वृद्धि हुई, जो कि पहले के अनुमान की तुलना में 40 और 50 आधार अंक ज्यादा है। पूरे साल की वास्तविक जीडीपी वृद्धि भी अब 7.6 फीसदी होने का अनुमान है, जो हाल ही में जनवरी में अनुमानित 7.3 फीसदी वृद्धि से 30 आधार अंक ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष के आय के अनुमानों में उन्नयन के पीछे एक कारक एनएसओ द्वारा 2021-22 और 2022-23 के अनुमानों में किया गया संशोधन है। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों में संशोधन के चलते उस वर्ष की वास्तविक जीडीपी वृद्धि जहां 60 आधार अंक बढ़कर 9.7 फीसदी हो गई है, वहीं इसके परिणामस्वरूप 2022-23 के सकल घरेलू उत्पाद का विस्तार 7.2 फीसदी के पहले अनुमान से घटकर सात फीसदी हो गया है। यह देखते हुए कि पिछले साल के आंकड़ों में संशोधन स्वचालित रूप से साल-दर-साल के आधार पर विकास की रफ्तार को बदल देता है, आधार प्रभाव एक महत्वपूर्ण तत्व है जिसे हेडलाइन आंकड़ों के महत्व का आकलन करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए। अर्थव्यवस्था के वास्तविक उत्पादक क्षेत्रों में, प्रमुख ग्रामीण कृषि में उत्पादन की वजह से, तीसरी तिमाही में सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि धीमी होकर 6.5 फीसदी हो गई, जो पिछली जुलाई-सितंबर अवधि में संशोधित रूप से 7.7 फीसदी थी। पशुधन, वानिकी और मछली पकड़ने के क्षेत्र में साल-दर-साल आधार पर 0.8 फीसदी की गिरावट आई और जीवीए में योगदान देने वाले अन्य सात क्षेत्रों में से पांच में विकास की रफ्तार क्रमिक रूप से धीमी हो गई।

# आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

**1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर-वार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और संन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच योग का भी गहन अभ्यास किया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया।**

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में वंदनीय महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार उनकी जयंती प्रतिवर्ष फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की दशमी को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 05 मार्च को है। ऐसे में हिन्दू कैलेंडर के अनुसार स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती 05 मार्च को मनाई जाएगी। स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदर्शक और आधुनिक भारत के महान चिंतक हैं, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर-वार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और संन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच योग का भी गहन अभ्यास किया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'संन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराइयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे। स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, संन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे। स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है। वह कहा करते थे कि दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए और तब आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा। उनका कहना था कि अज्ञानी होना गलत नहीं है लेकिन अज्ञानी बने रहना गलत है।

**लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।**

# विदेशी सैलानियों की सुरक्षा का सवाल?

भारत घूमने आए विदेशी सैलानियों की सुरक्षा का सवाल हमारे सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा है। विदेशी सैलानियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं जहां हमें कठघरे में खड़ा करती हैं वहीं उनसे मारपीट, लूट और अधिक पैसे वसूलने की घटनाएं भी आम हैं। हमारे देश की संस्कृति अतिथि देव भवः की है। झारखंड के दुमका में एक स्पेनिश महिला के साथ कथित तौर पर गैंगरेप की घटना हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत हमेशा से विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां की प्राकृतिक बनावट और धार्मिक विविधता लोगों को यहां खींच लाती है। प्राकृतिक वातावरण विदेशी सैलानियों की पहली पसंद हैं। विदेशी पर्यटकों को भौगोलिक एवं प्राकृतिक बनावट के साथ विविधता में एकता की संस्कृति अपनी तरफ आकर्षित करती है। दुमका में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना कोई पहली वारदात नहीं है। भारत में अकसर विदेशी पर्यटक इस तरह की घटना का शिकार होते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से भारत का पर्यटन देश की संवृद्धि में अच्छी खासी भूमिका निभाता है। लेकिन इस तरह की घटनाएं जहां हमारे देश की छवि को नुकसान पहुंचती है वहीं विदेशी पर्यटक यहां आने से डरते और घबराते हैं। हजारों की तादाद में विदेशी सैलानी एक बार भारत आए तो भारत के ही होकर रह गए। लेकिन विदेशी सैलानियों के साथ इस तरह की घटनाएं हमारी छवि को प्रभावित करती हैं। इसके अलावा हमारे पर्यटन व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है। दुमका में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी संस्कृति और संस्कार के खिलाफ है। इस घटना में शामिल दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। केंद्र सरकार को राज्य सरकार से मिलकर आवश्यक कदम उठाने चाहिए। पर्यटन मंत्रालय को इस संबंध में विशेष कदम उठाने चाहिए जिससे ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। ऐसी घटनाओं की फेहरिस्त बहुत लंबी है। बार-बार ऐसी घटनाएं होने के बाद भी हम आवश्यक कदम नहीं उठा पाते हैं। विदेशी पर्यटकों के लिए खास सुरक्षा के इंतजाम होने चाहिए। भारत आने वाले पर्यटकों के लिए जो सरकारी स्तर पर विशेष गाइड की व्यवस्था होनी चाहिए। यह व्यस्था सरकारी एजेंसी के माध्यम से होनी चाहिए। भारत आने वाले ऐसे पर्यटक कहां ठहर रहे हैं। कहां जा रहे हैं। उनके लिए कहां रुकना अच्छा रहेगा। सरकार की तरफ से उन्हें सारी सुविधा और सूचना उपलब्ध करानी चाहिए। सिविल पुलिस के बजाय इसके लिए अलग से विशेष पर्यटन पुलिस होनी चाहिए। पर्यटन पुलिस की विशेष जिम्मेदारी विदेशी सैलानियों की सुरक्षा के संदर्भ में होनी चाहिए। विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा के लिहाज से सरकार को इस तरह की व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। विदेशी पर्यटकों के साथ आमतौर पर भाषा की भी समस्या होती है, ऐसे में उसके समाधान के लिए भी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। दुमका में हुई घटना में भी पुलिस और पीड़ितों के बीच भाषा की समस्या देखने को मिली है। भारत आने वाली विदेशी पर्यटकों के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइन भी होनी चाहिए। पर्यटकों को यह निर्देश होना चाहिए की आप जहां जा रहे हैं वहां की भौगोलिक स्थिति क्या है। अगर आप पहाड़ी या आदिवासी इलाके में घूमने जा रहे हैं तो वहां क्या समस्या हो सकती है। पहाड़ और दूसरी जगह पर जा रहे हैं तो क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए। स्थानीय लोगों के बारे में भी जानकारी देना आवश्यक है। उनकी सुरक्षा को लेकर जहां खतरा हो सकता है इस सम्बन्ध में उन्हें आगाह करने की भी आवश्यकता है। विदेशी दूतावास को भी भारतीय दूतावास से संपर्क में रहना चाहिए। उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का ख्याल रखना हमारा दायित्व है। इस तरह की घटनाएं विदेशी पर्यटकों में असुरक्षा का जहां माहौल पैदा करती हैं वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाती हैं। विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा या अन्य मामलों में सीधे केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय का हस्तक्षेप होना चाहिए। पर्यटन अब ग्लोबल शौक बन चुका है। पर्यटन से दुनिया भर के देशों को एक अच्छी खासी आए हो रही है। कोविड में जहां पर्यटन व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा था वहीं अब पर्यटन उद्योग तेजी से आर्थिक समृद्ध की ओर बढ़ रहा रहा है। भारत वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। भारत की जीडीपी में पर्यटन उद्योग अच्छी खासी भूमिका निभा रहा है। भारत में विदेशी सैलानियों की संख्या दिनों-दिन बढ़ रही है। लेकिन दुमका जैसी घटनाएं पर्यटन उद्योग को कहीं न कहीं से प्रभावित करती है। दुमका की घटना को लेकर सियासी तीर भी चलने लगे हैं लेकिन यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, क्योंकि यह मामला विदेशी सैलानियों की सुरक्षा के साथ देश की अस्मिता से भी जुड़ा है। यह केंद्र और राज्य सरकार की दोनों नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि देश में आने वाली विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाए। विदेशी पर्यटक सड़क के किनारे टेंट लगाकर रह रहे हैं या समुद्र किनारे। होटल में रहें या पहाड़ों पर उनकी सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए। दुमका में स्पेनिश जोड़े सड़क के किनारे टेंट लगाकर रुके थे जहां स्थानीय लोगों ने वहां पहुंचकर उनके साथ कथित तौर पर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया और सामान भी लूटा। भारत पर्यटन हब के रूप में उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर बनने और बनारस में बाबा काशी विश्वनाथ कारिडोर के निर्माण के बाद दर्शन के लिए विदेशी सैलानियों की संख्या बढ़ रही है। लॉकडाउन के बाद देश में तकरीबन हर साल एक करोड़ से अधिक विदेशी सैलानी भारत भ्रमण पर पहुंच रहे हैं। सबसे अधिक मार्च और अप्रैल में विदेशी सैलानियों का आगमन होता है। क्योंकि पर्यटन के लिए यह मौसम अनुकूल होता है जो पर्यटकों को काफी प्रभावित करता है। भारत में साल 2019 में एक करोड़ 8 लाख विदेशी पर्यटक घूमने आए।

# Social Media Corner

## सच के हक में...

बीआरएस और कांग्रेस के पास तेलंगाना के विकास के लिए दूरदर्शिता का अभाव है। भाजपा राज्य की जनता की पूरी लगन से सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। संगारेड्डी में एक रैली को संबोधित किया।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

हमारी सरकार की योजनाओं में सदैव ही आदिवासियों, मूलवासियों एवं गरीब लोगों को प्राथमिकता मिलती है। हमारी सरकार उन लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए कृत संकल्पित है, जिन्हें भाजपा की पिछली सरकारों द्वारा अनदेखा किया गया। इन योजनाओं से गिरिडीह में विकास की रफ्तार तेज होगी।

**(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)**

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता श्री शिवराज चौहान जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। बाबा बैद्यनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।

**(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# पहले उपन्यास से ही मच गयी थी धूम

आंचलिक उपन्यासों की अप्रतिम सर्जना की बिना पर कथा सम्राट प्रेमचंद की परंपरा को नयी पहचान दिलाकर आजादी के बाद का प्रेमचंद कहलाने वाले फणीश्वरनाथ रेणु हिंदी के बिरले कथाकार हैं। आलोचकों द्वारा उन्हें उनके पहले उपन्यास मैला आंचल के अलावा परती परिकथा और तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम जैसी अनेक कृतियों के लिए सराहा जाता है, लेकिन सच यही है कि 1954 में पहली बार प्रकाशित मैला आंचल ने उनको जैसी प्रतिष्ठा और ख्याति दिलायी, उनकी दूसरी कृतियों से वैसा कोई कारनामा संभव नहीं हुआ। उनकी महत्वाकांक्षी कहानी तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम पर सुप्रसिद्ध गीतकार शैलेंद्र ने बासु भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित ह्यतीसरी कसमह्न जैसी फिल्म बनायी। अपने वक्त में मील के पत्थर सरीखी मानी गयी इस कालजयी फिल्म ने कहानी के पात्रों- हीरामन व हीराबाई- की अनूठी प्रेमकथा को अमर कर दिया। फिर भी रेणु का प्रतिनिधि उपन्यास ह्यमैला आंचलह्न को ही माना जाता है, जो उत्तर-पूर्वी बिहार के एक पिछड़े ग्रामीण इलाके की पृष्ठभूमि पर आधारित है। वर्ष 1970 में इस उपन्यास की लोकप्रियता ने उन्हें पद्मश्री दिलायी, पर सरकार विरोधी आंदोलनों के निर्मम दमन से चिढ़कर उन्होंने उसे पापश्री करार देकर लौटा दिया। कहते हैं कि इस उपन्यास में रेणु उस अंचल के जनजीवन का बेहद सजीव व मर्मस्पर्शी चित्रण इसलिए कर पाये, क्योंकि उनका उससे गुल से लिपटी हुई तितली जैसा कभी अलग न किया जा सकने वाला जुड़ाव था। उन्हीं के शब्दों में कहें, तो मैला आंचल में फूल भी है, शूल भी है, धूल भी है, गुलाब भी है और कीचड़ भी है गरीबी, रोग, भुखमरी, जहालत, धर्म की आड़ में हो रहे व्याभिचार, शोषण, आडंबरों व अंधविश्वासों आदि का चित्रण भी है, क्योंकि मैं किसी से दामन बचाकर निकल ही नहीं पाया। निकल भी कैसे पाते, उनका नाल जो गड़ा था वहां। वरिष्ठ पत्रकार देवप्रकाश चौधरी ने कभी बिहार के अररिया जिले में फारबिसगंज के पास स्थित उनके गांव औराही हिंगना से लौटकर लिखा था- रेणु जी के बड़े बेटे पदम पराग राय वेणु फारबिसगंज से विधायक हो गये उनकी जीवनसंगिनी लतिका रेणु नहीं रहीं औराही हिंगना में और भी बहुत कुछ बदल गया है लेकिन भले ही गांव बदल जाये, वक्त बदल जाये, हालात बदल जायें, लेकिन एक चीज कभी नहीं बदलने वाली-उस गांव और उस इलाके के परिवेश में फणीश्वरनाथ रेणु की मौजूदगी। चार मार्च, 1921 को औराही हिंगना में जन्म और 11 अप्रैल, 1977 को पटना में निधन के बीच के कोई 56 वर्षों के जीवन में स्वतंत्रता संग्राम, साहित्य, व राजनीति के क्षेत्र में उनकी सक्रियताओं के अनेक आयाम रहे हैं। साहित्य सेवा की ओर तो उनका गंभीर झुकाव 1952-53 में हुआ, जब वे बीमार होकर रुग्णशय्या पर थे। वर्ष 1942 में अभी उनकी इंटर की पढ़ाई भी पूरी नहीं हुई थी कि वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे और दो वर्ष जेल में काटने के बाद 1944 में रिहा हुए थे। साल 1950 में उन्होंने नेपाल में जनतंत्र की स्थापना के लिए चलाये जा रहे क्रांतिकारी आंदोलन में भी हिस्सा लिया था। बाद में पटना विश्वविद्यालय के छात्रों की संघर्ष समिति और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन में भी सक्रिय रहे थे। साल 1941 में विवाह के बाद वे एक बेटी के बाप बने ही थे कि उनकी पत्नी रेखा देवी को लकवा मार गया और असहाय होकर वे अपने मायके में रहने लगीं। उन्होंने 1951 में पद्मा देवी से विवाह किया। जब वे गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हुए, तो वहां काम कर रहीं लतिका राय चौधरी की सेवा से अभिभूत होकर उनसे प्यार कर बैठे। अगले ही बरस 1952 में उन्होंने लतिका को भी पत्नी बना लिया। प्रसंगवश, रेणु हिंदी की उन गिनी-चुनी शख्सियतों में से भी एक हैं, जो स्वतंत्रता के बाद सक्रिय राजनीति का हिस्सा भी रहे।

# खूनी बृहस्पतिवार

गाजा शहर में 29 फरवरी की अहले सुबह फिलिस्तीनी यह खबर सुनकर जमा हुए थे कि खाने-पीने की चीजें लेकर ट्रक आ रहे हैं। जब वे उन ट्रकों की ओर लपके, तो इजराइली सैनिकों ने उन पर गोलियां बरसा दीं, क्योंकि उन्हें लगा कि भूखे फिलिस्तीनी खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि कम से कम 112 फिलिस्तीनी मारे गये और उसके बाद मची भगदड़ में 700 से ज्यादा घायल हुए। इस घटना ने दुनिया भर में आक्रोश पैदा किया है और एक अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग हो रही है। यह घटना अरक्षित फिलिस्तीनियों पर इजराइल के क्रूर एवं अंधाधुंध हमले में हुई हर गलत चीज का प्रमाण है। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के साथ शुरू हुई यह जंग पहले ही अधिकांश गाजा पट्टी को मलबे के ढेर में बदल चुकी है। इजराइली सेनाओं द्वारा 30,000 से ज्यादा लोग, जिनमें ज्यादातर औरतें और बच्चे हैं, मारे जा चुके हैं और 70,000 से ऊपर जख्मी हुए हैं। गाजा की 24 लाख की आबादी में से 90 फीसदी से ज्यादा विस्थापित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम के मुताबिक, गाजा दुनिया में सबसे खराब स्तर के बाल कुपोषण से गुजर रहा है और भुखमरी की ओर बढ़ रहा है। इस छींटमहल (इनक्लेव) की अधिकांश आबादी दक्षिणी गाजा के ऐसे शरणार्थी शिविरों में ठुंसी हुई है जहां बमुश्किल कोई जरूरत-की-चीज उपलब्ध है। अस्पताल व्यवस्था दम तोड़ने के कगार पर है। और ताकतवर देश 21वीं सदी की सबसे भीषण मानव-निर्मित आपदाओं में से एक को बस चुपचाप घटित होते देख रहे हैं। इजराइल ने सफलतापूर्वक गाजा को बमबारी-से-तबाह मौत, बदहाली और भूख के एक छींटमहल में तब्दील कर दिया है। लेकिन वह अपने उद्देश्यों को पूरा कर पाने से अब भी कोसों दूर है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव बदले

## - ब्रेंट क्रूड हल्की गिरावट के साथ 82.80 डॉलर प्रति बैरल

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट नजर आ रही है। मंगलवार डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 78.51 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। बिहार में पेट्रोल 36 पैसे और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 और डीजल 41 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश और तेलंगाना में पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 14 और डीजल 13 पैसे सस्ता हुआ है। राजस्थान में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में क्रमशः 18 और 16 रुपये की गिरावट है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

# चीन ने रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाया

## - अर्थव्यवस्था में वृद्धि का लक्ष्य 5 फीसदी रखा

**नई दिल्ली ।**

चीन ने मंगलवार को अपना रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की है जो पहले ही दुनिया का दूसरा सबसे अधिक रक्षा बजट है। दुनिया में सबसे ज्यादा रक्षा बजट अमेरिका का है जो 222 अरब डॉलर का है। अमेरिका, ताइवान, जापान और दक्षिण चीन सागर पर दावा जताने वाले पड़ोसी देशों के साथ तनाव को हाई-टेक सैन्य प्रौद्योगिकियों में वृद्धि की वजह माना जा रहा है जिसमें स्टील्थ लड़ाकू विमान से लेकर विमानवाहक पोत और परमाणु हथियारों के शस्त्रागार में वृद्धि शामिल है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उदघाटन सत्र में मंगलवार को घोषित किए बजट के आधिकारिक आंकड़ों को कई विदेशी विशेषज्ञ सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य इकाई पीपुल्स लिबरनेशन आर्मी द्वारा किए खर्च का केवल एक अंश मानते हैं। प्रधानमंत्री ली क्विंग ने मंगलवार को सुरक्षा तथा अर्थव्यवस्था के संबंध में सरकार की योजनाओं और प्रदर्शन पर एक वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि इस साल के लिए चीन का आर्थिक वृद्धि लक्ष्य करीब पांच प्रतिशत है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए उपभोक्ता खर्च बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दे रही है। आवासीय दरों में गिरावट और नौकरियों को लेकर चिंता होने से कई परिवार अधिक खर्च करने से बच रहे हैं या खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

पिछले साल अर्थव्यवस्था में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी लेकिन यह 2022 में तीन प्रतिशत की बहुत कम दर की वार्षिक वृद्धि के बाद हुई थी। जब देश में कोविड-19 महामारी के कारण कई बाधाएं आई थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेतृत्व नीतियों के प्रबंधन में सुधार लाने का प्रयास करेगा।

# वीवो वी30 सीरीज़ के दो फोन होंगे लॉन्च

## -12जीबी रैम से मचेगा तहलका

**नई दिल्ली ।**

भारत में 7 मार्च को वीवो वी30 सीरीज़ के दो फोन को लॉन्च किया जाएगा। टिप्सटर अभिषेक यादव के दावे के मुताबिक वीवो वी30 को 33,999 रुपये और वीवो वी30 प्रो को 41,999 रुपये में लॉन्च किया जाएगा। कहा जा रहा है कि वीवो वी30 अंडमान ब्लू, क्लासिक ब्लैक और पीकॉक ग्रीन में उपलब्ध होगा, और ये 8जीबी+128जीबी, 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+256जीबी स्टोरेज ऑप्शन के साथ आएगा। दूसरी तरफ वीवो वी30 प्रो अंडमान ब्लू, क्लासिक ब्लैक, पीकॉक ग्रीन कलर में आ सकता है। इसे 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+512जीबी स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। फोन के भारतीय वेरिएंट के स्पेसिफिकेशन के बारे में कंफर्मेशन नहीं हुई हैं, लेकिन वीवो वी30 और वी30 प्रो के इंडोनेशिया वेरिएंट से अंदाज़ा लगाया जा सकता है। दोनों फोन में 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 300 एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.78-इंच कर्व्ड 1.5के (1,260 गुणा 2,800 पिक्सल) अमोलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है। ये 2,800 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। इसका बेस मॉडल वीवी वी30 क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट से लैस हो सकता है। जबकि प्रो मॉडल मीडियाटेक डाइमेंशन 8200 एसओसी से लैस हो सकता है। कैमरे के तौर पर वीवो वी30 में डुअल रियर कैमरा सेटअप मिलता है जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) सपोर्ट के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर और अल्ट्रा-वाइड-एंगल लेंस के साथ 50-मेगापिक्सल का दूसरा सेंसर दिया गया है। वीवो वी30 प्रो में ट्रिपल रियर कैमरा यूनिट के अलावा 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट लेंस भी है। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए दोनों फोन में 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है। ये दोनों फोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड फनटच ओएस 14 पर चलते हैं। पावर के लिए दोनों स्मार्टफोन में 5,000 एमएएच की बैटरी मिलती है जो 80डब्ल्यू वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।कंपनी ने इन फोन के बारे में ऑफिशियल तौर पर ऐलान कर दिया है, और फ्लिपकार्ट पर इसके लिए माइक्रोसाइट लाइव कर दी गई है।

# जापान में अब नहीं होगी कार ड्राइवरों की जरुरत

## -स्वयं चलने वाली गाड़ियों को उतारेगी सरकार

**नई दिल्ली ।** क्या आपने सोचा है कि जब कार चलाने वाले ड्राइवर ही न हों तब क्या होगा? दरअसल, इन दिनों दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कुछ ऐसी ही समस्या से दो-चार हो रही है। इस समस्या से बचने जापान की सरकार अब लोगों को ऐसी टैक्सी सर्विस देने की तैयारी कर रही है जिसमें कार चलाने के लिए ड्राइवर की जरूरत ही नहीं होगी। जापान में घटती कार ड्राइवरों की संख्या की एक बड़ी वजह जापान की कम होती आबादी है। 2021 में जापान की जनसंख्या वृद्धि दर -0.5 प्रतिशत थी, यानी जापान की आबादी बढ़ने के बजाय घट रही है। इस वजह से जापान में कंपनियों के पास कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है। वहीं टैक्सी और फ्लीट जैसी सेवाओं के लिए नए ड्राइवर नहीं मिल रहे हैं। ड्राइविंग के लिए अधिकतम उम्र की सीमा तय कर चुके ड्राइवर रिटायर भी हो रहे हैं जिस वजह से यह संकट और गहरा गया है। हालांकि, जापान इस समस्या का समाधान तकनीक की मदद से निकालने का प्रयास करता दिख रहा है। जापान की कार निर्माता निसान ने हाल ही में सेल्फ ड्राइविंग तकनीक से लैस कारों को उतारने का ऐलान किया है। कंपनी का कहना है कि वह 2027 में पहली ऑटोनोमस सेल्फ ड्राइविंग कार लॉन्च करेगी। इसके लिए कंपनी ने जापान के योकोहामा शहर में सेल्फ ड्राइविंग कार की टेस्टिंग शुरू करने वाली है। कंपनी ऐसी तकनीक के लिए सुरक्षा और विनियमन संबंधी मामलों पर सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। दुनिया के कई हिस्सों में सेल्फ ड्राइविंग कारें जांच के दायरे में आ गईं हैं। हालांकि, जापान में ऐसी तकनीकी क्षमताओं वाले वाहनों की आवश्यकता अन्य विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक हैं। निसान रिसर्च एंड एडवांस इंजीनियरिंग के वाईस प्रेजिडेंट खजुहीरो डोई ने कहा कि जापान परिवहन संबंधी एक बड़ी समस्या का सामना कर रहा है, जो भविष्य में और भी बड़ी हो जाएगी।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों के नीचे आने से आई है। आज के कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी नीचे आया है। ये 0.17 फीसदी और 0.63 फीसदी कमजोर होकर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 195.16 अंक करीब 0.26 फीसदी नीचे आकर 73,677.13 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,412.25 और 73,915.54 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.30 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी टूटा है। निफ्टी दिन के अंत में 22,356.30 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान आज 22,269.15 और 22,416.90 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स 125 अंक की गिरावट के साथ 73735 के आसपास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी में घी 41.15 अंक की गिरावट के साथ 22,365 के आसपास कारोबार हुआ। प्री-ओपनिंग सत्र में बेंचमार्क इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स 10.67 अंक नीचे 73,861.62 पर और निफ्टी 19.40 अंक गिरकर 22,386.20 पर कारोबार कर रहा था।

## आरबीआई के फैसले से आईआईएफएल फाइनेंस में आया भूचाल

**मुंबई ।** केंद्रीय बैंक आरबीआई की कार्रवाई ने आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों पर तगड़ी स्ट्राइक की है। आरबीआई ने इस तत्काल गोल्ड लोन बांटने से रोक दिया है, इसकारण शेयरों को तगड़ा झटका लगा है।मंगलवार को कारोबार की शुरुआत होते ही इसके शेयर 20 फीसदी टूटकर लोअर सर्किट पर आ गए। पिछले साल इसके शेयर 16 अक्टूबर 2023 को एक साल के हाई 704.20 रुपए और 14 मार्च 2023 को एक साल के निचले स्तर 408.40 रुपए पर थे। आरबीआई ने आईआईएफएल फाइनेंस पर गोल्ड लोन बांटने पर रोक लगा दिया है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो चुका है। इस मामले में कंपनी ने सफाई दी हैं कि आरबीआई ने जो आपत्तियां जाहिर की हैं, उस पर तुरंत एक्शन लेकर गोल्ड लोन सर्विसेज में दिक्कत नहीं आने दिया जाएगा। आईआईएफएल फाइनेंस देश के 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 2721 नगरों और शहरों में गोल्ड लोन मुहैया कराता है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने आरबीआई की कार्रवाई के बावजूद इसकी खरीदारी की रेटिंग को बरकरार रखा है। इसका टारगेट प्राइस 765 रुपए फिक्स किया है।

## कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी, वृद्धि सुस्त पड़ी

**नई दिल्ली ।** कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी के चलते भारत में फरवरी में सेवा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त पड़ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को इसकी जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक फरवरी में 60.6 रहा, जो इसके पहले जनवरी में 61.8 था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। भारत की सेवा पीएमआई से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र में विस्तार की गति जनवरी के मुकाबले फरवरी में कम हो गई है। भारत में सेवा कंपनियों को विदेश से मिलने वाले नए कारोबार में लगातार तेरहवें महीने वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के मुताबिक भविष्य की व्यावसायिक गतिविधि के लिए सेवा कंपनियों का पूर्वानुमान सकारात्मक रहा, हालांकि यह पहले के मुकाबले थोड़ा कमजोर पड़ गया।

## एसबीआई ने चुनावी बांड की जानकारी देने सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक मांगा समय

**नई दिल्ली ।** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी को जमा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक का समय मांगा है। एसबीआई ने कहा है कि कोर्ट ने जो 3 हफ्ते का समय दिया था वह पर्याप्त नहीं है। एसबीआई ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने का उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया। पिछले महीने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 6 मार्च तक निर्वाचन आयोग को इसकी पूरी जानकारी पेश करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आवेदन में एसबीआई ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को जानकारी शेयर करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें प्रत्येक चुनावी बॉण्ड की खरीद की तारीख, बॉण्ड के खरीदार का नाम और खरीदे गए चुनावी बॉण्ड का मूल्य शामिल हो। याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉण्ड को डिकोड करना और दानकर्ताओं द्वारा दिए गए दान का मिलान करना एक जटिल प्रक्रिया होगी। उच्चतम न्यायालय ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था तथा चंदा देने वालों, बॉण्ड के मूल्यों और उनके प्राप्तकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने एसबीआई को छह साल पुरानी योजना में दानकर्ताओं के नामों का निर्वाचन आयोग को खुलासा करने का आदेश दिया था।

# वॉट्सऐप ने 67 लाख अकाउंट पर लगाया प्रतिबंध

## -जनवरी में रिकॉर्ड 14,828 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं

**नई दिल्ली ।**

सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने नए आईटी नियम 2021 के अनुपालन में जनवरी महीने में भारत में 67 लाख से अधिक अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। वॉट्सैप ने अपनी मंथली रिपोर्ट में कहा कि यूज़र्स की किसी भी रिपोर्ट से पहले इनमें से लगभग 1,358,000 अकाउंट पर एक्टिव रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। 1 से 31 जनवरी के बीच कंपनी ने 6,728,000 अकाउंट्स को बैन कर दिया है। सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप को जनवरी में देश में रिकॉर्ड 14,828 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं थी और 10 पर एक्शन हुआ। 'अकाउंटस एक्शन' उन रिपोर्टों को दर्शाता है, जहां वॉट्सऐप ने रिपोर्ट के आधार पर उपचारात्मक कार्रवाई की और कार्रवाई करने का मतलब या तो किसी खाते पर प्रतिबंध लगाना है या परिणामस्वरूप पहले से प्रतिबंधित खाते को बहाल करना है।

कंपनी के अनुसार, 'इस यूज़र-सिक्योरिटी रिपोर्ट में प्राप्त शिकायतों और वॉट्सऐप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ हमारे प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए वॉट्सऐप की अपनी कार्रवाइयों की जानकारी भी शामिल है।' लाखों भारतीय सोशल मीडिया यूज़र्स को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) की शुरुआत की है, जो कंटेंट और अन्य मुद्दों के संबंध में उनकी परेशानियों को देखती है।

नया बनाया गया पैनल, बिग टेक कंपनियों पर लगाम लगाने के लिए देश के डिजिटल कानूनों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है, जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के फैसलों के खिलाफ यूज़र्स द्वारा की गई अपील पर गौर करेगा। वॉट्सऐप ने एक बयान में कहा, 'हम दुरुपयोग को रोकने और मुकाबला करने में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवाओं के बीच सुरक्षा सुविधाओं और नियंत्रणों के अलावा इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन में विशेषज्ञों की टीम गठित करते हैं।'

## एक्सिकॉम के शेयर 87 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

**नई दिल्ली ।** ईवी चार्जर बनाने वाली कंपनी एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 142 रुपये के मुकाबले करीब 87 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 85.91 प्रतिशत बढ़कर 264 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 93.27 प्रतिशत बढ़कर 274.45 रुपये पर पहुंच गए। इस तरह शेयर एनएसई पर 86.61 प्रतिशत बढ़कर 265 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को 129.52 गुना अभिदान मिला था।

## प्लैटिनम के शेयर 33 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

**नई दिल्ली ।** स्टेबिलाइजर बनाने वाली कंपनी प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 171 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। शेयर बीएसई पर 33.33 प्रतिशत बढ़कर 228 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में भाव 38.59 प्रतिशत बढ़कर 237 रुपये पर पहुंच गया। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर एनएसई पर 31.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 225 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्याकंन 1,241,30 करोड़ रुपये है। कंपनी के आईपीओ को 98.99 गुना अभिदान मिला था।

# एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर का मुकदमा

## मुकदमा करने वालों में ट्विटर के पूर्व सीईओ सहित चार पूर्व उच्चाधिकारी शामिल

**नई दिल्ली ।**

ट्विटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार पूर्व उच्च स्तर के अधिकारियों ने एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर से अधिक का मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एलन मस्क के खिलाफ कार्रवाई लेने वाले अन्य लोगों में ट्विटर के पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सेगल, पूर्व लीगल चीफ ऑफिसर विजया गड्डे और पूर्व जनरल काउंसिल सीन एडगेट के नाम भी शामिल हैं। गौरतलब है कि पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार पूर्व ट्विटर अधिकारियों ने कंपनी के वर्तमान सीईओ एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर के अवैतनिक विच्छेद भुगतान के लिए मुकदमा दायर किया है। ट्विटर के पूर्व अधिकारियों ने दावा किया है कि जब मस्क ने 2022 में 44 बिलियन डॉलर की डील के बाद ट्विटर की कमान संभाली तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से लगभग 200 मिलियन डॉलर के उनके विच्छेद भुगतान को रोकने की कसम खाई थी। कैलिफोर्निया की अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर 38 पन्नों की शिकायत में अग्रवाल के वकीलों ने कहा जैसा कि ब्लूमबर्ग ने लिखा है, मस्क के नियंत्रण में, ट्विटर एक उपहास बन गया है, जो कर्मचारियों, मकान मालिकों, विक्रेताओं और अन्य लोगों को परेशान कर रहा है। मस्क अपने बिलों का भुगतान नहीं करते हैं, उनका मानना है कि नियम उन पर लागू नहीं होते हैं, और जो भी उनसे असहमत हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आदेश दिया था।

के लिए अपने धन और शक्ति का उपयोग करते हैं। उन्होंने अपने समाप्ति पत्रों में दावा किया कि प्रत्येक वादी ने इस दावे के समर्थन में एक भी तथ्य का हवाला दिए बिना घोर लापरवाही और जानबूझकर कदाचार किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अग्रवाल, गड्डे और अन्य पूर्व कर्मचारियों ने पहले भी मुकदमा दायर किया था और डेलावेयर अदालत से फैसला जीता था, जिसने ट्विटर को सोशल मीडिया कंपनी के लिए काम करने के दौरान किए गए कानूनी शुल्क में 1.1 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया था।

## 1 अप्रैल को एक हो जाएंगे फिनकेयर और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

**नई दिल्ली ।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के विलय को मंजूरी दे दी है। इसके बाद एक अप्रैल, 2024 से फिनकेयर की सभी ब्रांच एयू एसएफबी के नाम से काम करेंगी। इस फैसले से प्राइवेट सेक्टर के एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थिति और मजबूत हो जाएगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 30 अक्टूबर, 2023 को फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ मर्जर का ऐलान किया था। बैंक ने बताया था कि शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिलने के बाद आरबीआई और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से नियामकीय अनुमे ति के लिए प्रयास किया जाएगा। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने बताया कि फिनकेयर के प्रमोटर्स लगभग 700 करोड़ रुपए की पूंजी इस मर्जर के बाद लगाएंगे। सौदे के तहत गैर लिस्टेड फिनकेयर के शेयरहोल्डर्स को उनके प्रत्येक 2000 शेयरों के बदले लिस्टेड एयू एसएफबी के 579 शेयर मिलेंगे। दोनों बैंकों के मर्जर के बाद फिनकेयर एसएफबी के एमडी और सीईओ राजीव यादव एयू एसएफबी के डिप्टी सीईओ बनेंगे। साथ ही फिनकेयर एसएफबी के बोर्ड की डायरेक्टर दिव्या सहगल एयू एसएफबी के बोर्ड को ज्वॉइन करेंगी। इन दोनों बैंक के मर्जर को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मंजूरी इसी साल 23 जनवरी को मिली थी। एयू एसएफबी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी थी।

## आईईएक्स पर फरवरी में ऊर्जा कारोबार 15 फीसदी बढ़ा

**नई दिल्ली ।** भारतीय ऊर्जा बाजार (आईईएक्स) ने बताया कि उसके मंच पर फरवरी में सकल ऊर्जा कारोबार सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 946.2 करोड़ यूनिट हो गया। आईईएक्स ने एक बयान में कहा कि फरवरी 2024 के दौरान एक दिन बाद की खरीद में औसत बाजार कीमत 4.93 रुपये प्रति यूनिट थी। यह राशि सालाना आधार पर 26 प्रतिशत कम थी। बयान के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में एक्सचेंज पर बिक्री बोलियां सालाना आधार पर 47 प्रतिशत बढ़ीं। आईईएक्स ने फरवरी 2024 में कुल 946.2 करोड़ यूनिट का कारोबार हासिल किया, जो सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत अधिक है। एक दिन बाद की खरीद (डीएएम) की मात्रा पिछले महीने 472.2 करोड़ यूनिट थी, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 466.4 करोड़ यूनिट थी। तत्काल खरीद के बिजली बाजार (आरटीएम) में इस साल फरवरी में 234 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जबकि फरवरी 2023 में यह 171.4 करोड़ यूनिट था।

# जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

**एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.**

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

## एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

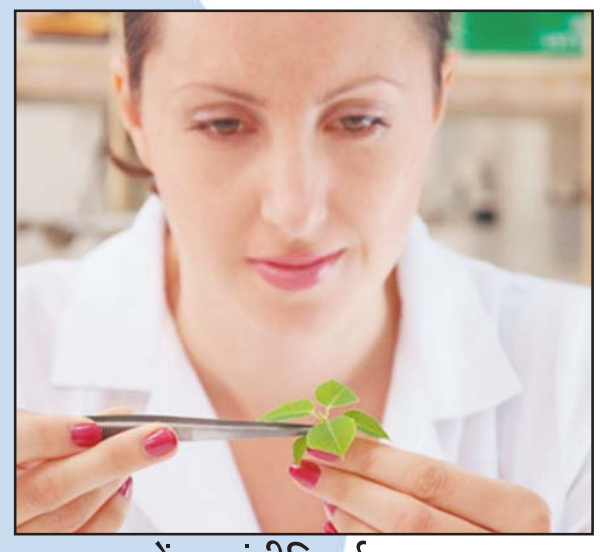

## एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

## एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

## एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

**वेतन** - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

**संस्थान** - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

# हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

**भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।**

## शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

## संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

## फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

## खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

## प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

# टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

**टूरिस्ट गाइड का कार्य**

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

**कोर्स और क्वालिफिकेशन** - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

**कॅरियर ऑपशन** - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

**आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।**

# क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

## क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

**रोचक तथ्य** - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

## गया में सेना का एयरक्राफ्ट विमान गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित

गया, । बिहार में गया जिले के बोधगया प्रखंड के बगदाहा गांव के बधार में आज सेना का माइक्रो एयरक्राफ्ट विमान अचानक गिर गया। सूत्रों ने बताया कि गया के पहाड़पुर गांव के समीप स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) से ट्रेनिंग के दौरान माइक्रो एयरक्राफ्ट विमान ने उड़ान भरी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण विमान बगदाहा गांव के गेहूं के खेत में गिर गया। विमान में एक महिला और एक पुरुष पायलट सवार थे। सूत्रों ने बताया कि ग्रामीणों ने दोनों पायलट को विमान से बाहर निकाला। इसके बाद पायलट के द्वारा इसकी सूचना ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी को दी गई। अकादमी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर विमान को वापस लेकर चले गये।

## एनआईए ने बेंगलुरु विस्फोट मामले में छापेमारी की

चेन्नई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गत एक मार्च को कर्नाटक के बेंगलुरु में रामेश्वर कैफे में हुए विस्फोट के मामले में मंगलवार को चेन्नई एवं रामनाथुरुम जिले में छापे मारे। रिपोर्ट के मुताबिक करीब चार-पांच जगहों पर छापेमारी की जा रही है। एनआईए अधिकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर औपचारिक मामला दर्ज करके जांच अपने हाथ में लेने के एक दिन बाद, यह पता लगाने के लिए छापेमारी की कि बेंगलुरु कैफे विस्फोट के तमिलनाडु के किसी संगठन से कोई संबंध है या नहीं। प्रारंभिक जांच में विस्फोट में कर्नाटक के बाहर के लोगों के साथ कुछ संदिग्ध संबंधों की संलिप्तता का पता चला है, जिसके कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जांच एनआईए को सौंपी। उत्तरी चेन्नई के मन्नाडे और मुथियालपेट और दक्षिणी रामनाथपुरम जिले में भी छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उस अपराधी की पहचान कर ली है जिसने उस कैफे में आईईडी से भरा बैग रखा था, उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों को विस्फोट स्थल से बस में यात्रा करने वाले अपराधी के कर्नाटक से किसी पड़ोसी राज्य में भाग जाने का भी संदेह है।

## शादी समारोह में पहुंचे छतरपुर के बसपा नेता की गोली मारकर हत्या

छतरपुर। शादी समारोह में शामिल होने मैरिज गार्डन पहुंचे बसपा नेता महेंद्र गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके साथ गनमैन जब तक अपनी बंदूक लोड करता तब तक आरोपी फरार हो चुका था। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने बताया कि महेंद्र गुप्ता को सोमवार रात सागर रोड पर एक मैरिज गार्डन के पास सिर में गोली मार दी गई।एसपी ने कहा, महेंद्र गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई थी और आरोपी अपराध स्थल से भाग गया। महेंद्र गुप्ता के निजी सुरक्षा गार्ड अब्दुल मंसूरी ने कहा कि उन्हें मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ने गोली मार दी। मंसूरी ने कहा कि जब तक वह जवाबी कार्रवाई करने के लिए अपनी राइफल लोड कर पाते, तब तक हमलावर भाग गया। उन्होंने कहा कि हमलावर को देखा है और उसे पहचान सकते हैं। घटना के वक्त बसपा नेता एक शादी समारोह में शामिल होने छतरपुर आए थे। ईशानगर कस्बे के निवासी गुप्ता ने 2023 का विधानसभा चुनाव बिजावर सीट से बसपा के टिकट पर लड़ा और 10,400 वोट पाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

## मुख्यमंत्री योगी की बड़ी कार्रवाई :भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को हटाया गया, राजीव कृष्ण को मिली जिम्मेदारी

लखनऊ । यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को पद से हटा दिया है। रेणुका मिश्रा की जगह अब आईपीएस राजीव कृष्?ण को भर्ती बोर्ड की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। यूपी में 60 हजार से ज्यादा सिपाही भर्ती में 48 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी। योगी सरकार पेपर लीक होने के मामले में लगातार कड़े एक्शन ले रही है। हालांकि पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले की गठित आंतरिक जांच कमेटी ने अब तक कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी है। यूपी पुलिस पेपर लीक मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। इससे पहले पहले भी सरकार ने आरओ-एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा निरस्त करने के बाद बड़ा ऐक्शन लेते हुए यूपी लोकसेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक अजय कुमार तिवारी को पद से हटा दिया था। पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले की गठित आंतरिक जांच कमेटी ने अब तक कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी है। रिपोर्ट के आधार पर ही भर्ती बोर्ड को एफआईआर करानी थी। बता दें कि 17 और 18 फरवरी को प्रदेश भर में सिपाही भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसके बाद व्हाट्सएप पर पेपर लीक होने की बात सामने आई थी। पहले तो पुलिस की तरफ से इसे अफवाह बताया गया। लेकिन अभ्यर्थियों के विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा रद्द कर कर कहा कि वे ऐसी कार्रवाई करेंगे जो नजीर बनेगी। गौरतलब है की यूपी में 60 हज़ार से ज़्यादा सिपाही भर्ती में 48 लाख से ज़्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई और अगले 6 महीने में फिर से लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाना है।

## माओवादियों से संबंध मामले में डीयू के पूर्व प्रोफेसर साईंबाबा बरी

**-बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उम्रकैद की सजा रद्द कर दिया बड़ा फैसला**

नागपुर। माओवादियों से संपर्क रखने के मामले में उम्र कैद की सजा पाए दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने पूर्व प्रोफेसर साईबाबा को बरी करते हुए उनकी उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस विनय जोशी और जस्टिस एसए मेनेजेस की डबल बेंच ने इस मामले के पांच अन्य आरोपियों को भी बरी करने का फैसला सुनाया है। माओवाजियों से संबंध मामले में फैसला देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि इस मामले के सभी आरोपियों को वह बरी करती है, क्योंकि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ उचित संदेह से परे मामला साबित करने में विफल रहा है। पूर्व प्रोफेसर साईबाबा के अतिरिक्त जिन लोगों को कोर्ट ने बरी किया है, उनमें हेम मिश्रा, महेश तिर्की, विजय तिर्की, नारायण संगलिकर, प्रशांत राही और पांडू नैरोट के नाम शामिल हैं। इनमें से पांडू नैरोट की मृत्यु हो चुकी है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत आरोप लगाने के लिए अभियोजन पक्ष द्वारा प्राप्त की गई मंजूरी को भी अमान्य करार दिया है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट की ही एक अन्य बेंच ने 14 अक्टूबर, 2022 को इस बात का संज्ञान लेते हुए पूर्व प्रोफेसर साईबाबा को बरी कर दिया था कि यूएपीए के तहत वैध मंजूरी के अभाव में मुकदमे की कार्यवाही 'अमान्य' थी। इस पर महाराष्ट्र सरकार ने फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने आदेश पर रोक लगा, बाद में अप्रैल 2023 में उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया और साईबाबा द्वारा दायर अपील पर नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया था।

## 259 अवैध प्रवासियों को मणिपुर से निकाला- सीएम बीरेन सिंह

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले साल 3 मई को राज्य में शुरू हुए जातीय संघर्ष के बाद से मणिपुर में पाए गए 6,746 अवैध म्यांमार प्रवासियों में से 259 को उनके बायोमेट्रिक्स ह?योरा दर्ज करने के बाद 27 फरवरी तक उनके देश वापस भेज दिया गया है। विधानसभा के पटल पर विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित बाकी 6,487 शरणार्थी, जो 1 फरवरी, 2021 को म्यांमार में सैन्य जुंटा द्वारा सत्ता पर कब्जा किए जाने के बाद मणिपुर भाग आए थे, उन्हें अस्थायी रूप से आश्रय गृह में रखा गया। सिंह ने सदन को बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं कि प्रवासी स्थानीय लोगों से न मिलें।

# अमित शाह का कांग्रेस पर वार, बोले- 19 बार लॉन्च हुआ 'राहुलयान', 20वीं बार प्रयास जारी

**जलगांव (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव से पहेल केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह महाराष्ट्र दौरे पर है। उन्होंने जलगांव में युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव 2047 में आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का चुनाव है। ये चुनाव भारत के युवाओं और भारत के भविष्य का चुनाव है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा को वोट का मतलब - युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को वोट, भाजपा को वोट मतलब - महान भारत की रचना को वोट, भाजपा को वोट का मतलब - मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट।

अमित शाह ने कहा कि आपमें से जो लोग पहली बार वोट करेंगे, मैं उन युवा साथियों से विशेषकर कहने आया हूं कि आप अपना वोट उस पार्टी को दीजिएगा जो पार्टी भारत माता को विश्वगुरु के स्थान पर बैठा पाए, महान भारत की रचना कर पाए। अपना वोट लोकतंत्र को मजबूत करने वाली पार्टियों को दीजिए। उन्होंने कहा कि मोदी जी की खिलाफत करने वाली घमंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां परिवारवादी पार्टियां हैं। सोनिया गांधी को राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। उद्धव ठाकरे को आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना है। शरद पवार जी को बेटी को मुख्यमंत्री बनाना है। ममता दीदी को भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। स्टालिन को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है।

शाह ने सवाल करते हुए कहा कि क्या वे पार्टियाँ जिनके अंदर कोई लोकतांत्रिक मूल्य नहीं हैं, बल्कि परिवारवाद के दर्शन पर चलती हैं, देश के लोकतंत्र को बचा सकती हैं? उन्होंने कहा कि मोदी जी ने 10 साल के अंदर space से लेकर सेमी कंडक्टर तक, डिजिटल से लेकर ड्रोन तक,एआई से लेकर वैक्सीन तक और 5जी से लेकर फिनटेक तक हर क्षेत्र में युवाओं के लिए दरवाजे खोलने का काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी भविष्य के भारत के लिए तैयार हैं। 2030 तक दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनना है। 2035 तक अंतरिक्ष में स्टेशन स्थापित करना है। 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करनी है और 2040 में चंद्रमा पर भारतीय को भेजकर मून मिशन को पूरा करने का काम मोदी जी ने तय कर लिया है।

उन्होंने कहा कि एक ओर पीएम मोदी चंद्रमा पर चंद्रयान लॉन्च कर रहे हैं। दूसरी ओर सोनिया गांधी 20वीं बार राहुल बाबा को लॉन्च करने की कोशिश कर रही हैं। यह 'राहुलयान' 19 बार लॉन्च हुआ पर पहुंचा ही नहीं, अब 20वीं बार प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 3 पहियों की ऑटो चलती है, जिसका नाम महाविकास अघाड़ी है। इस ऑटो के तीनों पहिए पंचर हैं, आप मुझे बताओ ये पंचर वाली ऑटो महाराष्ट्र का विकास कर सकती है क्या? एकनाथ जी और देवेंद्र जी के नेतृत्व में भाजपा ही महाराष्ट्र का विकास कर सकती है।

## अचानक कोर्ट पहुंचीं जयाप्रदा, तीन घंटे कठघरे में खड़ा रहना पड़ा

रामपुर। चुनाव आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े दो मामलों में फ्फार घोषित पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा यूपी की रामपुर अदालत में पेश हुईं। जहां बाद में उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई। कोर्ट ने जया प्रदा के खिलाफ जारी किए वारंट वापस ले लिए। दरअसल, सोमवार को सुनवाई के दौरान जया प्रदा अचानक कोर्ट पहुंची थीं इसके बाद वह सुनवाई के लिए जज के सामने पेश हुईं। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सबसे पहले उन्हें न्यायिक हिरासत में लिया। नतीजा ये हुआ कि उन्हें कुछ देर तक कठघरे में खड़ा रहना पड़ा। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने कहा- उनकी (जया प्रदा) याचिका पर विचार करते हुए कि वह अस्वस्थ हैं, अदालत ने बाद में उन्हें सशर्त जमानत दे दी और उन्हें 20,000 रुपये की दो जमानत राशि जमा करने का आदेश दिया। उन्होंने (जया प्रदा) अदालत को आश्वासन दिया कि वह प्रत्येक सुनवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से उसके समक्ष उपस्थित होंगी और उपस्थिति से छूट के लिए कोई आवेदन दायर नहीं किया जाएगा। अदालत के 27 फ्फरवरी के आदेश के बाद जिसमें पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कहा गया था, जया प्रदा ने अपने खिलाफजारी गैर-जमानती वारंट को रद्द करने की मांग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। हालांकि , अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। बता दें कि जया प्रदा 2019 के लोकसभा चुनाव में रामपुर से भाजपा की उम्मीदवार थी। इस चुनाव में वह समाजवादी पार्टी के आजम खान से हार गई थीं। जया प्रदा 2004 और 2009 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर रामपुर से लोकसभा के लिए चुनी गईं। लेकिन बाद में पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया था। इन मामलों में विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने कई बार समन जारी किया था लेकिन पूर्व सांसद अदालत में पेश नहीं हुईं। इसके बाद उनके खिलाफसात बार गैर जमानती वारंट जारी हुए, मगर पुलिस उन्हें कोर्ट में पेश नहीं कर सकी। 27 फ्फरवरी को अदालत ने जया प्रदा को फ्फार घोषित कर दिया। साथ ही पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने और 6 मार्च को उनके सामने पेश करने का निर्देश दिया।

# कर्नाटक में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे पर भड़के जेपी नड्डा, पूछा- क्या यही है राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का मकसद?

**बेलगावी (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपने मिशन दक्षिण में जुटी हुई है। इसी कड़ी में आज पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा कर्नाटक के दौरे पर हैं। उन्होंने कर्नाटक के बेलगावी में बूथ समावेश रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं अपनी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं जो अपने देश के लिए दिन-रात काम करते हैं। वे न केवल हमारी पार्टी को मजबूत करते हैं बल्कि अपने ऊपर होने वाले दुर्व्यवहार को भी सहन करते हैं।' उन्होंने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आप एक दृढ़ दृष्टिकोण वाली विचारधारा आधारित पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

नड्डा ने कहा कि भाजपा ने जनसंघ के रूप में 1951-52 में कहा था कि एक देश में, दो निशान-दो विधान-दो प्रधान नहीं रहेंगे। तो हमने 2020 में धारा 370 को धराशायी कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने कहा था कि हम राम मंदिर बनाने के रास्ते को प्रशस्त करेंगे। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी जी कर कमलों से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और हमने अपना वादा पूरा किया। उन्होंने दावा किया कि हम एकमात्र पार्टी हैं जिसने तीन तलाक के माध्यम से हमारी मुस्लिम महिलाओं पर होने वाले अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एक तरफ हमारे पास मोदी जी हैं, जिन्होंने भारतीयों की क्षमताओं पर भरोसा किया और उनमें नया आत्मविश्वास पैदा करने में मदद की। दूसरी ओर, हमारे पास ऐसे लोग हैं जो भारत के युवाओं को 'आलसी' कहने का साहस करते हैं... वे भारतीयों की क्षमताओं का अपमान करते हैं। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक को एहसास हो गया होगा कि उनकी राज्य सरकार उन्हें कैसे धोखा दे रही है। कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद विधानसौधा में लोगों ने लगाए 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे...क्या यही है राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का मकसद? खड़गे ने इसकी निंदा क्यों नहीं की?

उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण करने वाली सरकार है। कांग्रेस पार्टी परिवारवाद और तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है। INDI गठबंधन केवल परिवार और भ्रष्टाचार का गठबंधन है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के प्रति कांग्रेस का रवैया सहिष्णु है। उनके राज में कैफे जैसे आम मिलन स्थलों पर धमाचौकड़ी मची रहती थी। कांग्रेस वही पार्टी है जिसने श्री राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। कांग्रेस मंदिरों पर टैक्स लगा रही है। उनके मन में हिंदुओं के प्रति इतना आक्रोश क्यों है?

## अभिनेत्री वैजयंतीमाला से मिले पीएम मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बीते दौर की अभिनेत्री वैजयंतीमाला फिर अपने सराहनीय डांस को लेकर सुर्खियों में हैं, जिन्होंने हाल ही में अयोध्या में आयोजित समारोह में 90 की उम्र में भारतनाड्यम डांस से सबका दिल जीत लिया। वहीं वैजयंतीमाला से प्रधानमंत्री मिले हैं, जिसकी उन्होंने तस्वीरें भी शेयर की हैं। पीएम मोदी ने हाल ही में चेन्नई में पद्म विभूषण से सम्मानित और मशहूर अभिनेत्री वैजयंतीमाला से मुलाकात की। इसके बारे में पीएम ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं।

पीएम मोदी ने वैजयंतीमाला की तारीफ कर कहा कि महान अभिनेत्री की भारतीय सिनेमा की दुनिया में अनुकरणीय योगदान के लिए प्रशंसा की जाती है। उन्होंने लिखा, चेन्नई में वैजयंतीमाला जी से मिलकर खुशी हुई। उन्हें हाल ही में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है और भारतीय सिनेमा की दुनिया में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए पूरे भारत में उनकी प्रशंसा की जाती है।

गौरलतलब है कि वैजयंती माला का नाम साल जनवरी 2024 में पद्म विभूषण पाने वालों की सूची में शामिल था। उनके अलावा तेलगु मेगास्टार चिरंजीवी और 132 अन्य लोगों को भी पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें आठ तमिलनाडु के थे, जिसमें वैजयंतीमाला भी शामिल थीं। वैजयंतीमाला बाली भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने हिंदी ही नहीं बल्कि कई साउथ फिल्मों में भी काम किया था। वैजयंतीमाला ने 16 साल की उम्र में तमिल फिल्म वाजकई (1949) से अभिनय की शुरुआत की थी। उनकी पहली हिंदी फिल्म बहार थी, जो 1951 में रिलीज हुई थी। इसके बाद में उन्होंने 1950 और 1960 के दशक की कई फिल्मों में भी काम किया, जिनमें देवदास, नया दौर, आशा, साधना, गूंगा जमना, संगम और ज्वेल थीफ शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें साल 1968 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था।

## आंदोलन पर किसान पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, कोर्ट ने इसे पब्लिसिटी स्टंट का तरीका बताया

नई दिल्ली । किसान आंदोलन को लेकर को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। किसान आंदोलन से जुड़ी याचिका लेकर याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था लेकिन उसका यह दांव उल्टा पड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हिदायत दी और याचिका को पब्लिसिटी स्टंट का तरीका बताया। और याचिकाकर्ता के वकील को फटकार लगाई। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने किसानों के प्रदर्शन से संबंधित मुद्दे को गंभीर करार देते हुए सोमवार को याचिकाकर्ता से कहा कि वह केवल प्रचार पाने के लिए अखबारों की रिपोर्ट के आधार पर याचिका दायर करने से बचें। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सिख चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रबंध निदेशक एवं याचिकाकर्ता एग्नोस्टोस थियोस को अपनी उस याचिका को वापस लेने की अनुमति दे दी जिसमें केंद्र और कुछ राज्यों द्वारा शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों के अधिकारों के हनन का आरोप लगाया गया था। सुनवाई की शुरुआत में ही याचिकाकर्ता थियोस के वकील ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया कि वह याचिका में संशोधन करना चाहते हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को फटकार लगाई। न्यायमूर्ति कांत ने वकील से कहा ये बहुत गंभीर मुद्दे हैं। केवल प्रचार के लिए अखबारों की रिपोर्ट के आधार पर ऐसी याचिकाएं दायर न करें।

## कांग्रेस नेताओं पर भड़के पंजाब के सीएम बोले- आपको कभी सोनिया, राहुल ने पास बिठाया हो तो बताएं

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की दोस्ती दिल्ली,गुजरात और हरियाणा में चल रही है। यहां दोनों पार्टियों के बीच सीटों का बंटवारा भी हो गया है। इसके बाद भी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, कांग्रेस नेताओं पर जमकर भड़क गए हैं। उन्होनें खरी खरी सुनाते हुए यहां तक कह दिया कि कोई ऐसा नेता हो तो बताएं जिसे सोनिया और राहुल गांधी ने पास में कभी बिठाया हो।पंजाब में बजट पर चर्चा के दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ है। चर्चा के दौरान मान और कांग्रेस विधायक और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के बीच जमकर बहस हुई। पंजाब सीएम ने कहा, राहुल गांधी और सोनिया गांधी किसके साथ बैठते हैं? मेरे साथ। क्या आप कभी उनके साथ बैठे हैं? एक तरह आप हमारे साथ (सीट शेयरिंग पर) समझौते कर रहे हैं। जाओ उन्हें (सोनिया और राहुल गांधी) से कह दो कि हमें कुरुक्षेत्र, दिल्ली और गुजरात की सीटें न दें।

बजट पर चर्चा से पहले सीएम मान ने राज्यसपाल को एक लिफाफा सौंपा था, जिसमें ताला-चाबी थे। उन्होंने राज्यपाल से कहा कि विपक्ष को अंदर बंद कर दें, ताकि वे चर्चा के दौरान भाग न जाएं। इसके बाद से ही दोनों पक्षों के बीच बहस का दौर शुरू हो गया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान बाजवा ने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को सुनना नहीं आता, तो इसलिए विधानसभा के दरवाजे अंदर से बंद कर देने चाहिए। हम क्या मजदूर हैं? हमने इतना कमजोर स्पीकर नहीं देखा। सीएम ने सभी के लिए अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने कहा, जब बहस हो रही थी, तब मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा कि क्या मैं उनके खिलाफ चुनाव में खड़ा हो सकता हूं। मैंने उन्हें कहा कि वह पंजाब में जहां से भी चुनाव लड़ेंगे, वहां उनके खिलाफ मैं खड़ा हो जाऊंगा। मैंने उनकी चुनौती को खुलकर स्वीकार किया।

# संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए एसबीआई का ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है सरकार: खरगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने और चुनावी बॉन्ड से संबंधित उच्चतम न्यायालय के फैसले को नाकाम बनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक का ढाल के रूप में उपयोग कर रही है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने का सोमवार को उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया। पिछले महीने अपने फैसले में उच्चतम न्यायालय ने एसबीआई को छह मार्च तक निर्वाचन आयोग को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड के माध्यम से अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए हमारे देश के सबसे बड़े बैंक को ढाल के रूप में उपयोग कर रही है।' उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड की मोदी सरकार की 'काला धन रूपांतरण' योजना को 'असंवैधानिक', 'आरटीआई का उल्लंघन' और 'अवैध' करार देते हुए रद्द कर दिया था और एसबीआई को 6 मार्च तक दाता विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा था, लेकिन भाजपा चाहती है कि इसे लोकसभा चुनाव के बाद किया जाए। उनके मुताबिक, इस लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म होगा और एसबीआई 30 जून तक डेटा साझा करना चाहता है।

खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा इस फर्जी योजना की मुख्य लाभार्थी है। उन्होंने सवाल किया, 'क्या मोदी सरकार आसानी से भाजपा के संदिग्ध सौदों को नहीं छिपा रही है, जहां राजमार्गों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, बिजली संयंत्रों आदि के अनुबंध इन अपारदर्शी चुनावी बॉन्ड के बदले मोदी जी के करीबियों को सौंप दिए गए थे?' खरगे ने कहा, 'विशेषज्ञों का कहना है कि दानदाताओं की 44,434 स्वचालित डेटा प्रविष्टियों को केवल 24 घंटों में प्रकट और मिलान किया जा सकता है, फिर इस जानकारी को एकत्रित करने के लिए एसबीआई को 4 महीने और क्यों चाहिए?' उनके अनुसार, कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट रुख रहा है कि चुनावी बॉन्ड योजना अपारदर्शी, अलोकतांत्रिक और समान अवसर को नष्ट कर देने वाली थी।

खरगे ने आरोप लगाया, 'मोदी सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय और वित्त मंत्री ने भाजपा का खजाना भरने के लिए हर संस्थान - आरबीआई, चुनाव आयोग, संसद और विपक्ष पर बुलडोजर चला दिया।' उन्होंने आरोप लगाया कि अब हताश मोदी सरकार उच्चतम न्यायालय के फैसले को विफल करने के लिए एसबीआई का उपयोग करने की कोशिश कर रही है।

# संदेशखली मामला: हाई कोर्ट से मिला बड़ा झटका

**-अब सीबीआई जांच के निर्देश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ममता सरकार**

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को संदेशखली मामले में सीबीआई जांच के निर्देश देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। जिसके बाद शीर्ष अदालत ने वकील से रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष इसका उल्लेख करने को कहा। इससे पहले आज, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने का आदेश दिया। अदालत ने पश्चिम बंगाल पुलिस को मामले के मुख्य आरोपी शाजहान शेख को सीबीआई को सौंपने का भी आदेश दिया।

पश्चिम बंगाल सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। शेख की गिरफ्तारी के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच बशीरहाट पुलिस से लेकर सीआईडी को सौंप दी थी, जो अब सीआईडी की पुलिस रिमांड में है। टीएमसी नेता को पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था, जिसके एक दिन बाद उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि महिलाओं पर कथित यौन अत्याचार और संदेशखाली में जमीन हड़पने के मुख्य आरोपी शेख को सीबीआई, ईडी या पश्चिम बंगाल द्वारा गिरफ्तार किया जा सकता है।

बता दें कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बंगाल के संदेशखली से जबरन वसूली, भूमि हड़पने और यौन उत्पीड़न की कई शिकायतों के मुख्य आरोपी पूर्व तृणमूल नेता शेख शाहजहाँ की हिरासत सीबीआई को सौंप दी है। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम ने मंगलवार शाम कहा कि केंद्रीय एजेंसी मामले को अपने हाथ में लेगी, उन्होंने बंगाल पुलिस को शाहजहां और मामले की सामग्री सौंपने के लिए शाम 4.30 बजे तक का समय दिया था।

## लेबनान के मिसाइल हमले में एक भारतीय की मौत, दो घायल

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग में कई निर्दोष भी मारे जा रहे हैं। सोमवार को लेबनान ने एक एंटी-टैंक मिसाइल दाग दी जिसमें एक भारतीय की मौत हुई है और दो लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के उत्तरी सीमावर्ती समुदाय मार्गालियट के पास एक बगीचे में लेबनान की तरफ से दागी गई मिसाइल के गिरने से केरल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और अन्य दो घायल हो गए हैं। उत्तरी इजराइल में लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के टैंक रोधी मिसाइल हमले में सोमवार को एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। इजराइल के चैनल 12 टीवी समाचार के अनुसार, मिसाइल ने मार्गालियट समुदाय के एक बगीचे में हमला किया,जिसकी चपेट में आठ भारतीय श्रमिक आ गए। इजरायल की मैगन डेविड एडोम की बचाव सेवा ने एक बयान में कहा कि इस हमले में दो भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और अन्य को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें वायु सेना के हेलीकॉप्टरों से अस्पतालों में पहुंचाया गया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, इजराइली सेना ने इस मिसाइल हमले का टैंक और तोपखाने से गोलाबारी बरसाकर मुंहतोड़ जवाब दिया है।

## यूएन की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा : हमास ने बंधकों के साथ किया दुष्कर्म

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग को लेकर यूएन ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमास बंधकों के साथ न केवल दुष्कर्म किया है बल्कि उन्हे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना भी दी है। दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर को हुए हमलों के दौरान कई बलात्कार भी हुए थे। इतना ही नहीं साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा ले जाए गए बंधकों के साथ भी रेप किया गया था। बता दें कि फिलिस्तीनी समूह हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला कर जंग शुरु की थी,तभी से दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संघर्ष में यौन हिंसा पर यूएन की विशेष प्रतिनिधि प्रमिला पैटन ने इजरायल और वेस्ट बैंक का दौरा किया था। वह फरवरी में करीब ढाई सप्ताह के लिए इन क्षेत्रों में अन्य एक्सपर्ट्स के साथ पहुंची थीं। उन्होंने पाया कि इस बात के स्पष्ट जानकारी थी कि कुछ बंधकों के साथ बलात्कार किया गया है। उन्होंने पाया कि यह भी माना जा रहा है कि ऐसी हिंसा उन लोगों के साथ अब तक जारी है, जो बंधक बने हुए हैं। खास बात है कि इजरायल ने हमास पर 7 अक्टूबर को बलात्कार और यौन हिंसा के भी आरोप लगाए थे। वहीं, इन मामलों पर धीमी प्रतिक्रिया देने के लिए यूएन को भी खासी आलोचना का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है, गाजा क्षेत्र में हमास और अन्य सशस्त्र बलों की तरफ से आम जनता और सैन्य के खिलाफ हुए हमलों के संदर्भ में मिशन की टीम को पता चला है कि यहां यह मानने का आधार है कि 7 अक्टूबर को कई स्थानों पर रेप और गैंगरेप समेत संघर्ष संबंधित यौन हिंसा हुई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि ये घटनाएं तीन जगहों पर हुई हैं। इनमें नोवा म्यूजिक फेस्टिवल, रोड 232 और किब्बूत्ज रीम शामिल है। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है, इनमें से अधिकांश घटनाओं में पीड़ितों के साथ पहले बलात्कार किया गया और बाद में उन्हें मार दिया गया।

## ईरान ने तेहरान-मास्को अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी दावों को किया खारिज

तेहरान, । ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने मॉस्को के साथ तेहरान के अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी अधिकारियों के दावों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया। कनानी अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के दावों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मिलर ने रूस द्वारा हाल ही में ईरानी उपग्रह के प्रक्षेपण को दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग एक और उदाहरण बताया था। इसे उन्होंने यूक्रेन, ईरान के पड़ोसियों व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा कहा था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को तेहरान में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि ईरान और रूस के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों के तहत दोनों देशों के सामान्य हितों पर आधारित है। कनानी ने जोर देकर कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनों के तहत सहयोग दोनों देशों का अधिकार है। हम अमेरिकी अधिकारियों के आधारहीन दावों को खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारा सहयोग किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है। गौरतलब है कि ईरान ने गुरुवार को पूर्वी रूस में रूस के सोयुज रॉकेट प्रक्षेपण के माध्यम से पार्स-1 नामक अपने उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

## भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है : वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में कहा

वाशिंगटन, । उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और देश यहां से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि इसका उभार भूराजनीति, धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सहित कई कारकों का परिणाम रहा है। उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशक की पीढ़ी भारत को एक रोमांचक कहानी के रूप में देख रही है और अब वे इसका हिस्सा बनना चाहते हैं, जो स्वागत योग्य है। यह शानदार है।' वरिष्ठ अधिवक्ता और लेखक जे. साई दीपक ने 'स्टैनफोर्ड इंडिया डायलॉग-द लीडर्स ऑफ टुमॉरो' में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और मुझे लगता है कि देश यहां से पीछे नहीं हटेगा' स्टैनफोर्ड इंडिया पॉलिसी एंड इकोनॉमिक्स क्लब (एसआईपीईसी) ने मोटवानी जडेजा फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शनिवार को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया था। कार्यक्रम में दीपक ने कहा, 'मुझे खुशी इस बात की है कि ज्यादा से ज्यादा लोग लिखने के काम में रुचि रखते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं। अच्छी बात यह है कि लिखने वाले लोग मौजूद हैं और तथ्य है कि इन्हें पिछले आधे दशक में शानदार सफलता मिली है।'

## विज्ञान का चमत्कार, अब दुनिया में बच?चे अपंग पैदा नहीं होंगे

लंदन । साइंस की दुनिया में फिर चमत्कार हुआ है। अक्सर सुनाने में आता हैं कि कई बच्चे जब पैदा होते हैं, तब उनके अंग पूरे विकसित नहीं होते। किसी बच्चे की आंखें नहीं खुलतीं, तब किसी का सिर आधा अधूरा बना रहता है। किसी के फेफड़े और किडनी पूरी तरह काम नहीं करते हैं। अब ऐसी जेनेटिक बीमारि?यों का इलाज की उम्मीद जगा गई है। वैज्ञानिकों ने पहली बार गर्भ में पल रहे शिशु के अंग लैब में तैयार करने की बात कही है। उनका दावा है कि उन्हें कुछ ऐसा फार्मूला मिला है, जिससे प्रेग्नेंसी के अंतिम दिनों में वे शिशुओं के अंगों और कोशिकाओं को विकसित कर सकते हैं। अजन्मे शिशुओं की स्टेम कोशिकाओं से मिनी अंग विकसित किए जा सकते है। अगर ये कामयाब रहा, तब दुनिया में बच्चे अपंग पैदा नहीं होंगे। क्योंकि गर्भ में ही उनके अंगों को विकसित किया जा सकेगा। दुनिया में हर साल लाखों बच्चे गर्भ में विकसित हुई बीमारी के साथ पैदा होते हैं। सबसे ज्यादा डायाफाम हर्निया के चांस होते है, जिसमें पेट के सारे अंग अपनी जगह से खिसककर छाती में चले जाते हैं। दूसरी दिक्कत सिस्टिक फाइब्रोसिस की होती है, इसमें कुछ ग्रंथियों में से असामान्य रूप से गाढ़े पदार्थ का रिसाव होने लगता है, जो फेफड़ों और पाचन तंत्र सहित कई अंगों को नुकसान पहुंचाता है। इस तरह की जेनेटिक बीमारी सिस्टिक किडनी डिसीज है। इसमें फ्लूड से भरी थैली यानी सिस्ट बन जाते हैं, जो किडनी के लिए गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसतरह के बीमारियों को नए फार्मूले के द्वारा ठीक किया जा सकेगा। आमतौर पर प्रेग्नेंसी के 22वें हफ्ते में भ्रूण के साथ छेड़छाड़ करना गैरकानूनी होता है। इससे बच्चे को दिक्कत हो सकती है। इसीलिए जब तक बच्चे को कोई गंभीर बीमारी न हो, इन हफ्तों में डॉक्टर सर्जरी का खतरा मोल नहीं लेते। लेकिन विशेषज्ञों दावा है कि अब वे एमनियोटिक थैली में तैरती कोशिकाओं से छोटे अंग विकसित कर सकते हैं, वहां भी बच्चे को छुए बिना। एमनियोटिक द्रव भ्रूण द्वारा निर्मित होता है और गर्भ में बच्चे को घेरे रहता है। यह द्रव बच्चे के शरीर से बहता रहता है और कोशिकाओं तक डीएनए लेकर जाता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की डॉ. मटिया गेरली ने कहा, नई रिसर्च हमें बच्चे को बिना छुए, उसके अंगों को ठीक करने की राह में आगे बढ़ रहे है। यह हमें आनुवंशिक बीमारियों के बारे में और अधिक सिखा सकती है। हम बेहतर तरीके से जान सकते हैं कि बच्चों में होने वाली जेनेटिक बीमारियों से कैसे निपटा जाए।

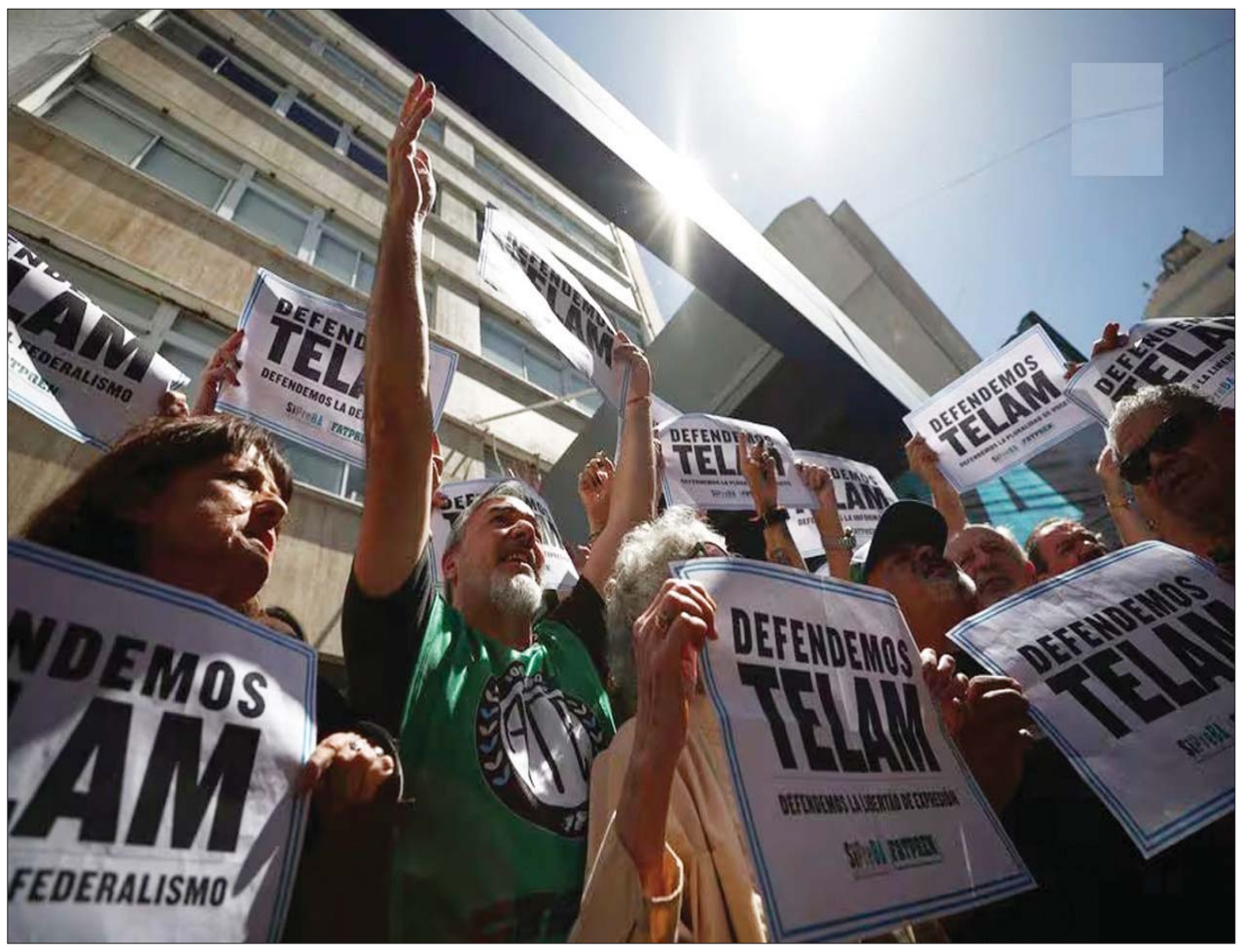


अर्जेंटीना में सरकारी स्वामित्व वाली न्यूज एजेंसी टीलेम के बंद होने पर प्रदर्शन करते हुए उसके कर्मचारी।

## कमला हैरिस ने इजरायली वॉर कैबिनेट सदस्य से कहा युद्धविराम की कार्रवाई में तेजी लाएं

वाशिंगटन। अमेरिका की वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने इजराइल के कैबिनेट सदस्यों से मुलाकात कर सीजफाइयर की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा है। उन्होंने फिलिस्तीनी नागरिकों को सभी प्रकार की मानवीय सहायता सुनिश्चित किए जाने का भी आग्रह किया। इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बेनी गैंट्ज़ के साथ हैरिस की मुलाकात सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बैठक के एक रीडआउट में कहा गया है, 'उपराष्ट्रपति ने बंधक समझौते को हासिल करने की तात्कालिकता पर चर्चा की और बंधक वार्ता के लिए इज़राइल के दृष्टिकोण का स्वागत किया।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमास से शर्तों को स्वीकार करने का आह्वान किया, जिसके तहत बंधकों की रिहाई के बाद तत्काल छह सप्ताह का युद्धविराम होगा।' रीडआउट में कहा गया है कि हैरिस ने 'गाजा में मानवीय स्थितियों और उत्तरी गाजा में एक सहायता काफिले के आसपास हाल ही में हुई भीषण त्रासदी के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।' इस घटना में एक सहायता काफिले से भोजन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे कई फिलिस्तीनियों पर हमला हुआ था जिसमें सौ से ज्यादा लोग मारे गए। जब से इजराइल ने गाजा में अपना आक्रमण शुरू किया है, तब से फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत की संख्या 30,000 से अधिक हो गई है। इज़रायली सेना ने रविवार को कहा था मारे गए लोगों में से अधिकांश की मौत भगदड़ से हुई, जबकि फिलिस्तीन द्वारा संचालित स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों को अस्पतालों में भेजा गया था, उन्हें गोली मार दी गई। रीडआउट में आगे कहा गया है कि गैंट्ज़ के साथ बैठक के दौरान हैरिस ने 'इजरायल से गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक इसका सुरक्षित वितरण सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से अतिरिक्त उपाय करने का आग्रह किया।'

## मालदीव का नया दांव-पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन से कर लिया सैन्य समझौता

**माले (एजेंसी)।** कई बार अपने मुंह की खा चुका मालदीव ने एक बार फिर भारत विरोधी कदम उठाया है। इस बार मालदीव ने पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन के साथ सैन्य समझौता कर लिया। बता दें कि पिछले साल नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कुछ तनाव आ गया था। व्यापक रूप से चीन समर्थक नेता के रूप में देखे जाने वाले मुइज्जू ने राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कहा कि वह भारतीय सैन्यकर्मियों को अपने देश से बाहर निकालने के अपने चुनावी वादे को निभाएंगे। मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारत के मित्र माने जाने वाले तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों की उसकी पहली असैन्य टीम मालदीव में एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले सैन्यकर्मियों की जगह लेने वहां पहुंच गई है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समयसीमा तय की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को संचालित करने के लिए तकनीकी कर्मियों की पहली टीम मालदीव पहुंच गई है। यह हेलीकॉप्टर को संचालित करने वाले मौजूदा कर्मियों का स्थान लेगी।'' भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी से संबंधित मुद्दे के समाधान के लिए गठित उच्च-स्तरीय कोर समूह की दूसरी बैठक के बाद, मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत 10 मई तक दो चरणों में अपने सभी सैन्यकर्मियों को हटा लेगा। कोर समूह की दूसरी बैठक दो फरवरी को दिल्ली में हुई।

चीन ने सोमवार को मालदीव के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त सैन्य सहायता प्रदान करने संबंधी रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर करने के लिए डेडलाइन तय की है। एक दिन पहले मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए चीन के अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग कार्यालय के उप निदेशक मेजर जनरल झांग बाओकुन से मुलाकात की। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर बताया कि मौमून और मेजर जनरल बाओकुन ने मालदीव गणराज्य को मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए चीन के सैन्य सहायता के प्रावधान पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बता दें कि मालदीव ने ताजा रक्षा सहयोग समझौते का अधिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब 4500 टन वजनी हाई-टेक्नोलॉजी से लैस चीन का जासूसी जहाज मालदीव के तट से रवाना हो गया है।

इस बीच बताया कि चीन ने मालदीव को 12 ईको-फ्रेंडली एम्बुलेंस भी गिफ्ट में दी हैं। रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में, मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने मालदीव को एम्बुलेंस का उपहार देने वाला पत्र प्रस्तुत किया। इससे पहले आधिकारिक रूप से जियांग यांग हांग श्री नामक यह चीनी जहाज ने ''कर्मियों को बदलने और आपूर्ति के लिए' के लिए बंदरगाह पर लंगर डाला था। मालदीव ने चीनी जहाज जियांग यांग होंग 03 को अपने कर्मियों के रोटेशन और लॉजिस्टिक एक्सचेंज के लिए माले बंदरगाह पर ठहरने की अनुमति दी थी। इसके कुछ दिनों बाद चीनी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने मालदीन की यात्री की है। पांच जनवरी को श्रीलंका ने जियांग यांग हांग श्री के प्रवेश को अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि उसने अपनी समुद्री सीमा में विदेशी अनुसंधन जहाजों के प्रवेश पर एक साल के लिए रोक लगाने की घोषणा की है। भारत ने अपने पड़ोस में चीन के अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर चिंता प्रकट की थी। संयोग से यह चीनी जहाज भारत-मालदीव-श्रीलंका त्रिपक्षीय 'दोस्ती-16' अभ्यास के स्थल के समीप ही था। यह अभ्यास 22 फरवरी और 25 फरवरी के बीच हुआ था।

## अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश बना फ्रांस

**पेरिस (एजेंसी)।** अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश फ्रांस बन गया है। फ्रांस के सांसदों ने सोमवार को संसद के संयुक्त सत्र के दौरान देश में गर्भपात को महिलाओं का संवैधानिक अधिकार बनाने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक पर मतदान हुआ और इसके पक्ष में 780 जबकि विरोध में 72 वोट पड़े। प्रधान मंत्री गेब्रियल अटल ने मतदान से पहले सांसदों से कहा, हम सभी महिलाओं को एक संदेश भेज रहे हैं- आपका शरीर आपका है और कोई भी आपके लिए निर्णय नहीं ले सकता।फ्रांस में 1974 के कानून के बाद से महिलाओं को गर्भपात का कानूनी अधिकार प्राप्त है जिसकी उस समय कई लोगों ने कड़ी आलोचना की थी। महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने विधेयक को मंजूरी मिलने पर खुशी जताई और इस कदम की सराहना की। संसद के दोनों सदन नेशनल असेंबली और सीनेट पहले ही फ्रांसीसी संविधान के अनुच्छेद 34 में संशोधन के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे चुके हैं ताकि महिलाओं को गर्भपात के अधिकार की गारंटी दी जा सके। जब मतदान के परिणाम की घोषणा एक विशाल स्क्रीन पर की गई तो पृष्ठभूमि में एफिल टॉवर चमक रहा था और माईबॉडीमायचॉइस संदेश प्रदर्शित हो रहा था, इसलिए मध्य पेरिस में एकत्र हुए गर्भपात अधिकार कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई और तालियां बजाईं। संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य देशों की तुलना में फ्रांस में गर्भपात के अधिकार को अधिक व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लगभग 80प्र. फ्रांसीसी लोग इस तथ्य का समर्थन करते हैं कि गर्भपात कानूनी है।

### अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी क्लीनचिट...

## चुनाव लड़ने का रास्ता हुआ साफ

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर लगाए प्रतिबंध को रद्द कर दिया। कोलराडो के टॉप कोर्ट ने 14वें संविधान संशोधन के तहत ट्रंप को चुनाव लड़ने से रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राज्य अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर गया है। कोर्ट ने कैपिटल दंगे के लिए ट्रंप को जवाबदेह ठहराने के प्रयासों को खारिज कर दिया। इसके बाद अब ट्रंप का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। ट्रंप ने इस फैसले को अमेरिका के लिए बड़ी जीत करार दिया है।

जज ने सर्वसम्मति से लोअर कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया कि ट्रंप को छह जनवरी, 2021, कैपिटल दंगा मामले में उनकी कथित भूमिका के कारण सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित किया था। कोलोराडो के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी तरह के पहले फैसले में कहा था कि प्रावधान, धारा 3, ट्रंप पर लागू की जा सकती है। ट्रंप के वकीलों ने दलील दी कि छह जनवरी का दंगा विद्रोह नहीं था और अगर ऐसा था भी, तब ट्रंप दंगाइयों में शामिल नहीं हुए थे।

## जिनपिंग के खतरनाक इरादे, चीन ने 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया रक्षा बजट

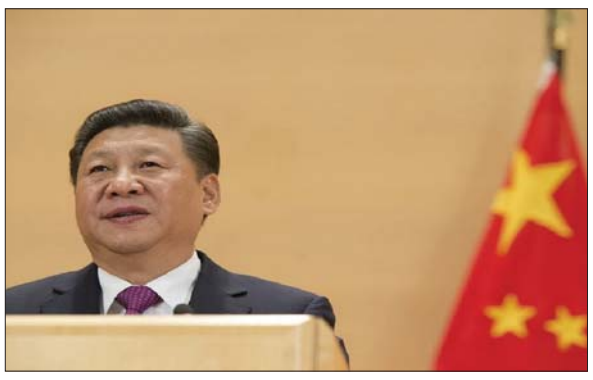

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** चीन इस साल अपने डिफेंस बजट में 7.2त्न का इजाफा किया है। ये आंकड़ा पिछले वर्ष के बराबर है। लेकिन सरकार की आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी से अधिक है। बजट में सेना पर 1.67 ट्रिलियन युआन (230.60 अरब डॉलर) खर्च का अनुमान लगाया गया है। अमेरिका चीन के रक्षा बजट पर कड़ी नजर रखता है। ताइवान पर हाल ही में बढ़े तनाव को देखते हुए बीजिंग के रणनीतिक लक्ष्यों और उसके सैन्य बलों की वृद्धि को लेकर अमेरिका पहले से ही चिंतित हैं। चीन ने कहा कि वो ताइवान की स्वतंत्रता और बाहरी हस्तक्षेप के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध करेगा। पिछली रिपोर्टों में शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के उल्लेख से परे अन्य रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन पुनर्मिलन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा।

इस वर्ष सैन्य खर्च में वृद्धि एकल-अंकीय वृद्धि के लगातार नौवें वर्ष का प्रतिनिधित्व करती है। पिछले वर्षों की तरह, खर्च के किसी भी ब्यौरे के बिना, केवल कुल राशि और वृद्धि का प्रतिशत प्रदान किया गया था। प्रधानमंत्री ली कियांग की पहली कार्य रिपोर्ट मंगलवार को बीजिंग में अपनी वार्षिक बैठक के दौरान चीन की रबर-स्टैम्प संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) द्वारा सुनी जानी है। रॉयटर्स द्वारा देखी गई एक आधिकारिक कार्य रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने 2024 के लिए लगभग 5प्र. वार्षिक आर्थिक विकास लक्ष्य स्थापित किया है, जो पिछले वर्ष के एजेंडे के अनुरूप है।

बता दें कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बीते वर्षों में रक्षा खर्च बढ़ा है। अमेरिका के बाद चीन रक्षा बजट पर खर्च करने के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

## पृथ्वी को गर्म होने से रोकने उपाय बताया वैज्ञानिकों ने

### -नहीं आएंगे बहुत सारे अकाल और बाढ़

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अगले कुछ ही सालों में धरती का तपमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके उम्मीद से ज्यादा ही गंभीर नतीजे देखने को मिलेंगे जिसके लिए मानव जाति और शायद पृथ्वी भी तैयार नहीं है। यह कहना है वैज्ञानिकों का।

ताजा अध्ययन में साइंटिस्ट ने ऐसा समाधान सुझाया है जिससे पृथ्वी को अकाल, हिमयुग और बाढ़ आदि से बचाया जा सकेगा। ऐसा नहीं होने पर दुनिया में लाखों लोग केवल अकाल से ही मरने लगेंगे। वैज्ञानिक यह कोशिश कर रहे हैं कि पृथ्वी को किसी तरह से और ज्यादा गर्म होने से रोका जा सके। अब कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऐसा करने का नया उपाय खोज निकला है जिसे अपनाने से पृथ्वी के बढ़ते तापमान को रोका जा सकेगा। वैज्ञानिकों का यह तक दावा है कि केवल यही उपाय ही तापमान घटाने के लिए काफी होगा। यदि उच्च वायुमंडल में मौजूद पानी की वाष्पों को सुखा दिया जाए तो गर्मी को पृथ्वी से बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा। इससे पृथ्वी का तापमान कम हो जाएगा और वह ठंडी हो जाएगी।

रिपोर्ट में ऐसा करने के लिए वैज्ञानिकों ने वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में बर्फ फेंकने का सुझाव दिया है। वैज्ञानिकों ने यह भी माना हा कि यह काम खतरे से खाली नहीं है, फिर एक अच्छा विकल्प हो सकता है। उनका कहना है कि पृथ्वी सतह से 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर खास विमानों से अगर बर्फ के कण फैला दिए जाएं तो इससे वहां की वाष्प ठंडी हो जाएगी, पर बड़ा सवाल यह है कि इसके लिए कितनी बर्फ की जरूरत होगी।

इस सवाल का जवाब भी वैज्ञानिकों ने दिया है कि उन्होंने कहा कि हर सप्ताह हवा में दो टन के बर्फ के कण वायुमंडल के इस हिस्से में छोड़ने होंगे और ऐसा करने से तापमान 5 डिग्री तक कम हो सकता है। इतना ही नहीं उनका तो यहां तक कहना है कि इससे प्रदूषण तक कम हो जाएगा। बता दें कि दुनिया अब बहुत तेजी से ऐसे दौर में जा रही है जहां उसने चरम मौसम की घटनाएं बहुत ज्यादा और बार-बार देखने को मिलने लगेंगी।

## रशिया में गोल्ड मेडल जीतकर वैष्णवी ने देश का गौरव बढ़ायाः मुख्यमंत्री यादव

**भोपाल ।** रशिया में आयोजित इंटरनेशनल मास्को वुशु चैम्पियनशिप के 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर मध्यप्रदेश के सतना की वैष्णवी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा कि वैष्णवी ने एमपी सहित देश का गौरव बढ़ाया है। डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि एमपी और देश को आप पर गर्व है। उन्होंने पोस्ट में लिखा वैष्णवी बिटिया ने रशिया में आयोजित इंटरनेशनल मास्को वुशु चैम्पियनशिप-2024 में 48 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मैडल जीतकर सतना की बेटी वैष्णवी ने मध्यप्रदेश सहित देश का गौरव बढ़ाया है। प्यारी बिटिया आप ऐसे ही स्वर्णिम सफलताएं अर्जित कर आगे बढ़ती रहो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं एवं ढेर सारा आशीर्वाद।

# प्रणीत ने संन्यास लिया

**नई दिल्ली ।**

भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल बी साई प्रणीत ने खेल से संन्यास ले लिया है। 31 साल की उम्र में खेल को अलविदा कहने वाले प्रणीत ने साल 2019 की विश्व चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता था। प्रणीत ने 2019 विश्व चैंपियनशिप सत्र में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। इस प्रकार 36 साल बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले भारतीय बने थे। इससे पहले साल 1983 में दिग्गज खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीता था।

साल 2019 प्रणीत के लिए बेहद अहम रहा था। विश्व चैंपियनशिप सत्र में कांस्य पदक जीतने के अलावा इस खिलाड़ी ने 2013 थाईलैंड ओपन के पहले राउंड में 2003 के ऑल इंग्लैंड चैंपियन मलेशिया के मुहम्मद हाफिज हाशिम को हराया था। उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। प्रणीत ने उन्हें दिये समर्थन के लिए गोपीनाथ अकादमी का भी आभार जताया है। हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी ने अपने शानदार करियर को समाप्त करने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने अपने इंस्टा अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा। भावनाओं के मिश्रण के साथ, मैं विदाई देने और उस खेल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करने के लिए इन शब्दों को लिख रहा हूं जो 24 वर्षों से अधिक समय से मेरा जीवन रहा है। प्रणीत एक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। आने वाले समय में वह अमेरिका में ट्रायंगल बैडमिंटन अकादमी के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं देते नजर आएंगे।

# अपने 100वें टेस्ट से पहले अश्विन ने कहा, 'मैंने अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं लिया जितना मुझे लेना चाहिए था'

**नई दिल्ली,**

भारतीय स्पिन लीजेंड रविचंद्रन अश्विन अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि मैंने अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं लिया जितना मुझे लेना चाहिए था क्योंकि वह हर दौरे के बाद एक बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए अपने आप में वापस चले जाते हैं। धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ 7 मार्च से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान, अश्विन खेल के लंबे प्रारूप में अपना 100वां मैच खेलेंगे। राजकोट में चल रही श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में, अश्विन 500 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले नौवें और अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए तथा मुथैया मुरलीधरन, शेन वार्न, जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड, कुंबले, ग्लेन मैकग्रा, कर्टनी वॉल्श और नाथन लियोन जैसे गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए। इसके अलावा, उन्होंने घरेलू टेस्ट में 350 विकेट की बाधा को तोड़ दिया और कुंबले को पीछे छोड़ते हुए भारत के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अश्विन ने 99 टेस्ट मैचों में 507 विकेट, 116 वनडे में 156 विकेट और 65 टी20 में 72 विकेट लिए हैं। अपने महत्वपूर्ण अवसर से पहले, अश्विन कुंबले के साथ जियोसिनेमा पर स्पिन मास्ट्रोस कार्यक्रम में बातचीत कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि यदि चीजें सही नहीं होती हैं या सही होती हैं तो आप किस पर भरोसा करते हैं? अश्विन ने कहा,: मैं एक व्यक्ति के पास वापस जाता हूं और यह उस व्यक्ति के लिए बहुत तनावपूर्ण है। वह व्यक्ति मैं हूं। उन्होंने कहा,÷क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिकेट सबसे महान आत्म-विचार वाले खेलों में से एक है। और यदि आप अपने बारे में निर्दयी और बहुत आलोचनात्मक हैं, तो मुझे लगता है कि यह आपके चेहरे पर सच्चाई देखेगा। भारत में पर्याप्त और अधिक आलोचक हैं जो ऐसा करेंगे आपको बता देंगे, उनमें से 10 आपको गलत बातें बताएंगे, लेकिन वे निश्चित रूप से आलोचनात्मक हैं। लेकिन उनमें से 10 आपको सही चीजें भी बताएंगे। इसलिए, जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, मेरी सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि मैं अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं ले पाता, जितना मुझे लेना चाहिए था। लेकिन, इससे मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनने में भी मदद मिली है। मैंने लगातार चीजों में सुधार की तलाश की है और मैंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि किसी विशेष दिन मैं जो हूं उससे मैं बहुत असहज हूं। और फिर मैं ड्राइंग बोर्ड पर वापस आता हूं और इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं कि खेल में और अधिक लाने के लिए मैं और क्या कर सकता हूं। अश्विन ने कहा, उदाहरण के लिए, स्टीवन स्मिथ ने मेरे खिलाफ शतक बनाया है, मैं उसे कैसे पकड़ सकता हूं, या जो रूट ने शतक बनाया है, मैं उसे कैसे पकड़ सकता हूं। इसलिए लगातार वह विचार एक नई कार्रवाई शुरू करता है और अंततः इसने मेरे लिए वर्षों काम किया है इसलिए मैं वहां आराम से बैठा हूं।

इस महत्वपूर्ण अवसर से पहले बोलते हुए, अश्विन ने विनम्रतापूर्वक अपनी क्रिकेट यात्रा के दौरान अपने परिवार के अपार समर्थन और त्याग को स्वीकार किया। वह इस बात पर जोर देते हैं कि जहां 100वां टेस्ट व्यक्तिगत महत्व रखता है, वहीं यह उनके पिता, मां, पत्नी और बच्चों के लिए और भी अधिक मायने रखता है, जो उनके लिए समर्थन और प्रोत्साहन के दृढ़ स्तंभ रहे हैं। अश्विन ने कहा, 100वां टेस्ट मेरे लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन यह मेरे पिता, मां, पत्नी और यहां तक कि मेरे बच्चों के लिए भी अधिक मायने रखता है। मेरे बच्चे टेस्ट को लेकर अधिक उत्साहित हैं। एक खिलाड़ी की यात्रा के दौरान परिवार बहुत कुछ झेलता है।

# यशस्वी को मिल सकता है फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

**दुबई ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में दो दोहरे शतक के साथ ही अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। ऐसे में वह फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी की दौड़ में सबसे आगे हो गये हैं। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की इस दौड़ में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और श्रीलंका के पाथुम निसांका भी शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में यूएई की कविशा ई और ईशा ओझा और ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। आईसीसी ने कहा ,''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए महिला और पुरूष वर्ग में नामांकन घोषित कर दिये हैं। पिछले माह कई बड़े मुकाबले खेले गए हैं और आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में टेस्ट क्रिकेट में बड़े स्कोर बनाने वाले दो खिलाड़ी और हैं।''

यशसवी पहली बार इस पुरस्कार की रेस में हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में 655 रन बनाये हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम और राजकोट में दोहरे शतक लगाये थे। राजकोट में उन्होंने एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक 12 छक्कों का रिकार्ड बनाया था। 22 साल और 49 दिन की उम्र में लगातार दो दोहरे शतक लगाकर यशस्वी सर डॉन ब्रैडमेन और विनोद कांबली के बाद दुनिया के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। वहीं दूसरे दावेदार न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

# कश्मीर की अनस और आयरा ने मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल में जीते स्वर्ण

**नई दिल्ली ।**

जम्मू कश्मीर की अनसा चिश्ती और आयरा चिश्ती ने रुसी मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन वर्ग 52 और 56 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इन दोनो ने ही फाइनल में रूसी खिलाड़ियों को हराया और अपने प्रशंसकों के साथ-साथ अपने प्रदेश और देश का नाम रौशन किया है। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल की प्रमुख नुजहत गुल ने सोशल मीडिया पर घाटी की इन दो प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन वर्ग 52 और 56 में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने फाइनल में रूसी खिलाड़ियों को हराया और अपने प्रशंसकों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ाया है। आयरा का ये तीसरा अंतरराष्ट्रीय पदक है। इस महिला खिलाड़ी ने इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया में स्वर्ण और इंडोनेशिया में विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अब यह अंतरराष्ट्रीय वुशु चैम्पियनशिप में लगातार तीसरा पदक है और पिछले साल उन्हें राज्य पुरस्कार के लिए भी चुना गया था। आयरा पहली वुशु महिला एथलीट हैं जिन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया था। वहीं इसी प्रकार अंतराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में दूसरा पदक जीतने वाली अनसा ने इससे पहले जॉर्जिया इंटरनेशनल वुशु चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था।

# भारत-इंग्लैंड धर्मशाला टेस्ट के दौरान बारिश और ओले गिरने की संभावना

**मुम्बई ।**

भारत और इंग्लैंड के बीच सात मार्च से धर्मशाला में शुरु हो रहे पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खराब मौसम बाधक बन सकता है। भारतीय टीम इस सीरीज में 3-1 से आगे है। ऐसे में अगर इस मैच में बारिश के कारण मैच नहीं होता है तो भी भारतीय टीम पर कोई प्रभाव नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार मैच के दौरान धर्मशाला में ओले गिरने के साथ-साथ बारिश भी हो सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार 7 फरवरी को धर्मशाला में बारिश हो सकती है। इस दौरान बारिश के साथ साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो पहले दिन का खेल शायद ही हो पाये। इस दौरान दिन का सबसे अधिक तापमान 7 डिग्री जबकि सबसे कम 4 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों को इतनी ठंडे मौसम में खेलने की आदत है पर भारतीय टीम के लिए खेलना आसान नहीं रहेगा। इससे पहले इस साल की शुरुआत में मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ठंड से परेशान थी। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले अभ्यास सत्र में अधिकतर क्रिकेटर ठिठुरते दिखे थे। ऐसे में पांच दिन तक खेलना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। पांचवे टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाशदीप।

## संक्षिप्त समाचार

### तमिलनाडु के कप्तान पर टिप्पणी के लिए कोच पर भड़के कार्तिक

**मुम्बई ।** क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने तमिलनाडु के कप्तान साई किशोर पर टिप्पणी के लिए टीम के कोच सुलक्षण कुलकर्णी की आलोचना की है। कोच ने इससे पहले कहा था कि कप्तान साई के पहले बल्लेबाजी के फैसले के कारण ही टीम को सेमीफाइनल में मुम्बई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। कुलकर्णी ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए साई को दोषी ठहराया और यहां तक कि दावा किया कि वे टॉस के साथ ही मैच भी हार गए थे जबकि मैंने कहा था कि इस प्रकार के मैदान पर पहले गेंदबाजी की जाती है। वहीं कार्तिक ने कोच द्वारा की गई टिप्पणियों की आलोचना की। विकेटकीपर ने कहा कि वह कुलकर्णी की टिप्पणियों से निराश हैं। उन्होंने साई का साथ देने की जगह उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यह बहुत गलत है। कोच की ओर से यह बहुत निराशाजनक टिप्पणी है जबकि उन्हें अपने कप्तान का समर्थन करना चाहिये था। उस कप्तान का समर्थन करने के की जगह जिसने 7 साल बाद टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया है और यह सोचकर कि यह अच्छी चीजों के होने की शुरुआत है, कोच ने अपने कप्तान को पूरी तरह से बाहर कर दिया है। मुंबई ने तमिलनाडु को सेमीफाइनल में पारी और 70 रनों से हरा दिया था।

### आई पी एल में पंजाब किंग्स ने अब तक बदले हैं सबसे ज्यादा कप्तान

**मुम्बई ।** 22 मार्च से शुरु हो रही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से पहले प्रशंसक इस लीग को लेकर कई बातें जानना चाहते हैं। एक सवाल जो प्रशंसकों के मन में उठ रहा है वह ये है कि इसमें सबसे ज्यादा बार किस लीग ने कप्तान बदला है। तो इसका जवाब है पंजाब किंग्स जिसे पहले किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से जाना जाता था। ये प्रीति जिंटा के मालिकाना अधिकार वाली टीम है। पंजाब किंग्स ने अब तक सबसे ज्यादा 15 कप्तान बदले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। तीसरा नंबर सनराइजर्स हैदराबाद का आता है। मुंबई इंडियंस ने 9 कप्तान बदले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स ने अब तक कुल 7 सात 7 कप्तान बदले हैं। वहीं आईपीएल का सबसे पहला खिताब जीतने वाले राजस्थान रॉयल्स ने अब तक 6 कप्तान बदले हैं। वहीं गुजरात टाइटंस ने तीन बार कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने अब केवल तीन बार कप्तान बदला है। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया है। वह इस टीम के 10वें कप्तान हैं।

### प्रवीण ने कहा , गांगुली जैसे कप्तान हैं रोहित

**नई दिल्ली ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा है कि वह पूर्व कप्तान सौरव गांगुली जैसे हैं। प्रवीण ने कहा कि रोहित भी सौरव की तरह पहले तो खिलाड़ियों को डांटते हैं फिर बाद में उन्हें गले भी लगाते हैं। रोहित मैदान पर मैच के दौरान अपनी टीम के खिलाड़ियों को डांटते हैं पर साथ ही उन्हें निडर होकर भी खेलने को कहते हैं। इसी कारण उनकी तुलना गांगुली से की जाती है। प्रवीन ने कहा, रोहित एक बेहद शानदार कप्तान हैं। उन्होंने टीम का नेतृत्व बहुत ही बेहतरीन तरीके से किया है। वहीं गांगुली एक ऐसे कप्तान हुए जिन्होंने टीम को बनाया था। उन्होंने टीम को युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को मिलाकर तैयार किया। वहीं रोहित भी यही कर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान को डांट लगाई थी। दोनों ड्रिंक के दौरान वापस आने लगे थे पर रोहित ने ड्रेसिंग रूम से ही दोनों को इशारे में डांट लगाते हुए कहा अभी बल्लेबाजी करो वापस आने किसने कहा है। यह वीडियो काफी ज्यादा वायरल भी हुआ था। इसके अलावा सरफराज खान को फिल्डिंग के दौरान हेलमेट ना लगाने पर कहा था कि ज्यादा हीरो मत बनो। इसके अलावा रवींद्र जडेजा को नो बॉल करने पर फटकारते हुए कहा था कि आईपीएल में तो नो बाल नहीं डालता। प्रवीन ने कहा, जब टीम के साथी खिलाड़ी गलती करते हैं तो उनको रोहित डांट लगाते हैं और इसके बाद जाकर गले भी लगाया करते हैं। वह अपने सभी खिलाड़ियों को मैच के दौरान प्रेरित करने के साथ ही सलाह भी देते हैं।

### मां की मौत से अब तक नहीं उबर पाये हैं कमिंस

**मेलबर्न ।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि गत वर्ष भारत दौरे पर जाना उनके लिए सबसे कठिन था। इसका कारण है कि उन्हें पता था कि मां की बिमारी के चलते उन्हें कभी भी स्वदेश लौटना पड़ा सकता है। कमिंस की मां की मौत हो गयी है और इस सदमे से वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं। कमिंस ने कहा कि तब टेस्ट सीरीज के दौरान घर पर उनकी मां का इलाज चल रहा था। कमिंस की मां मारिया की पिछले साल कैंसर से मौत हो गयी थी। कमिंस ने में कहा, जब मैं भारत के लिए विमान में बैठ रहा था तो मुझे पता था कि मुझे कुछ सप्ताह में ही वापस घर लौटना होगा। कमिंस टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत में थे पर बीच में ही वह दौरा छोड़कर स्वदेश लौट गये थे हालांकि तब उनके स्वदेश लौटने का कारण नहीं बताया गया था। , कमिंस ने कहा कि उन्होंने अपनी मां मारिया के अंतिम दिनों की यादों को निजी रखने की कोशिश की और उन्हें यह नहीं बताया कि पिछले साल भारत में दो टेस्ट खेलने के बाद वह घर क्यों चले आ गये थे। उन्होंने कहा, मां और पिताजी को एक साथ बैठकर मुझे खेलते हुए देखकर आनंद मिलता था। इससे मुझे जाने और खेलने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास मिला और वे इसके लिए बेताब थे, उन्होंने मुझे जाने और खेलने के लिए कहा जबकि मुझे पता था कि मुझे किसी भी समय वापस लौटना पड़ सकता है।

### सचिन ने अनंत और राधिका को अनौखे अंदाज में बधाई दी

**मुम्बई ।** महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मुकेश और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट को अपने ही अंदाज में बधाई दी है। सचिन ने प्री वेडिंग समारोह में अनंत और राधिका आशीर्वाद देते हुए एलबीडब्ल्यू कहकर इस शब्द को एक नया अर्थ दिया। सचिन ने अनंत और राधिका के जामनगर में हुए तीन दिवसीय प्री वैडिंग समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, एलबीडब्ल्यू का मतलब अनंत और राधिका के लिए प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं है! इस खूबसूरत जोड़ी को शुभकामनाएं। अनंत की प्री-वेडिंग पार्टी में सचिन के अलावा कई प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया है। समारोह में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, जहीर खान, ड्वेन ब्रावो, एमएस धोनी भी नजर आए थे। सचिन आईपीएल सत्र में अंबानी परिवार के मालिकाना अधिकार वाली मुंबई इंडियंस टीम के मैंटोर की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे। मुम्बई ने अब तक 5 आईपीएल खिताब जीते हैं ओर सचिन इस संख्या को और बढ़ाना चाहेंगे। मुम्बई ने इस सत्र के लिए हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया है।

## काशी में शुरू हुई तमन्ना भाटिया की क्राइम-थ्रिलर फिल्म की शूटिंग

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार तमन्ना भाटिया अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह अपनी एक नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म ओडेला 2 को लेकर एक नई अपडेट सामने आ रही है। तमन्ना की इस नई फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो चुकी है। फिल्म के सेट से कई तस्वीरें सामने आई हैं। क्राइम-थ्रिलर ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है, जो 2022 में रिलीज हुई थी। ओडेला 2 कई भाषाओं में रिलीज होगी।

### काशी में फिल्माया गाया फिल्म का अहम सीन

तमन्ना भाटिया अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 की शूटिंग शुरू होने से बेहद खुश हैं। तमन्ना के साथ इस फिल्म में हेबा पटेल और वशिष्ठ एन. सिम्हा भी नजर आएंगे। ओडेला 2 का निर्देशन अशोक तेजा कर रहे हैं। डी मधु मधु क्रिएशन्स और संपत नंदी टीमवर्क्स के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। ये फिल्म अपनी दिलचस्प कहानी और दमदार अभिनय से दर्शकों को लुभाने का वादा करती है। आज एक मार्च से फिल्म की शूटिंग प्राचीन शहर काशी में शुरू हुई है। टीम ने पवित्र नदी गंगा के घाटों पर फिल्म से जुड़ा महत्वपूर्ण सीन फिल्माया है।

### गंगा किनारे शुरू हुई फिल्म की शूटिंग

ओडेला 2 के सेट से कई तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में फिल्म की टीम गंगा किनारे नजर आ रही है। तमन्ना इन तस्वीरों में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने हल्के गुलाबी रंग का सूट पहना हुआ है। माथे पर पूजा का तिलक लगाया हुआ है। फैंस को इस फिल्म में तमन्ना की भूमिका का बेसब्री से इंतजार है। अभिनेत्री के फैंस ये जानने के लिए उत्सुक है कि वह फिल्म में किस भूमिका में दिखाई देंगी। खासकर तब क्योंकि यह फिल्म पवित्र शहर काशी पर आधारित है।

### आखिरी बार बांद्रा में नजर आई थीं तमन्ना

तमन्ना के फैंस को उम्मीद है कि वह फिल्म में एक यादगार किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। ओडेला 2 का साउंडट्रैक प्रसिद्ध बी. अजनीश लोकनाथ द्वारा रचित है। उन्हें कंतारा जैसी फिल्मों में अपने शानदार काम के लिए जाना जाता है। तमन्ना भाटिया आखिरी बार अरुण गोपी द्वारा निर्देशित मलयालम फिल्म बांद्रा में नजर आई थीं।

## कार्ल अर्बन के साथ जमेगी प्रियंका चोपड़ा की जोड़ी

**प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनके पास कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है, वहीं अब अभिनेत्री ने अपनी एक और नई हॉलीवुड फिल्म की घोषणा कर दी है।**

प्रियंका ने आधिकारिक तौर पर अपनी नई मनोरंजक फिल्म द ब्लफ की घोषणा कर दी है। हालांकि, बीते कुछ समय से ये खबरें सामने आ रही थीं कि अभिनेत्री ने यह फिल्म साइन की है, लेकिन अब उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर इस पर मुहर लगा दी। फिल्म में प्रियंका हॉलीवुड अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ अभिनय करेंगी।

### प्रियंका ने साझा किया पोस्ट

प्रियंका की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। द ब्लफ का निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स करेंगे। हिट फिल्म बॉब मार्ले: वन लव के सह-लेखन के बाद उन्हें लोकप्रियता मिली थी, इस फिल्म ने दुनिया भर में 120 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की थी। प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट साझा किया और लिखा, कभी-कभी हमें आशा होती थी कि यदि हम जिंदा रहे और अच्छे रहे तो भगवान हमें समुद्री डाकू बनने की अनुमति देंगे।

### फिल्म की कहानी

वहीं बात करें द ब्लफ की कहानी के बारे में तो यह 19वीं सदी के कैरेबियन पर आधारित है और एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की कहानी है। प्रियंका चोपड़ा समुद्री डाकू की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी परिवार की रक्षा करने के इर्द-गिर्द भी घूमती है। निर्माता फिल्म की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में शुरू करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण एजीबीओ के एंथोनी रूसो, जो रूसो, एंजेला रूसो-ओटस्टोट और माइकल डिस्को द्वारा किया जाएगा।

### प्रियंका की आने वाली फिल्मों

वहीं बात करें प्रियंका चोपड़ा की आने वाली फिल्मों के बारे में तो द ब्लफ के अलावा अभिनेत्री के पास कुछ हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनमें जॉन सीना के साथ हेड ऑफ स्टेट और सिटाडेल 2 शामिल हैं। प्रियंका अभिनेत्री आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म जी ले जरा के जरिए बॉलीवुड में भी वापसी करेंगी।

## हाय पापा के बाद अब एक्शन करते नजर आएंगे नानी

साउथ स्टार नानी वर्तमान में इंडस्ट्री के टॉप अभिनेताओं में से एक है। कुछ समय पहले नानी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म हाय पापा रिलीज हुई थी, जिसे दर्शक खूब पसंद किया। हाय पापा की सफलता के बाद नानी अपनी अपकमिंग फिल्म सारिपोधा सनिवारम को लेकर चर्चा में हैं। बीते शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी किया, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। टीजर रिलीज के बाद मेकर्स ने फिल्म के रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। सारिपोधा सनिवारम फिल्म का निर्देशन विवेक अथरेया ने किया है, जिन्होंने नानी के साथ साल 2022 में अंते सुंदरानिकी का निर्देशन किया था। सोशल मीडिया एक्स पर मेकर्स ने फिल्म की पोस्टर शेयर कर इसके रिलीज डेट की घोषणा की। नानी का यह चर्चित फिल्म इस साल 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म को लेकर एक दिलचस्प बात यह भी है कि मेकर्स ने तेलुगु में सनिवारम शब्द का मतलब शनिवार होता है। वहीं, फिल्म से जुड़ी हर बड़ी अपडेट शनिवार के दिन ही सामने आई है। बीते साल अक्टूबर में फिल्म के मुख्य महिला किरदार के लिए प्रियंका मोहन को चुना गया, वहीं, सूर्या भी फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा साई कुमार और सुभलेखा सुधाकर भी इसमे अहम किरदार में नजर आएंगे।

एंग्री यंग मैन के रोल में नजर आएंगे नानी वन मैन आर्मी की थीम पर आधारित इस फिल्म को डीवीवी दानय्या अपने प्रोडक्शन हाउस डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर तले बना रहे हैं। फिल्म का संगीत जेक्स बेजॉय तैयार कर रहे है। फिल्म के टीजर में नानी का अवतार बेहद दमदार नजर आया। नानी फिल्म सूर्या के किरदार में हैं, जिनका रोल फिल्म में बेहद गुस्से वाला है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या नानी की यह फिल्म हाय नन्ना की तरह कमाल दिखाती है या नहीं।

## टाइगर ने 14 की उम्र में शुरू कर दी थी मार्शल आर्ट प्रैक्टिस

अभिनेता टाइगर श्रॉफ आज 2 मार्च को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। टाइगर फिल्मी पृष्ठभूमि से आते हैं। वे जैकी श्रॉफ के बेटे हैं। अभिनय के साथ-साथ टाइगर अपने एक्शन और डांस के लिए भी मशहूर हैं। टाइगर का असली नाम जय हेमंत श्रॉफ है, लेकिन घर में उन्हें प्यार से टाइगर कहकर बुलाया जाता है। फिल्मी दुनिया में भी अब वे इसी नाम से जाने जाते हैं। टाइगर श्रॉफ ने वर्ष 2014 में आई फिल्म हीरोपंती से डेब्यू किया। टाइगर ने अब तक बागी, ए फ्लाइंग जट, बागी 3, स्टूडेंट ऑफ दि ईयर 2 , वॉर 2 जैसी फिल्मों में काम किया है। टाइगर मार्शल आर्ट में माहिर हैं। उन्होंने बाकायदा इसकी ट्रेनिंग ली है। बहुत कम लोग ही जानते हैं कि 14 साल की उम्र से उन्होंने मार्शल आर्ट की प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। वह ताइक्वांडो में फिफ्थ डिग्री ब्लैक बेल्ट हासिल कर चुके हैं।

### टाइगर के लिए नशा है एक्शन

टाइगर श्रॉफ की फिल्मों में उनका एक्शन भरपूर दिखाई देता है। फैंस उनके स्टंट देखकर हैरान रह जाते हैं। टाइगर ने एक्शन की प्रेरणा अभिनेता अक्षय कुमार और जैकी चेन से ली है। बीते दिनों टाइगर अमर उजाला संवाद कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने एक्शन प्रेम को लेकर बताया, मैं बचपन से एक्शन करता आया हूं। बचपन से अक्षय सर, जैकी चेन की फिल्में देखकर सीखा है। यह मेरे लिए नशा है।

### कौन सी है पसंदीदा एक्शन फिल्म?

टाइगर श्रॉफ की पसंदीदा एक्शन फिल्म की बात करें तो इस लिस्ट में युद्ध का नाम सबसे ऊपर है। उन्होंने बताया, मेरी पसंदीदा हिंदी एक्शन फिल्म युद्ध थी, जिसमें मेरे पिता जैकी श्रॉफ थे। अक्षय सर के स्टंट का भी मैं फैन हूं। मुझे फ्लाइट में बैठने का फोबिया है। खिलाड़ी 420 मूवी में वे प्लेन के विंग्स पर खड़े थे और स्टंट कर रहे थे। उनसे काफी कुछ सीखने का मौका मिला है।

### फिटनेस का राज?

टाइगर श्रॉफ अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। इसका राज उनके डेली रुटीन और आहार में छिपा है। टाइगर श्रॉफ हर दिन कसरत करते हैं। उन्होंने बताया, मैं सुबह साढ़े छह-सात बजे तक उठ जाता हूं। फिर रनिंग करने जाता हूं। घर लौटकर नाश्ता करता हूं। विटामिन डी लेता हूं। जिम जाकर मार्शल आर्ट ट्रेनिंग करता हूं। शूटिंग न हो तो घर आकर झपकी लेता हूं। फिर दोबारा जिम जाकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करता हूं। हालांकि, एक दिन वह चीट डे रखते हैं और अपना पसंदीदा खाना एंजॉय करते हैं।

## सांवली त्वचा की बॉलीवुड में कोई जगह नहीं है

मिर्जापुर 2 वेब सीरीज से दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाले दिब्येंदु भट्टाचार्य हाल ही में पोचर वेब सीरीज में नजर आए थे। दिब्येंदु को अक्सर नेगेटिव भूमिका में ही देखा जाता है। यही नहीं, दर्शक उनके विलेन की भूमिका को काफी सरहाते भी हैं। अब हाल ही में, दिब्येंदु ने फिल्म इंडस्ट्री में सांवले रंग के अभिनेताओं के साथ होने वाले भेदभाव के बारे में खुलकर बात की है। दिब्येंदु ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में कहा कि वह लगन से काम करते हैं, लेकिन इस बात से पूरी तरह वाकिफ हैं कि वह कभी भी 500 करोड़ रुपये की फिल्म में अभिनय नहीं करेंगे और वह ऐसी फिल्मों में अभिनय करने की इच्छा नहीं रखते हैं। दिब्येंदु ने कहा, मुझे जो भी काम मिलता है, मैं करता हूं। मुझे 500 करोड़ रुपये की फिल्म में अभिनय करने की कोई ख्वाहिश नहीं है। मुझे इस तरह की फिल्मों के ऑफर नहीं किए जाते हैं, लेकिन मुझे जो भी मिलता है, मैं उसे पूरी लगन से करता हूं। इंटरव्यू में आगे जब दिब्येंदु से उनके पिछले बयान के बारे में पूछा गया कि सांवले रंग के अभिनेताओं को सकारात्मक भूमिकाएं नहीं मिलती हैं तो अभिनेता ने सहमति में सिर हिलाया और कहा यही धारणा है। इसके बाद अभिनेता ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की तुलना हॉलीवुड से की और कहा कि पश्चिम के पास सभी रंग के लोगों को कास्ट करने का विचार होता है, लेकिन भारतीय तेजी से अधिक रंग भेदभाव की तरफ बढ़ते जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय बहुत ज्यादा रंगभेद करने लगे हैं। इसके बाद दिब्येंदु ने सांवली त्वचा वाले अभिनेताओं को कास्ट करने के रवैये पर कहा कि उन्होंने एक बार टीवी पर एक शो देखा था, जिसमें भगवान कृष्ण की भूमिका एक गोरे रंग वाले अभिनेता ने निभाई थी। पौराणिक ग्रंथों और कहानियों में कृष्ण को काले रंग का व्यक्ति बताया गया है।

## करियर में बड़ा बदलाव करना चाहते हैं आयुष्मान

आयुष्मान खुराना अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। हाल ही में, अभिनेता ने बताया की आने वाले समय में वो किस तरह की फिल्में करने वाले हैं। आयुष्मान ने बताया कि हर अभिनेता के लिए कुछ रोल को प्ले करना आसान होता है तो कुछ को निभाना मुश्किल होता है। अभिनेता ने कहा, चैलेंजिंग रोल करने के बाद ही मजा आता है एक्टर को बाकी 'बधाई हो', 'चंडिगढ़ करे आशिकी हो', वहां पर फिजिकैलिटी पर काम था, भाषा तो मुझे आती थी। अभिनेता ने ये भी बताया कि आने वाले समय में वे बड़ी कमर्शियल भी करने वाले हैं और कर रहे हैं। हालांकि, अभिनेता ने यह भी कहा कि वे आने वाले दिनों में भी दर्शकों का मनोरंजन करते रहेंगे।